हिन्दी दैनिक

प्रत्यूष नवबिहार

जोहार

रांची संस्करण

www.tezraftarlive.com
Email-navbiharjh@gmail.com

रांची, पटना और दिल्ली से प्रकाशित

रांची ● रविवार ● 23.11.2025 ● वर्ष : 16 ● अंक : 118 ● पृष्ठ : 12 ● आमंत्रण मूल्य : ~~3 रुपये~~ 2 रुपये

एक नजर

25 को होगी नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक

पटना : बिहार विधानसभा चुनाव के परिणाम आने और नई सरकार के गठन के बाद शुक्रवार को मंत्रियों के विभागों का बंटवारा कर दिया। अब लोगों को नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक का इंतजार है। जानकारी के मुताबिक, मंगलवार 25 नवंबर को नीतीश कुमार की नई कैबिनेट की पहली बैठक होगी। इस बैठक के दौरान मुख्यमंत्री कई अहम फैसले ले सकते हैं। नीतीश कुमार की नई कैबिनेट की पहली बैठक में सरकार सबसे पहला फैसला विधानमंडल का सत्र बुलाने को लेकर लेगी। विधानमंडल के सत्र में चुनकर आए विधायकों को उनके पद की शपथ दिलाई जाएगी। इसके साथ ही सरकार अनुपूरक बजट पेश करने को लेकर भी फैसला करेगी। बता दें कि नीतीश सरकार की इससे पहले की सरकार में सम्राट चौधरी वित्त मंत्री थे। लेकिन अब यह मंत्रालय जदयू के खाते में है और ऊर्जा और वित्त मंत्री बिजेंद्र प्रसाद अनुपूरक बजट पेश करेंगे।

तेलंगाना में 37 माओवादियों ने किया आत्मसमर्पण

हैदराबाद : राज्य सरकार के दबाव और नीतियों के चलते शनिवार को 37 माओवादियों ने तेलंगाना पुलिस महानिदेशक के समक्ष अपने हथियारों के साथ सरेंडर कर दिया। इनमें माओवादियों के टॉप लीडर आजाद, नारायण व एरार्लू के साथ 25 महिलाएं भी हैं। डीजीपी ने इन सभी को सरकार की ओर से घोषित इनाम और प्रोत्साहन राशि और पुनर्वासित में मदद करने का आश्वासन दिया है। शनिवार को तेलंगाना पुलिस महानिदेशक शिवधर रेड्डी के सामने 37 माओवादियों ने सरेंडर कर दिया। इन माओवादियों ने पुलिस को 303 राइफल, जी3 राइफल, एसएलआर, एके47 राइफलों के साथ बड़ी मात्रा में कारतूस और दूसरे खतरनाक हथियार सौंपे। आत्मसमर्पण के बाद डीजीपी शिवधर रेड्डी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बताया कि 37 माओवादियों ने तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के आह्वान पर मुख्यधारा में शामिल होने का निर्णय लिया है। इन आत्मसमर्पण करने वाले माओवादियों को इनाम, कैश और इंसेंटिव दिए जाएंगे।

झारखंड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ के ऐतिहासिक समारोह में राज्यपाल एवं मुख्यमंत्री हुए शामिल

राज्य के विकास में सेवा का अधिकार और पारदर्शी प्रशासन सरकार की प्राथमिकता : हेमन्त सोरेन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : झारखंड विधानसभा परिसर, रांची में शनिवार को झारखंड विधानसभा की 25वीं वर्षगांठ (रजत जयंती) के अवसर पर भव्य एवं ऐतिहासिक समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार एवं मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने विधानसभा की रजत जयंती के इस ऐतिहासिक अवसर पर समस्त विधायकगणों, मंत्रिगणों, सांसदगणों, विधानसभा अध्यक्ष एवं कर्मचारियों को शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि झारखंड के सृजन के पीछे एक लम्बा संघर्ष, बलिदान और यहां के आदिवासी-मूलवासी समाज की अमिट भूमिका रही है। राज्य को अलग दर्जा मिलने तक हमारे पूर्वजों और वीर शहीदों ने अनगिनत संघर्ष किए, जिनकी बदौलत आज झारखंड अपनी विशिष्ट पहचान के साथ विकास के पथ पर अग्रसर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि 25 वर्षों का यह सफर प्रदेश के लिए अनेक अनुभवों से भरा रहा है। हाल ही में झारखंड सरकार, झारखंड उच्च न्यायालय तथा अब झारखंड विधानसभा द्वारा रजत जयंती मनाना विकास पथ पर राज्य की निरंतरता का प्रतीक है।

झारखंड की आत्मा, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक थे बाबा शिबू सोरेन

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है कि आज हमारे बीच झारखंड आंदोलन के पुरोधा, आदरणीय बाबा दिशोम गुरु शिबू सोरेन जी नहीं हैं। उन्होंने अपने जीवन का प्रत्येक क्षण राज्य की अस्मिता, अधिकार और स्वाभिमान के लिए समर्पित किया। उनके नेतृत्व और मार्गदर्शन में झारखंड आंदोलन ने जनांदोलन का रूप लिया, जिसने अंततः राज्य के सृजन का मार्ग प्रशस्त किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वर्गीय बाबा शिबू सोरेन जी न केवल हमारे लिए प्रेरणा स्त्रोत हैं, बल्कि वे झारखंड की आत्मा, संघर्ष और स्वाभिमान के प्रतीक हैं। उनके आदर्श और योगदान सदैव आने वाली पीढ़ियों के लिए मार्गदर्शक बने रहेंगे।

आर्थिक, शैक्षणिक और सामाजिक सशक्तिकरण के लिए सरकार प्रतिबद्ध

मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि "राज्य के गठन के बाद गरीबी, कुपोषण तथा सामाजिक न्याय के क्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति नहीं हो पाई थी, किन्तु वर्तमान सरकार ने आर्थिक, शैक्षणिक एवं सामाजिक सशक्तिकरण की दिशा में सुदृढ़ संकल्प लिया है। सेवा का अधिकार जैसे अभिनव कार्यक्रमों के माध्यम से शासन की नीतियां सीधे जनता के द्वार तक पहुंचाई जा रही हैं। सरकार का मुख्य लक्ष्य है कि प्रत्येक ग्राम और क्षेत्र में न्याय, पारदर्शिता एवं संवेदनशील प्रशासन सुनिश्चित किया जाए, ताकि हर नागरिक को संवैधानिक अधिकारों एवं सुविधाओं का सहज और प्रभावी लाभ मिल सके।"

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने उत्कृष्ट विधायक के रूप में चयनित स.वि.स. राज सिन्हा को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि उत्कृष्ट विधायक का चयन सदन की गरिमा और जनप्रतिनिधि के अनुशासन व निष्ठा का प्रतीक है। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार, मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन तथा विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो ने उत्कृष्ट कार्य करने वाले विधानसभा कर्मियों के साथ ही देश की सीमा पर तथा नक्सल अभियान में शहीद हुए झारखंड राज्य के वीर पुलिस कर्मियों एवं सैनिकों को स्मृति-चिन्ह, प्रशस्ति-पत्र एवं सम्मान राशि प्रदान कर सम्मानित किया। कार्यक्रम में झारखंड विधानसभा के माननीय सदस्यों का जीवन परिचय ग्रंथ, "सदन संवाद" पुस्तक तथा विधानसभा की मासिक पत्रिका "उड़ान" के 99वें एवं 100वें अंक का लोकार्पण किया गया। मुख्यमंत्री एवं विधानसभा अध्यक्ष ने राज्य के खिलाड़ियों, छात्रों, साहित्यकारों और पूर्व विधायकों को भी सम्मानित किया।

इस समारोह में झारखंड विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो, नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्य मंत्री राधाकृष्ण किशोर, मुख्य सचेतक प्रतिपक्ष नवीन जायसवाल, उत्कृष्ट विधायक राज सिन्हा, प्रभारी सचिव झारखंड विधानसभा माणिकलाल हेंब्रम समेत तमाम मंत्रीगण, सांसदगण, विधायकगण, पूर्व मंत्रीगण, पूर्व विधायकगण सहित विधानसभा के अधिकारी एवं कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचायें जनप्रतिनिधि : राज्यपाल

रांची : राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि अलग झारखंड राज्य के निर्माण में पूर्व प्रधानमंत्री भारतरत्न अटल बिहारी वाजपेयी का दूरदर्शी नेतृत्व का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने जन-आकांक्षाओं और क्षेत्रीय विकास की दृष्टि से यह ऐतिहासिक निर्णय लिया था। उन्होंने कहा कि उस समय मैं केन्द्रीय मंत्रिपरिषद का सदस्य था और लोकसभा सदस्य के रूप में राज्य गठन के पक्ष में मत देकर इस महत्वपूर्ण निर्णय में अपना योगदान दिया था। राज्यपाल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जिसकी जड़ें हमारी प्राचीन सभ्यता और विचारधारा में निहित हैं। वैशाली को विश्व का प्रथम गणतांत्रिक गणराज्य माना जाता है, जहाँ यह विचार जन्मा कि शासन जनता की इच्छा, जनता के हित में और उनकी सहभागिता से संचालित हो। आज भारतीय लोकतंत्र की परिपक्वता और सशक्तता पूरे विश्व के लिए अनुकरणीय है। राज्यपाल झारखंड विधानसभा की 25 वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह का उद्घाटन करने के बाद अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। राज्यपाल ने कहा कि लोकतंत्र में जनता द्वारा चुने गए विधायक न केवल राज्य में कानून-निर्माण प्रक्रिया के महत्वपूर्ण अंग होते हैं, बल्कि वे जनता और सरकार के बीच एक सशक्त सेतु की भूमिका भी निभाते हैं। यह पावन स्थल राज्य के विकास की दिशा निर्धारित करता है, जनता की आकांक्षाओं को स्वर देता है और लोकतंत्र की वास्तविक शक्ति को प्रकट करता है। उन्होंने कहा कि विधान सभा का सत्र केवल बहस का मंच नहीं होता, यह नीति-निर्धारण का मुख्य केंद्र है तथा जनता की अपेक्षाओं, विश्वास और आशाओं का सजीव प्रतिबिंब भी है। विधायक व जन-प्रतिनिधि का सबसे बड़ा दायित्व जनता के विश्वास को बनाए रखना है। जनता द्वारा दिया गया अधिकार सेवा का अवसर है, सत्ता का साधन नहीं। उन्होंने कहा कि वे स्वयं बरेली की जनता के स्नेह और विश्वास के कारण आठ बार लोक सभा का सदस्य निर्वाचित हुए। उन्होंने सदैव क्षेत्र के विकास और लोगों की समस्याओं के समाधान को ही अपना कर्तव्य माना। उन्होंने कभी यह नहीं देखा कि किसने उन्हें वोट दिया और किसने नहीं, उनके द्वार सभी के लिए खुले रहते हैं और वे सबका बनकर रहे। आज भी उनकी जीवनशैली और कार्यशैली इसी भावना पर आधारित है। उन्होंने कहा कि 'आप सभी साथीगण को यदि कभी बरेली जाने का अवसर मिले, तो वहाँ के लोग मेरे कार्यों और व्यवहार के बारे में आपको और विस्तार से बताएंगे। संतोष कुमार गंगवार ने कहा कि विधायकों को यह सुनिश्चित करना चाहिए कि सरकारी योजनाओं का लाभ राज्य के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचे। विधान सभा की गरिमा बनाए रखना, स्वस्थ और सार्थक बहस करना तथा संविधान की मर्यादाओं का पालन करना प्रत्येक जनप्रतिनिधि का पवित्र कर्तव्य है।

जी 20: वैश्विक आर्थिक विकास के मानकों को बदलने की जरूरत : मोदी

एजेंसी

जोहान्सबर्ग : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रथम सत्र में वैश्विक विकास के पैमानों पर पुनर्विचार की जरूरत बताते हुए कहा कि दुनिया को ऐसा मॉडल अपनाना होगा जिसमें व्यक्ति, समाज और प्रकृति को एक साथ ध्यान में रखा जाए। प्रधानमंत्री ने वैश्विक स्वास्थ्य सुरक्षा को लेकर "जी20 ग्लोबल हेल्थकेयर रिस्पॉन्स टीम" के गठन का प्रस्ताव रखा। उन्होंने वैश्विक स्तर पर बढ़ रही ड्रग तस्करी, विशेषकर फेंटानाइल जैसे अत्यंत खतरनाक पदार्थों के प्रसार पर गहरी चिंता व्यक्त की।

प्रधानमंत्री मोदी ने दक्षिण अफ्रीका के जोहान्सबर्ग में आयोजित जी-20 शिखर सम्मेलन के प्रथम सत्र को संबोधित करते हुए कहा कि दक्षिण अफ्रीफा की अध्यक्षता में कुशल प्रवासन, पर्यटन, खाद्य सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, डिजिटल अर्थव्यवस्था, नवाचार, और महिला सशक्तीकरण जैसे विषयों पर प्रभावी कार्य हुआ है। उन्होंने कहा कि नई दिल्ली में हुए जी-20 सम्मेलन में शुरू किए गए कई ऐतिहासिक कदमों को इस बार आगे बढ़ाया गया है। उन्होंने दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रपति सिरिल रामाफोसा को सम्मेलन के सफल आयोजन के लिए बधाई दी।

मोदी ने कहा कि अब तक जिन विकास पैमानों पर काम हुआ है, उनके चलते बड़ी आबादी संसाधनों से दूर रह गई और प्रकृति का अत्यधिक दोहन बढ़ा है, जिसका सबसे अधिक प्रभाव अफ्रीका ने झेला है। उन्होंने कहा कि भारत की सभ्यतागत सोच समग्र मानववाद दुनिया को संतुलित विकास का रास्ता दिखा सकती है। प्रधानमंत्री ने जी-20 के तहत वैश्विक पारंपरिक ज्ञान भंडार बनाने का प्रस्ताव रखा और कहा कि भारत की भारतीय ज्ञान प्रणाली इस वैश्विक मंच की आधारशिला बन सकती है। इससे विश्वभर की परंपरागत और प्रकृति-संतुलित जीवनशैली का ज्ञान आने वाली पीढ़ियों तक पहुंच सकेगा।

अफ्रीका के विकास को वैश्विक हित बताते हुए प्रधानमंत्री ने जी-20 अफ्रीका कौशल संवर्धक पहल पेश की। इसके तहत "प्रशिक्षक तैयार करने वाले प्रशिक्षक" मॉडल पर काम करते हुए अगले 10 वर्षों में 10 लाख प्रमाणित प्रशिक्षक तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। ये प्रशिक्षक आगे चलकर करोड़ों युवाओं को कौशल प्रदान करेंगे।

वैश्विक स्वास्थ्य आपदाओं और प्राकृतिक आपदाओं से निपटने के लिए प्रधानमंत्री ने जी-20 वैश्विक स्वास्थ्य सेवा प्रतिक्रिया दल बनाने का सुझाव दिया, जिसमें सदस्य देशों के प्रशिक्षित चिकित्सक शामिल होंगे और जो संकट के समय तुरंत तैनात हो सकेगी।

प्रधानमंत्री मोदी ने नशीले पदार्थों की तस्करी, विशेषकर फेंटेनिल जैसे घातक ड्रग्स को वैश्विक सुरक्षा के लिए गंभीर खतरा बताते हुए जी-20 के तहत ड्रगझआतंक गठजोड़ से निपटने की पहल की मांग की। उन्होंने कहा कि वित्त, शासन और सुरक्षा से जुड़े साधनों को एक मंच पर लाकर ही इस वैश्विक खतरे का प्रभावी मुकाबला संभव है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत-अफ्रीका एकजुटता हमेशा मजबूत रही है। नई दिल्ली जी-20 समिट में अफ्रीकी संघ को स्थायी सदस्यता मिलना ऐतिहासिक कदम था। उन्होंने वैश्विक संस्थाओं में वैश्विक दक्षिण की आवाज और अधिक बुलंद करने पर जोर दिया।

पीएम मोदी ने जोहानिसबर्ग में अपने ऑस्ट्रेलियाई समकक्ष एंथनी अल्बनीज के साथ द्विपक्षीय मुलाकात की थी। इस दौरान दोनों नेताओं ने रक्षा एवं सुरक्षा, आवश्यक खनिजों और कारोबार व निवेश की दिशा में सहयोग बढ़ाने पर चर्चा की। लोगों के बीच परस्पर संबंधों में प्रगति की समीक्षा भी की गई। प्रधानमंत्री के दक्षिण अफ्रीका पहुंचने के कुछ ही घंटे बाद हुई इस बैठक के दौरान दोनों नेताओं ने दुनियाभर में चुनौती बने आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता जताई।

सम्राट के गृहमंत्री बनते ही एक्शन में बिहार पुलिस कुख्यात अपराधी शिवदत्त राय का किया एनकाउंटर

एजेंसी

बेगूसराय : बिहार के बेगूसराय जिले में पुलिस और गैंगस्टर के बीच हुई मुठभेड़ में कुख्यात अपराधी शिवदत्त राय घायल हो गया, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। नई सरकार बनने के साथ ही क्रिमिनल गतिविधियों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई तेज हो गई है। एसटीएफ और जिला पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में, शुक्रवार रात को फायरिंग के दौरान वॉन्टेड क्रिमिनल शिवदत्त राय घायल हो गया। एनकाउंटर साहेबपुर कमाल पुलिस स्टेशन के तहत आने वाले शालिग्राम और मल्हीपुर गांवों के बीच हुआ।

घायल बदमाश तेघड़ा थाना क्षेत्र के बनहारा गांव के रहने वाले राजकिशोर राय का बेटा शिवदत्त राय (27) है। सूत्रों के मुताबिक, एसटीएफ को सूचना मिली थी कि फरार क्रिमिनल मल्हीपुर इलाके में हथियार खरीदने की प्लानिंग कर रहा है। तेजी से एक्शन लेते हुए, एसटीएफ टीम मौके पर पहुंची और साथ ही लोकल पुलिस को भी अलर्ट कर दिया। जैसे ही जॉइंट टीम पहुंची, दो मोटरसाइकिल पर सवार छह क्रिमिनल्स ने फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने सेल्फ-डिफेंस में जवाबी फायरिंग की, जिसमें कुख्यात अपराधी शिवदत्त राय घायल हो गया है। उसकी जांघ में गोली लगी। अंधेरे का फायदा उठाकर उसके साथी भागने में कामयाब हो गए।

पूछताछ के दौरान, शिवदत्त राय ने ऐसी जानकारी दी जिससे पुलिस को एक घर से हथियारों और कैश का जखीरा बरामद हुआ। हालांकि, पुलिस ने अभी तक जब्ती या ऑपरेशन की डिटेल्स के बारे में कोई ऑफिशियल बयान जारी नहीं किया है। बता दें कि शिवदत्त राय 2 सितंबर, 2022 को तेघरा पुलिस स्टेशन की सीमा के तहत धनकौल पंचायत की सरपंच मीना देवी के घर पर हुए हमले का मुख्य आरोपी है। जिसमें सरपंच के छोटे बेटे अवनीश कुमार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी, जबकि बड़ा बेटा रजनीश कुमार घायल हो गया था। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी के होम डिपार्टमेंट का चार्ज संभालने के बाद यह एनकाउंटर पहली बड़ी पुलिस कार्रवाई है।

सांड़ पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का हुआ आयोजन

▶ कुल 1270 आवेदन जमा, कई मामलों का ऑन- स्पॉट निपटारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : बड़कागांव में शनिवार को प्रखंड के तीन पंचायत में झारखंड सरकार के द्वारा संचालित आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें बड़कागांव प्रखंड के सॉंड़ , बड़कागांव पूर्वी एवं कांडतरी पंचायत भवन में आयोजन किया गया । जिसमें सॉंड़ में 367 आवेदन, बड़कागांव पूर्वी में 490 आवेदन, कांडतरी में 413 आवेदन, कुल लगभग 1270 आवेदन जमा हुए। जिसमें कई मामलों का निपटारा शिविर में ही किया गया। सॉंड़ पंचायत भवन में मुखिया सुलेखा कुमारी के नेतृत्व में शिविर लगाया गया जिसकी अध्यक्षता बीडीओ जितेंद्र कुमार मंडल एवं संचालन भास्कर राज ने किया । शिविर का उद्घाटन मुख्य अतिथि डीएलओ निर्भय कुमार व विशिष्ट अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। कई विभाग के द्वारा स्टॉल लगाए गए। इस दौरान कई लोगों की समस्याओं का निष्पादन शिविर में हीं कर दिया गया। इस दौरान अधिकारियों ने स्टॉल का निरीक्षण किया गया। लाभुको के बीच धोती साड़ी लूंगी, बच्चों के बीच गर्म वस्त्र परिसंपत्तियों का वितरण किया। मंईयां सम्मान योजना, अबुवा आवास, प्रधानमंत्री आवास, मत्स्य पालन, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विभाग, जाति, आवासीय, पेंशन योजना के अलावा अन्य योजना को लेकर स्टॉल लगाए गए थे। मंईयां समान योजना एवं अबुवा आवास योजना का पोर्टल शुक्रवार से ही बंद है। जिसके कारण ग्रामीणों में नाराजगी देखी गई। वही आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम को लेकर नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया ।

लकुशा पंचायत में सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन, ग्रामीणों ने उठाया लाभ

चलकुशा : चलकुशा में शनिवार को आपकी सरकार आपके द्वार शिविर का आयोजन किया गया शिविर का शुभारंभ प्रमुख नीतू कुमारी, विधायक प्रतिनिधि दिनेश सिंह, मुखिया संघ अध्यक्ष आलोक सिंह, अंचलाधिकारी नवीन भूषण कुलु, पंचायत समिति रिंकी देवी, बसंत पाण्डेय, रामजीत रजक रहमान अंसारी, केदार यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया मौके पर उमेश कुमार साव, रामदेव यादव, केदार यादव एवं काफी संख्या में ग्रामीण मौजूद थे।

आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम में उमड़ी भीड़

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पदमा : झारखंड सरकार की महत्वाकांक्षी पहल आपकी सरकार, आपके द्वार के तहत आज हजारीबाग जिले के पदमा प्रखंड की सूर्यपुरा पंचायत में एक दिवसीय कार्यक्रम का सफलतापूर्वक आयोजन किया गया। सूर्यपुरा परतन मैदान में आयोजित इस शिविर में स्थानीय ग्रामीणों ने विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए बड़ी संख्या में आवेदन जमा किए, जिससे यह कार्यक्रम जमीनी स्तर पर सरकार की पहुँच और लोकप्रियता को दर्शाता है। प्रखण्ड विकास पदाधिकारी के हस्ताक्षर से प्राप्त प्रतिवेदन के अनुसार, दिनांक 22/11/2025 को आयोजित इस कार्यक्रम में कुल मिलाकर 426 आवेदन प्राप्त हुए। जिसमें से आवेदन प्राप्त इस प्रकार है : 1. मनरेगा - 14, अबूआ आवास योजना - 131, विद्युतीकरण - 27, खाद्य आपूर्ति - 05, शिक्षा विभाग - 08, मानव स्वास्थ्य विभाग - 117, सावित्री बाई फुले किशोरी समृद्धी योजना - 01, दाखिल खारिज आवेदन -08 मत्स्य पालन - 13 , जन्म प्रमाण पत्र - 01 , जाति, आवासीय,आय एवं अन्य -68 ,मृत्यु प्रमाण पत्र -02, श्रम नियोजन विभाग - 17 है।

बरही विधायक ने किया 1 करोड़ 36 लाख की सड़क निर्माण योजना का शिलान्यास

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : बरही विधायक मनोज यादव ने शनिवार को बबनाडीह में मुख्यमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत 1 करोड़ 36 लाख रुपये की लागत से बनने वाली कालीकरण सड़क का विधिवत शिलान्यास किया। यह सड़क 1600 मीटर लंबाई में एनएच-02 स्थित बबनाडीह से धनवार पंचायत भवन आरईओ रोड तक निर्माण की जाएगी। शिलान्यास से पहले ग्रामीणों ने विधायक का ढोल नगाड़ो के साथ स्वागत किया। जिसके बाद विधायक मनोज यादव ने महिलाओं के साथ बैठकर वार्ता किया और उनकी समस्याओं को जाना। इस दौरान विधायक मनोज यादव ने कहा कि गांव में पक्की सड़क से जोड़ना हमारी प्राथमिकता में है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विकास को लेकर वह शतत प्रयत्नशील है। हर गांव में पक्की सड़क और निर्बाध रूप से बिजली मिलें, इसके प्रति वह गंभीर है। उन्होंने महिलाओं को विश्वास दिलाया कि गांव में एक सामुदायिक भवन दिया जाएगा। बताते चलें कि निर्माण कार्य को पांच महीनों के अंदर पूरा करने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। सड़क बनने से बबनाडीह, दुधपनिया, धनवार, करियातपुर, चार माइल समेत आधा दर्जन से अधिक गांवों के लोगों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। शिलान्यास कार्यक्रम में जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जीप सदस्या प्रीति गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष सह मलकोको मुखिया विजय यादव, जीप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, दुलमाहा मुखिया नारायण यादव, करियातपुर मुखिया मनोज कुमार, संतोष केशरी, महेंद्र केशरी, प्रकाश साव, सुरेंद्र यादव, मुन्ना यादव, अशोक यादव, जगदीश यादव, गणेश साव आदि लोग मौजूद रहे।

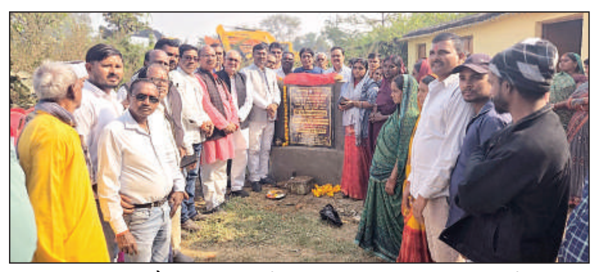

हजारीबाग डीएफओ ने बरही वन प्रक्षेत्र का किया औचक निरीक्षण, दिए कई निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बरही : हजारीबाग पश्चिमी वन प्रमंडल पदाधिकारी आईएफएस मौन प्रकाश ने स्थानीय वन विभाग की टीम के साथ बरही वन प्रक्षेत्र अंतर्गत बुंडू, बैजलाडीह सहित विभिन्न सुरक्षित वनों का औचक निरीक्षण किया। वन निरीक्षण के दौरान डीएफओ ने हाथियों से जुड़ी समस्याएं, आगामी वनरोपण स्थलों का मुआयना किया। साथ ही अतिक्रमण किए गए वन विभाग की जमीन पर करवाई करने संबंधी निर्देश दिए गए। डीएफओ मौन प्रकाश का इशारा वैसे जंगल के जमीन की तरफ था, जिसपर लोगों द्वारा जान बूझकर अतिक्रमण किया जा रहा है एवं पहले से किया जा चुका है। प्रकाश ने अपने अधीनस्थ अधिकारियों को वन क्षेत्र में वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने हेतू सख्ती दिखाने का निर्देश दिया। उनका कहना था कि सभी मौजों में अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर वन वाद दर्ज किया जाय और अतिक्रमण में शामिल वाहन, उपकरण, और लोगों के विरोध में प्राथमिकी दर्ज कर मौके से गिरफ्तार किया जाय। श्री प्रकाश ने बताया कि बरही प्रक्षेत्र अंतर्गत बरही अनुमंडल स्थित बुंडू, बेलहरा, बाघमारा, हरला, लखना, गुड़ियों, गरजामों, बैजला डीह, विजैया अन्य सहित पदमा प्रखंड के भी कई गांव में लोग सरकारी वन भूमि में इरादातन रूप से वन भूमि अतिक्रमण कर रहे है। ऐसे में वन भूमि को अतिक्रमण मुक्त कराने हेतु नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने ये भी बताया कि वन भूमि अतिक्रमण एक कॉग्निजिबल ऑफेंस है, किसी भी शर्त पर अवैध तरीके से वन भूमि को कब्जे में रखना गलत है। प्रकाश ने जनता से अपील की है कि जहां भी लोगों को अपनी जमीन और वन विभाग की जमीन को फर्क करने में दिक्कत आ रही है। संबंधित रेंज ऑफिस में विभागीय अमीन द्वारा उनका जांच करा कर स्पष्ट करवा लें। सभी जंगल के जमीन की पिलरिंग करने का प्रस्ताव भी उनके द्वारा सरकार को भेजा जाएगा। प्रकाश ने अपने अधीनस्थ रेंज ऑफिसर को निर्देश दिया कि एक सप्ताह के अंदर अतिक्रमणकारियों को चिन्हित कर प्राथमिकी वन वाद दर्ज करने की प्रक्रिया पूरी कर ली जाय।

पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, निर्मला देवी व अंबा प्रसाद को भी किया गया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बड़कागांव : पूर्व विधायक अंबा प्रसाद ने झारखंड के 25वें स्थापना दिवस के अवसर पर रांची में आयोजित कार्यक्रम में शिरकत की। यह आयोजन विधानसभा परिसर में हुआ। इस अवसर पर राज्यपाल संतोष गंगवार ने झारखंड की स्थापना के 25 साल पूरे होने पर बधाई दी। और भगवान बिरसा मुंडा को श्रद्धांजलि दी। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने भी राज्यवासियों को बधाई देते हुए कहा कि यह दिन झारखंड के साहस, संघर्ष और स्वाभिमान की गाथा का प्रतीक है। इस दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रमों और प्रदर्शनी का आयोजन भी हुआ, जिसमें राज्य की लोक कला, संगीत और संस्कृति का प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री योगेंद्र साव, निर्मला देवी व अंबा प्रसाद को भी सम्मानित किया गया। अंबा प्रसाद ने इस अवसर पर समस्त राज्य वासियों को शुभकामनाएं देते हुए झारखंड के विकास और भविष्य की योजनाओं पर जोर दिया। इस अवसर पर राज्य सत्ता पक्ष विपक्षके कई प्रमुख नेता और अधिकारी मौजूद थे।

पाण्डेयबारा में लगा जनकल्याण शिविर: अधिकारियों ने सुनी शिकायतें, कई आवेदनों का हुआ निपटारा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

चौपारण : प्रखंड के पाण्डेयबारा पंचायत भवन में शनिवार को राज्य सरकार की महत्वाकांक्षी जनकल्याणकारी योजना आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम का भव्य आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन एलआरडीसी अजय भगत, चौपारण-2 जिला परिषद सदस्य रवि शंकर अकेला तथा विधायक प्रतिनिधि राजदेव यादव ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर किया। शिविर में प्रखंड विकास अधिकारी नितेश भास्कर के साथ विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद रहे और लोगों की समस्याओं एवं योजनाओं से संबंधित आवेदनों का निबटारा किया। पंचायत की मुखिया रेखा देवी तथा पंसस प्रतिनिधि अतहर हुसैन पूरे समय सक्रिय रहे और ग्रामीणों की समस्याओं को अधिकारियों तक पहुँचाने में अहम भूमिका निभाई। कार्यक्रम के दौरान बीडीओ नितेश भास्कर ने उपस्थित ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं के लाभ और आवश्यक दिशा-निर्देशों की जानकारी दी। उन्होंने स्पष्ट किया कि मंईयां सम्मान योजना के लाभुकों को एक बार राशि प्राप्त होने के बाद दोबारा आवेदन की आवश्यकता नहीं है। किसी भी त्रुटि की स्थिति में सुधार कराया जा सकता है, लेकिन नया आवेदन देने पर पूर्व आवेदन स्वतः रद्द हो जाएगा। उन्होंने आगे कहा कि अबुआ आवास योजना के लिए फिलहाल किसी प्रकार की स्वीकृति का प्रावधान नहीं है। ग्रामीणों द्वारा दिए गए फॉर्म को सिर्फ सूची में शामिल किया जाएगा। बीडीओ ने शिविर में आए सभी लोगों को स्वास्थ्य जांच अवश्य कराने, पशुधन योजना का लाभ लेने के लिए आवेदन करने और पेंशन संबंधित मामलों के लिए पेंशन प्रभारी से संपर्क करने की सलाह दी।

भंडारों एवं कोल्हुआ कला पंचायत में लगा स्वास्थ्य जांच शिविर, 213 की हुई जांच

बरही : झारखंड सरकार के महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना, आपकी सरकार ,आपके द्वार कार्यक्रम के तहत बरही अनुमंडलीय अस्पताल की ओर से डीएस डॉ प्रकाश ज्ञानी के निर्देशन में भंडारों एवं कोल्हुआ कला में स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। कोल्हुआ कला में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 97 मरीजों का जांच कर इलाज किया गया। इसके साथ ही नेत्र जांच 11, टीबी जांच 10, एनसीडी 93, आयुष्मान कार्ड 30, मलेरिया स्लाइड 29, सिक्वल सेल 29,0आभा कार्ड 30,टीकारण 8 तथा 7 कुष्ठ रोग मरीज की जांच की गई। वही भंडारों पंचायत में आयोजित स्वास्थ्य शिविर में कुल 116 लोगों की इलाज कर जरूरी दवाएं उपलब्ध कराई गई। इसके अलावा 42 नेत्र जांच, टीबी जांच 6 एनसीडी 60, आयुष्मान कार्ड 10, मलेरिया स्लाइड 16, सिक्वल सेल 4, आभा कार्ड 10, कुष्ठ जांच 6 एवं 25 लोगों की पीबी टीजी जांच की गई। कोल्हुअकला पंचायत में डॉ मेराजुल इस्लाम, सुधांशु कुमार, उपेन्द्र कुमार, श्रेया रंजन, रेशमी रानी, सूरज कुमार ने योगदान दिया।

एक नजर

आजसू नेता ने बड़कागांव में जाम को लेकर डीसी को दिया आवेदन

बड़कागांव : बड़कागांव मुख्य चौक में बार-बार सड़क जाम की स्थिति को देखते हुए आजसू नेता शशि कुमार मेहता ने हजारीबाग उपायुक्त को आवेदन सौंप कर समस्या से अवगत कराया है। आवेदक में उन्होंने कहा है कि सड़क जाम के कारण मुख्य चौक से 400 से 500 मीटर की दूरी तय करने में लगभग घंटा से डेढ़ घंटा का समय लगता है यह जाम प्रतिदिन लगता है और बार-बार लगता है। इस जाम से मुख्य रूप से एम्बुलेंस में अपनी जिंदगी की दुहाई कर रहे बीमार व्यक्ति, विद्यालय जा रहे छोटे बच्चे जो समय पर नहीं पहुंच पाते हैं, किसान जो समय पर बाजार नहीं पहुंच पाते हैं जिसे उनको भारी नुकसान होता है। जाम का दुष्प्रभाव पर्यावरण पर भी पड़ता है क्योंकि घंटे तेल जलने से वायु प्रदूषण भी होता है। आगे उन्होंने जाम से मुक्ति को लेकर, सुझाव भी डीसी को दिए। जिसमें उन्होंने कहा है कि बड़कागांव मुख्य मार्ग पी.डब्लू.डी. नापी करवाकर दोनों तरफ अतिक्रमण को हटाया जाए। और बाजार में पाइप ग्रिल लगाकर रोड का सीमांकन किया जाए एवं जाम स्थल पाइप रेलिंग का डिवाइडर लगा दिया जाए। इससे चार चक्का, दो चक्का गाड़ी खड़ा करने में फाइन काटा जाए तभी जाम से निजात पाया जा सकता है।

बरही में अवैध चिरान लकड़ी सहित पिकअप वैन जब्त

बरही : बरही वन प्रक्षेत्र के बरही बीट खुटवाटांड क्षेत्र में अवैध चिरान से लदा एक पिकअप वैन को वन विभाग की टीम ने जब्त किया ।टीम का नेतृत्व बरही वनपाल अमर आनंद सरस्वती कर रहे थे। उन्होंने बताया है गुप्त सूचना मिली कि बरही बीट क्षेत्र के खुटवाटांड क्षेत्र में अवैध रूप से पिकअप वैन में लदा चिरान लड़की की तस्करी की जा रही है। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने उक्त स्थान पर छापामारी की तो देखा कि पिकअप वैन में चिरान लड़की ले जाया जा रहा है ।वन विभाग की टीम ने वाहन रोकने का प्रयास किया परंतु वाहन चालक गाड़ी को भगाते रहा। वन विभाग की टीम ने गाड़ी को पीछा किया। वाहन चालक खुटवाटांड के पास गाड़ी खडा कर फरार हो गया। उन्होंने बताया है कि बिना चालक के खड़ी पिकअप वैन को जब्त कर टोचन के माध्यम से सुरक्षित तरीके से बरही प्रक्षेत्र कार्यालय लाया गया। मामले की जांच जारी है और चालक की पहचान की तलाशी की जा रही है। छापामारी दल में वनपाल अमर आनंद सरस्वती, वनरक्षी संजीत कुमार, अशीष कुमार,चेतन कुमार सहित कई कर्मी शामिल थे।

कन्या मध्य विद्यालय के जीर्णोद्धार का भी विधायक ने किया शिलान्यास

बरही : बरही विधायक मनोज यादव ने डीएमएफटी मद से कन्या मध्य विद्यालय बरही के जीर्णोद्धार एवं उन्नयन कार्य का भी शिलान्यास किया। शिलान्यास कार्यकम में विधायक के साथ मुख्य रूप से जीप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, जीप सदस्या प्रीति गुप्ता, मुखिया संघ अध्यक्ष सह मलकोको मुखिया विजय यादव, भाजपा मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी मौजूद रहे। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि सड़क व शिक्षा जैसी मूलभूत सुविधाओं का सुद्दढ़ होना क्षेत्र के सर्वांगीण विकास के लिए अत्यंत आवश्यक है। मौके पर जयंत केशरी, रोहित साव, उपमुखिया मनोज उपाध्याय, पंकज बर्णवाल, किशोरी सिंह, कैलाश साव, शिक्षिका जुली कुमारी, मिली कुमारी, मनोज यादव, जीतू मधेशिया, घनश्याम यादव, राजकुमार यादव, अमित गौरव उर्फ पमपम, राजकुमार केशरी, धर्मेंद्र यादव, रंगिना देवी, बालेश्वर यादव, गिरजा देवी, जागेश्वर साव, बबलू, रोहित कुमार, इंद्रदेव ठाकुर, मो. इसराफिल, मो. मोसाहेब, मो. निजाद, बदरुद्दीन, मिस्टर, मजीद हुसैन, शहनवाज, मंजू देवी, रेखा देवी समेत कई ग्रामीण उपस्थित थे।

संक्षिप्त खबरें

भाजपाइयों ने कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष एवं सदर विधायक का किया स्वागत

बरही : बरही चौक पर भाजपाइयों ने राज्यसभा सांसद सह भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू एवं हजारीबाग सदर विधायक प्रदीप प्रसाद का फूल माला पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस दौरान जिला जिप उपाध्यक्ष किशुन यादव, विधायक प्रतिनिधि रमेश ठाकुर, मुखिया संघ अध्यक्ष विजय यादव, बरही पश्चिमी मंडल अध्यक्ष भगवान केशरी, जिप सदस्या प्रीति गुप्ता, जिप प्रतिनिधि गुरुदेव गुप्ता, संदीप सेठ, सुजीत कुमार एवं मुखिया प्रतिनिधि हरेंद्र गोप समेत दर्जनों अन्य भाजपाई मौजूद थे।

श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थियों ने किया शैक्षणिक भ्रमण

बरही : देवचंदा मोड़ स्थित श्रीदस इंटरनेशनल स्कूल के छात्रों ने शनिवार को हजारीबाग राष्ट्रीय वन्यजीव अभयारण्य का शैक्षणिक भ्रमण किया। यह भ्रमण स्कूल में हर सप्ताह आयोजित होने वाले एजुकेशनल टूर का हिस्सा है। स्कूल का उद्देश्य बच्चों को पुस्तकीय शिक्षा के साथ-साथ प्रायोगिक ज्ञान से भी जोड़ना है, ताकि वे विषयों को केवल पढ़ें ही नहीं बल्कि वास्तविक रूप से समझ और महसूस भी कर सकें। भ्रमण के दौरान छात्रों ने सैंक्चुअरी में मौजूद विभिन्न वन्यजीवों, पक्षियों और प्राकृतिक संसाधनों के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की। बच्चे अभयारण्य में स्थित संग्रहालय भी गए, जहां उन्होंने जैव-विविधता से जुड़े अनेक मॉडल और संरक्षित नमूने देखे। छात्रों ने अपने प्रोजेक्ट्स के लिए अभयारण्य से महत्वपूर्ण तथ्य और सामग्री एकत्र की। स्कूल प्रबंधक राकेश कुमार ने कहा, हम शिक्षा को केवल परीक्षाओं तक सीमित नहीं रखना चाहते। हमारा प्रयास है कि विद्यार्थी प्रकृति, पर्यावरण और समाज की वास्तविकताओं को समझें। वाइल्डलाइफ सैंक्चुअरी जैसे स्थानों का भ्रमण बच्चों में जागरूकता और संवेदनशीलता दोनों विकसित करता है। इस शैक्षणिक भ्रमण में स्कूल के शिक्षक अमरजीत पांडेय, सतीश कुमार, गुप्ता सर, नसरिन मैडम और रूपाली मैडम छात्रों के साथ मौजूद रहे। सभी शिक्षकों ने पूरे समय बच्चों का मार्गदर्शन किया और भ्रमण को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच में बीजीआर इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड की शानदार जीत

बड़कागांव : एनएमएल सिकरी परिसर के स्पोर्ट्स ग्राउंड में शुक्रवार को एनएमएल बादम सीएमपी और बीजीआर इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड के बीच एक मैत्रीपूर्ण क्रिकेट मैच आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य टीम बॉन्डिंग बढ़ाना, समन्वय को मजबूत करना और दोनों पक्षों के बीच स्वस्थ खेल भावना को प्रोत्साहित करना था। इस अवसर पर कार्यक्रम के मुख्य अतिथि अरुण कुमार सक्सेना, हेड ऑफ प्रोजेक्ट (बादम सीएमपी) उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों टीमों की उत्साहपूर्ण भागीदारी की सराहना की और टीमवर्क तथा आपसी सहयोग को बढ़ावा देने के लिए ऐसे आयोजनों को जारी रखने पर जोर दिया। पूरे मैच में दोनों टीमों ने उत्साह और खेल भावना का शानदार प्रदर्शन किया। कई रोमांचक पलों के बीच मुकाबला कड़ा रहा। अंत में, बीजीआर इंफ्रा एंड माइनिंग लिमिटेड की टीम विजेता बनी, जिसने बेहतरीन सर्वांगीण प्रदर्शन किया। मैच के बाद ट्रॉफी वितरण समारोह आयोजित किया गया, जिसमें विजेता टीम और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों को मुख्य अतिथि के द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का समापन टीमों के बीच सौहार्दपूर्ण बातचीत के साथ हुआ, जिससे यह आयोजन सफल और यादगार बन गया।

पूर्व विधायक चितरंजन यादव जी की मनाई गई 16वी पुण्यतिथि, नेता मंत्री हुए शामिल

चलकुशा : चलकुशा प्रखण्ड क्षेत्र अंतर्गत चटकरी में शनिवार को बरकट्ठा विधायक अमित कुमार यादव जी के पिता पुर्व विधायक स्व: चितरंजन यादव जी की 16 वी पुण्यतिथि मनाई गई इस मौके पर महिला एवं बाल विकास मंत्री सह कोडरमा लोकसभा सांसद श्रीमती अन्नपूर्णा देवी, बगोदर विधायक नागेंद्र महतो, हजारीबाग विधायक प्रदीप प्रसाद, राज्यसभा सांसद सह भाजपा कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू व बीजेपी के कई नेतागण शामिल होकर पूर्व विधायक स्व चितरंजन यादव जी की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि अर्पित किया, क्षेत्र के लिए किए गए उनके योगदानों को याद किया गया।

नव वर्ष आगमन के उपलक्ष्य में राज ट्रैक्टर केयर ने अपने अधिकारी और कर्मचारियों को किया स्वागत

बरही : पॉवर ट्रैक राज ट्रैक्टर केयर बरही धनबाद रोड बरही की ओर से स्वागत सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया ।वर्कशॉप संचालक आजाद हुसैन ने नव वर्ष आगमन की खुशी में पिकनिक पार्टी का कार्यक्रम आयोजित किया और इस अवसर पर कर्मचारी और अधिकारी को गिफ्ट देकर स्वागत किया गया। ज्ञात हो कि पिछले तीन सालों से सर्विस के क्षेत्र में बेहतर सेवाएं दिया जा रहा है। मौके पर पावर ट्रैक्टर सर्विस इंजीनियर पुरुषोत्तम पटेल, मो सगीर, बरही मुस्लिम आवामी तंजीम मोहम्मद इसरार, मोहम्मद महताब उर्फ डब्लू , राज ट्रैक्टर केयर के संचालक आजाद हुसैन, कर्मचारी मोहम्मद मुख्तार, मो अख्तर, प्रिंस कुमार, मोहम्मद गुलजार, मोहम्मद साहिल, इमरान सिद्दीकी, महेश कुमार, मोहम्मद इदरीश, मोहम्मद सोनू, मोहम्मद महमूद, मोहम्मद सरफराज, मंसूर आलम, मोहम्मद कुर्बान, मोहम्मद मिस्टर, सनाऔर आलम, साहिल सिद्दीकी, मोहम्मद मिस्टर इंडिया, मोहम्मद साजिद, राजू मिस्त्री आदि लोग मौजूद रहे।

एक नजर

झारखंड के कई जिलों में 23 से आंशिक बादल छाने की संभावना

रांची: झारखंड के कई जिलों में 23 नवंबर से आंशिक बादल जाने की संभावना है। जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को दी। यह स्थिति झारखंड के छोभ मंडल के (ट्रोपोस्फेयर) के निचले हिस्से में उत्तर पश्चिम से पश्चिम की ओर से चलनेवाली हवाओं से बनेगी। वहीं, झारखंड के विभिन्न जिलों में न्यूनतम तापमान बढ़कर 16 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया है। राज्य के चाईबासा, गोड्डा, सरायकेला और जमशेदपुर सहित कई जिलों में न्यूनतम तापमान 15 डिग्री के पार रिकॉर्ड किया गया। इधर, शनिवार को रांची और आसपास के इलाकों में मौसम साफ रहा। रांची में तड़के सुबह कुहासा छाया रहा। इससे लोगों को ठंड का एहसास हुआ। पिछले 24 घंटे के दौरान राज्य में सबसे अधिक तापमान चाईबासा में 30 डिग्री सेल्सियस, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 10.9 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 26.3 डिग्री और न्यूनतम तापमान 13 डिग्री, जमशेदपुर में 29.2 डिग्री और 15.2 डिग्री, डालटेनगंज में अधिकतम तापमान 28.8 डिग्री और न्यूनतम तापमान 12.8 डिग्री, बोकारो में 27.1 डिग्री और 14.1 डिग्री एवं चाईबासा में अधिकतम तापमान 30 डिग्री और न्यूनतम तापमान 16 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया।

पारस हॉस्पिटल ने नवजात शिशु की बचाई जान

रांची: गंभीर रूप से बीमार अवस्था में इलाजरत एक नवजात शिशु को बचाने में पारस हॉस्पिटल एचईसी के डॉक्टरों की टीम ने सफलता हासिल की है। बताया गया कि नवजात शि?शु में बहुत कम कैल्शियम था। इसके कारण उसकी स्थिति गंभीर हो गई थी। इसी अवस्था में उसे अस्पताल लाया गया था। बच्चे को सामान्य इलाज से सुधार नहीं हो पा रहा था। बार-बार बेहोशी हालत में शॉक आने लगा। ऐसे में उसे वेंटिलेटर और जीवनरक्षक दवाओं की जरूरत पड़ी। पारस हॉस्पिटल एचईसी के नियोनेटोलॉजिस्ट डॉ निशांत पाठक और उनकी टीम ने तत्काल सटीक निर्णय लेते हुए बच्चे का सही इलाज शुरू किया और उसे बचा लिया। डॉ निशांत पाठक ने शुक्रवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए कहा कि अगर किसी नवजात में बार-बार या लगातार कैल्शियम की कमी हो और सामान्य इलाज के बाद भी सुधार नहीं हो, तो डॉक्टरों को इस खास बीमारी की जांच जरूर करनी चाहिए।

पेसा कानून पर सरकार की चुप्पी संदिग्ध : नायक

रांची: आदिवासी-मूलवासी जनाधिकार मंच के केंद्रीय उपाध्यक्ष विजय शंकर नायक ने झारखंड सरकार द्वारा पेसा कानून के कार्यान्वयन में लगातार हो रही देरी पर गहरी नाराजगी व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पेसा सिर्फ एक कानूनी दस्तावेज नहीं, बल्कि झारखंडी समाज के अस्तित्व, पहचान और स्वशासन का मूलाधार है। सरकार की चुप्पी और अस्पष्ट रुख सीधे तौर पर जनता की ग्रामसभा-आधारित परंपरागत सत्ता को कमजोर करता है। श्री नायक ने आगे कहा की "सरकार किसके दबाव में काम कर रही है, जनता जानना चाहती है। उन्होंने आगे कहा की पेसा लागू करने से सबसे ज्यादा प्रभावित वे क्षेत्र होंगे जहाँ खनन और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रियाएं तेज हैं। यही कारण है कि समाज में यह गहरी आशंका है कि सरकार कहीं खनन-कॉरपोरेट दबाव में तो नहीं है। सरकार स्पष्ट करे कि वह किसके दबाव में पेसा पर ठोस कदम नहीं उठा रही ह्वआज ग्रामसभाओं को अधिकार नहीं है।

झारखंड संघर्ष, स्वाभिमान और सांस्कृतिक अस्मिता की भूमि : रबींद्र नाथ महतो

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : विधानसभा अध्यक्ष रबींद्र नाथ महतो ने कहा कि 15 नवंबर 2000 से जिस सफर की शुरूआत हुई थी वह आज 25 वर्षों का हो चुका है। 15 नवंबर 2000 को झारखण्ड को न केवल प्रशासनिक पहचान मिली थी बल्कि हमारी संस्कृति और अस्मिता की छाप और प्रबल हुई थी। हमें राजनीतिक संबल मिला था। झारखण्ड मात्र एक पृथक भौगोलिक भूखण्ड ही नहीं है बल्कि भूमंडल के निर्माण का साक्षी होने के साथ-साथ प्रागतिहासिक काल से मानव सभ्यता के विकास एवं उद्भव का सहचर रहा है। झारखण्ड का इतिहास अनेको झंझावातों से गुजरता रहा है। प्रारंभ में केन्द्रीय शासकों की हीरे की चाह, कालांतर में भूमि और संसाधनों पर नियंत्रण, जंगलों पर कब्जा और इस उद्येश्य से सांस्कृतिक उपेक्षा और शोषण औपनिवेशिक शासन के बाद भी दशकों तक उपेक्षा, शोषण और संसाधनों के दोहन का आघात और इन सबके बीच प्रतिरोध की आवाज और बलिदान की होड़ में झारखण्ड की गाथा लिखी है। संथाल हूल से बिरसा की क्रांति और बाद में टाना भगतों के तप और दिशोम गुरु शिबू सोरेन के साहस और बलिदान ने झारखण्ड की परिकल्पना को साकार किया है। स्पीकर झारखंड विधानसभा की 25 वीं वर्षगांठ पर आयोजित समारोह को संबोधित कर रहे थे। झारखंड-संघर्ष, स्वाभिमान और सांस्कृतिक अस्मिता की भूमि स्पीकर ने कहा कि झारखण्ड वह राज्य है, जहाँ संस्कृति, संघर्ष और सामूहिक आत्मा का समन्वय सदियों से होता आया है। हमारे पर्व-सरहुल, करम, सोहराय हमारी परंपराएँ-जल, जंगल और जमीन के साथ जीवन का गहरा रिश्ता। ये सब मिलकर झारखंडी पहचान को अक्षुण्ण बनाए हुए हैं। इस पावन धरती ने ऐसी विभूतियाँ जन्म दीं, जिनके व्यक्तित्व और विचारों ने पूरे भारत को दिशा दी- भगवान बिरसा मुंडा, सिद्धों-कान्हों, फूलो-झानो, तिलका मांझी, नीलाम्बर-पीताम्बर, शेख भिखारी, गणपत राय, टिकैत उमराव सिंह और अनेक अन्य जननायक, जिनकी चेतना आज भी जनमानस में धड़कती है। झारखंड का इतिहास बताता है कि यहाँ का संघर्ष सिर्फ राजनीतिक नहीं था बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक समानता के लिए एक सतत पुकार थी।

हरमू रोड स्थित श्री श्याम मंदिर में 178वां श्री श्याम भंडारा भव्य रूप से संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : 178 वा श्री श्याम भंडारा श्री श्याम मित्र मंडल द्वारा हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में आज 178 वां श्री श्याम भंडारा का भव्य आयोजन किया गया। श्री श्याम मित्र मंडल के अध्यक्ष गोपाल मुरारका महामंत्री गौरव अग्रवाल निर्वतमान अध्यक्ष सुरेश सरावगी कोषाध्यक्ष मनोज खेतान उपाध्यक्ष अशोक लड़ियां वरिष्ठ सदस्य श्री राजीव रंजन मित्तल श्रीमती कविता मित्तल एवं अमेरिका निवासी कुणाल कथूरिया भावना मित्तल कथूरिया ने संयुक्त रूप से श्री श्याम भोग का भजन गायन किया। उपस्थित सैकड़ो भक्तों ने आओ आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी रुच रुच भोग लगाओ बाबा श्याम जी के स्वर में स्वर मिलाकर भक्ति भावना से ओत प्रोत होकर ठाकुर जी से भोग स्वीकार करने का अनुरोध किया। खाटूनरेश बजरंगबली शिव परिवार लड्डू गोपाल जी शालिग्राम जी गरुड़ जी गुरुजनों का भोग लगाकर महाप्रसाद को विशाल भंडारे में मिश्रित किया गया। कुणाल कथूरिया भावना मित्तल कथूरिया ने सर्वप्रथम मंदिर के आचार्यों को भोग प्रसाद खिलाकर आशीर्वाद प्राप्त किया। भंडारे का समय होते-होते श्री श्याम मंदिर परिसर भक्तों से भर गया एवं हरमू रोड में भक्तजनों की लंबी-लंबी कतारें लग गई। खाटूनरेश की जय जयकारों से पूरा हरमू रोड गूंज रहा था। प्रथम देव श्री गणेश जी महाराज की जय जयकारों के बीच श्री श्याम भंडारे का प्रसाद वितरण प्रारंभ किया गया।

"आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत शिविर का किया गया आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पिस्का/नगड़ी : सेवा का अधिकार अधिनियम 2011 के तहत ग्रामीणों को सेवा के उद्देश्य से प्रखंड के नगड़ी और देवरी पंचायत भवन में शनिवार को "आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार" कार्यक्रम के तहत शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर दोनों पंचायत भवनों में लोगों की काफी भीड़ रही। सबसे अधिक भीड़ मैया सम्मान योजना और अबुआ आवास के टेबल पर रही।

नगदी पंचायत भवन में अंचल पदाधिकारी राजेश कुमार एवं देवरी पंचायत भवन में प्रखंड विकास पदाधिकारी दीपाली भगत एवं प्रभारी अंचल निरीक्षक अशोक कुमार सिंह शिविर के समापन तक उपस्थित रहे। नगड़ी पंचायत भवन में नगड़ी मुखिया जय गोपाल उरांव एवं पंचायत समिति सदस्य शीला देवी सहित उप मुखिया एवं वार्ड सदस्य लोगों की फॉर्म भरने एवं योजनाओं की जानकारी देने में मदद करते हैं। वही देवरी पंचायत भवन में जनप्रतिनिधियों सहित जन वितरण प्रणाली के डीलर राजकुमार केशरी, गिरधारी यादव, दौलतराम केशरी सहित कई डीलर भी सक्रिय रूप से शिविर में शामिल होकर लोगों के मदद करते नजर आए। शिविर में सभी विभागों के स्टॉल लगाए गए थे जहां ग्रामीणों ने आवेदन पत्र जमा किया। शिविर में कुछ आवेदन का निष्पादन कर दिया गया और बाकी के आवेदन के निष्पादन हेतु प्रक्रिया में डाल दिया गया। देवरी पंचायत में आयोजित शिविर में अन्य कल्याणकारी योजना के तहत 156 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें 25 का त्वरित निष्पादन कर दिया गया। आय प्रमाण पत्र के 26 आवेदन प्राप्त हुए जिसमें सभी 26 आवेदन का त्वरित निष्पादन किया गया।

चार श्रम संहिताएं श्रमिक संरक्षण कानूनों को समाप्त करेंगी : माकपा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के पोलित ब्यूरो ने केंद्र सरकार द्वारा जारी की गई चार श्रम संहिताओं से संबंधित अधिसूचना का कड़ा विरोध किया है। माकपा के झारखंड राज्य सचिव प्रकाश विप्लव ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में आरोप लगाया कि नए श्रम कोड 29 श्रम कानूनों को समाप्त कर देंगे, जो अब तक श्रमिकों को कुछ हद तक सुरक्षा प्रदान करते रहे हैं। प्रकाश विप्लव ने कहा कि वर्तमान श्रम कानूनों में कई सीमाएं होने के बावजूद वेतन, काम के घंटे, सामाजिक सुरक्षा, औद्योगिक सुरक्षा, निरीक्षण व्यवस्था और सामूहिक सौदेबाजी जैसे अधिकार संरक्षित थे, लेकिन नई श्रम संहिताओं के जरिए इन स्थापित अधिकारों को कमजोर करने और नियोक्ताओं के पक्ष में संतुलन स्थानांतरित करने की कोशिश की जा रही है। उन्होंने केंद्र सरकार के इस दावे को भी खारिज किया कि श्रम संहिताएं रोजगार और निवेश को बढ़ावा देंगी। उनके अनुसार ये संहिताएं श्रमिकों को पूंजी के सामने असुरक्षित छोड़ने और कॉर्पोरेट वर्ग को लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से बनाई गई हैं। माकपा नेता ने दावा किया कि इन संहिताओं में हड़ताल के अधिकार को सीमित करने का भी प्रावधान है, जिससे श्रमिकों के अधिकारों पर गहरा प्रहार होगा। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार श्रमिकों के हितों को कुचलने के लिए कॉर्पोरेट जगत को एकतरफा शक्ति प्रदान कर 'जंगल राज' स्थापित करने की कोशिश कर रही है। विप्लव ने कहा कि इन संहिताओं को बिना वास्तविक त्रिपक्षीय परामर्श के आगे बढ़ाना लोकतांत्रिक और संघीय मानदंडों का उल्लंघन है। उनके मुताबिक सरकार ने पूरी प्रक्रिया में ट्रेड यूनियनों को नजरअंदाज किया और संसद में विधेयकों को बिना बहस जल्दबाजी में पारित कर दिया।

ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए शुरू होगी विशेष ओपीडी सेवा : मंत्री

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : राज्य में पहली बार ट्रांसजेंडर समुदाय के लिए विशेष ओपीडी सेवा शुरू की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग की ओर से बकायदा सभी मेडिकल कॉलेज अस्पतालों के प्राचार्यों और अस्पताल प्रबंधकों को ओपीडी सहित सेवा शुरू करने का आदेश स्वास्थ्य मंत्री इरफान अंसारी ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी करते हुए दिया है। विज्ञप्ति में मंत्री ने कहा कि राज्य के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेज, जिला अस्पताल और स्वास्थ्य संस्थानों में ट्रांसजेंडर्स के लिए विशेष ओपीडी सेवाएं शुरू की जाएंगी, जहां उन्हें बिना किसी भेदभाव के जांच, परामर्श और इलाज मिल सकेगा। इसके साथ ही स्वास्थ्य विभाग सम्मान स्वास्थ्य सेवा व्यवस्था लागू की जा रही है। इसके तहत ट्रांसजेंडर्स के लिए मनोवैज्ञानिक सहायता भी उपलब्ध कराई जाएगी। मंत्री ने कहा कि सभी अस्पतालों के डॉक्टर, नर्स और स्टाफ को ट्रांसजेंडर व्यक्तियों के प्रति संवेदनशीलता और पेशेवर व्यवहार के लिए विशेष प्रशिक्षण दिया जाएगा। ताकि उनकी गरिमा और अधिकार सुरक्षित रहे। मंत्री ने कहा कि सरकार ने निर्देश जारी किया है कि यह व्यवस्था जल्द प्रभाव से लागू हो। डॉ अंसारी ने कहा की हर व्यक्ति सम्मान का हकदार है। ट्रांसजेंडर समुदाय को मुख्यधारा में समान स्थान मिले, यह सरकार का दायित्व है।

भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला में झारखंड पवेलियन की खास झलकियां

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रांची : भारतीय अंतर्राष्ट्रीय व्यापार मेला 2025 में फोकस स्टेट के रूप में शामिल झारखंड पवेलियन इस वर्ष अपने अनूठे माइनिंग टूरिज्म मॉडल के साथ सुर्खियों में है। शनिवार को पूरे देश से आए आगंतुकों ने झारखंड पवेलियन में प्रदर्शित माइनिंग टूरिज्म, और धार्मिक पर्यटन की समग्र प्रस्तुति को एक नए नजरिए से देखा और झारखंड पर्यटन को नजदीक से देखना चाहा । राज्य सरकार द्वारा किए जा रहे बुनियादी ढांचा विकास, सांस्कृतिक संरक्षण, पर्यटन प्रमोशन और स्थानीय समुदाय की भागीदारी से झारखंड देश के प्रमुख पर्यटन गंतव्यों में तेजी से उभर रहा है।

माइनिंग टूरिज्म झारखंड की एक अनोखी पहल

माइनिंग टूरिज्म की इस पहल के तहत पर्यटक प्रशिक्षित गाइडों के साथ सक्रिय कोयला खदानों का भ्रमण कर सकते हैं, खनन प्रक्रियाओं, अत्याधुनिक मशीनों के संचालन और सुरक्षित खनन तकनीकों को नजदीक से समझ सकते हैं और साथ ही ऊर्जा उत्पादन और देश की अर्थव्यवस्था में झारखंड की अहम भूमिका का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त कर सकते हैं। पर्यटन स्थलों का वर्चुअल रियलिटी प्रस्तुतीकरण आगंतुकों को एक अनुभव प्रदान कर रहा है। पवेलियन में स्थापित वर्चुअल रियलिटी अनुभव इस कहानी को और मजबूत करते हैं। पर्यटन विभाग द्वारा पतरातू वैली, नेतरहाट, सारंडा फॉरेस्ट, बेतला नेशनल पार्क, चांडिल डैम और पारसनाथ जैसे प्रमुख पर्यटन स्थलों का वर्चुअल रियलिटी प्रस्तुतीकरण आगंतुकों को एक अनुभव प्रदान कर रहा है। पवेलियन में झारखंड की आध्यात्मिक धरोहर भी विशेष रूप से प्रदर्शित की गई है। जिसमे बैद्यनाथ धाम (देवघर), शक्तिपीठ हृदयपीठ, जहां माता सती का हृदय गिरा था, और श्री बंशीधर मंदिर जिसमे भगवान श्रीकृष्ण की 32 मन यानी 1280 किलोग्राम शुद्ध सोने से निर्मित प्रतिमा स्थापित है। पतरातू वैली की भव्यता दर्शको को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। हरी वादियां, विशाल झील, बांध और पतरातू झील पर बोटिंग जैसे अनुभव झारखंड को उभरते हुए प्राकृतिक पर्यटन गंतव्य के रूप में स्थापित कर रहे हैं। यहां झारखण्ड सरकार द्वारा विकसित व्यू प्वाइंट, कैफेटेरिया और मनोरंजन सुविधाएं पर्यटन को और अधिक सुलभ व आकर्षक बना रही हैं।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस के संरक्षण में फल-फूल रहा अवैध बालू का कारोबार : जेपी

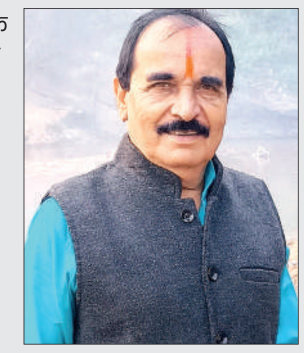

रांची: भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश नेता जेपी पांडेय ने कहा है कि झारखंड पुलिस के संरक्षण में राज्य में अवैध बालू, कोयला और नशे का कारोबार फल-फूल रहा है। उन्होंने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कहा कि इन अवैध गतिविधियों रोकने में राज्य सरकार विफल साबित हो रही है। पांडेय ने आरोप लगाया कि हजारीबाग, रांची, साहेबगंज, डाल्टेनगंज, गढ़वा, लातेहार, लोहरदगा और पश्चिम सिंहभूम सहित कई जिलों में नशे और अवैध खनन का कारोबार तेजी से बढ़ रहा है। इसके चलते राज्य के लाखों युवा प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि पुलिस संरक्षण में कोयला चोरी साइकिल, बाइक और ट्रकों के माध्यम से खुलेआम जारी है। खूंटी, बुंडू सहित अन्य जगहों और जिलों में एनजीटी के नियमों के लागू होने के बावजूद धड़ल्ले से बालू उठाव जारी है। कई स्थानों पर अवैध खदानों से चोरी बेखौफ हो रही है, जिससे राज्य को औद्योगिक नुकसान और राजस्व की हानि हो रही है। पांडेय ने आरोप लगाया कि पंचायतों में फंड की कमी से विकास कार्य तीन वर्षों से ठप पड़े हैं, जबकि दूसरी तरफ बालू, पत्थर और कोयले की चोरी ने व्यवसाय का रूप ले लिया है। पांडेय ने कहा कि सरकार आपके द्वार जैसी योजनाएं अब जनता को केवल दिखावा लग रही हैं।

चार श्रम संहिता मजदूर वर्ग के लिए काले कोड के समान : एक्टू

रांची: केंद्र सरकार की ओर से देश में लागू किए गए श्रम संहिता की ऑल इंडिया सेंट्रल कॉन्सिल की ऑफ ट्रेड यूनियन्स (एक्टू) ने कड़ी निंदा की है। एक्टू के झारखंड के सचिव भुवनेश्वर केवट ने शनिवार को प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा है कि केंद्र सरकार की चार श्रम संहिता केंद्र के अडियल रवैये को दशार्ता है। उन्होंने कहा कि चार श्रम संहिता देश के मजदूर वर्ग के लिए काले कोड के समान हैं। इसके खिलाफ एक्टू अन्य केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और संयुक्त किसान मोर्चा के साथ मिलकर 26 नवंबर को प्रदर्शन के माध्यम से कड़ा विरोध प्रदर्शन करेगा। केवट ने कहा कि 21 नवंबर देश के मजदूर मेहनतकश वर्ग के लिए काला दिवस के रूप में याद किया जाएगा। चार श्रम संहिता पूरी तरह से मजदूरों को गुलाम बनाने वाला दस्तावेज है। इसके खिलाफ लड़ाई तब तक जारी रहेगी, जब तक केंद्र सरकार से चारों श्रम संहिताओं को रद्द कर सभी पुराने श्रम कानूनों को लागू नहीं करती है। उन?होंने कहा कि श्रम कानूनों में संशोधन पूरी तरह मालिकों के पक्ष में किया गया है। यह मजदूर वर्ग के साथ विश्वासघात है। अर्थव्यवस्था में वृद्धि और आत्मनिर्भर भारत के लिए पूंजीपतियों को छूट देकर मजदूर वर्ग को बलि का बकरा बनाना सरासर अनुचित है। केंद्र सरकार को इस फैसले की कीमत चुकानी पड़ेगी या विवश होकर जीएसटी की तरह ही संशोधन कर मजदूरों के पक्ष में फैसले लेना पड़ेगा।

लिटिल विंग्स स्कूल में लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का हुआ आयोजन

रांची: रांची जिला क्रिकेट संघ की ओर से आयोजित लिटिल विंग्स स्कूल बी डिवीजन लीग क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ शनिवार को ओटीसी मैदान, रातू रोड में किया गया। उद्घाटन अवसर पर लिटिल विंग्स स्कूल के निदेशक रमेंद्र कुमार, रांची जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष विभूति भूषण अमर, सचिव शैलेंद्र कुमार तथा डॉ. अरुण उरांव ने दोनों टीमों के खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर प्रतियोगिता की शुरूआत की। रांची जिला क्रिकेट संघ के सचिव शैलेंद्र कुमार ने बताया कि उद्घाटन मुकाबला विधानसभा क्रिकेट अकादमी और जस्टिस क्रिकेट अकादमी के बीच खेला गया, जिसमें विधानसभा क्रिकेट अकादमी ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत दर्ज की। उद्घाटन समारोह में जिला क्रिकेट संघ के कार्यकारिणी सदस्य चंचल भट्टाचार्य, मुज्जफर अली, मुन्ना, सहायक सचिव सुनील पाल, शंभू सिन्हा, प्रमोद सिंह, नागेन्द्र मिश्रा, पंकज तिर्की, कमल सहदेव, बंशीधर सारंगी, अर्क राज सिन्हा सहित अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव जी का जयंती मनाया गया

नगड़ी : झारखंड प्रदेश कार्यालय में समाजवादी पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष मुलायम सिंह यादव जी का जयंती मनाया गया इस कार्यक्रम में समाजवादी पार्टी के कार्य पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए स्वर्गीय मुलायम सिंह यादव जी को उनके विचारों और उनके आदर्शों को याद करके कोटि-कोटि नमन किया गया और नेताजी के विचारों पर चलने का संकल्प लिया गया बैठक में सरस्वती से निर्णय लिया गया कि ठंड बढ़ने के कारण गरीबों को बीच कंबल वितरण करने का निर्णय लिया गया बैठक में समाजवादी पार्टी के प्रमुख महासचिव मुस्तफा अंसारी जी रांची जिला के अध्यक्ष राम प्रसाद गोप प्रदेश उपाध्यक्ष एवं पूर्व प्रत्याशी कांके सुरेंद्र कुमार कालिंदी एवं सुनीत कुमार विद्यासागर को महिला सभा प्रमुख महासचिव आरती देवी अंसारी सिद्दीक अंसारी मनोज साहू एवं काफी संख्या में समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित हुए थे।

तुपकाडीह के किड्स आईलैंड स्कूल में शुरू हुआ दो दिवसीय वार्षिक समारोह

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : किड्स आईलैंड स्कूल में शनिवार को दो दिवसीय वार्षिक समारोह का उद्घाटन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन के साथ किया गया, जिसमें जीपीएस के प्राचार्य ए.एस. गंगवार, राजेंद्र प्रसाद पब्लिक स्कूल के प्राचार्य मुकेश कुमार गुप्ता तथा विद्यालय के निदेशक सर्वेश कुमार दुबे ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित कर समारोह का उद्घाटन किया।समारोह के पहले दिन नर्सरी से लेकर कक्षा आठवीं तक के छात्र-छात्राओं द्वारा विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। बच्चों ने खराब कार्डबोर्ड, पेपर, बोतल, पाइप, लाइट, फूल और लकड़ी जैसी अनुपयोगी वस्तुओं का उपयोग कर आकर्षक और उपयोगी मॉडल तैयार किए। छात्रों की इस पहल ने न केवल उनकी वैज्ञानिक सोच और सृजनात्मकता को उजागर किया, बल्कि पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी दिया। प्रदर्शनी में उपस्थित सभी अतिथियों और अभिभावकों ने बच्चों के प्रयासों की सराहना की। अवसर पर मुख्य अतिथि एवं अन्य वक्ताओं ने स्कूल प्रबंधन और शिक्षकों की प्रशंसा करते हुए कहा कि बच्चों के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षण संस्थानों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। मुख्य अतिथि ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षकों द्वारा बच्चों को जिस तरह शिक्षा और व्यवहारिक ज्ञान प्रदान किया जा रहा है, वह भविष्य के लिए उत्साहजनक संकेत है।विद्यालय के निदेशक सर्वेश दुबे ने कहा कि छात्रों में आत्मविश्वास और कौशल विकास के लिए ऐसे कार्यक्रम अत्यंत आवश्यक हैं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि विद्यार्थी ऊँचे लक्ष्य निर्धारित कर सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त करेंगे। कार्यक्रम के अंत में धन्यवाद ज्ञापन अनीता चौबे ने किया।समारोह को सफल बनाने में हिमांशु कुमार, राजकुमार, सुबोध कुमार, प्रदीप दुबे, किशोर मरांडी, आरती, लक्ष्मी कुमारी, निशा कुमारी, सानिया, भारती, कविता कुमारी, कंचन सोरेन, पूजा कुमारी, रोशन और सोनू सहित शिक्षकों व सहयोगी स्टाफ का योगदान रहा।

पोड़वा फतेहपुर में शहीद अग्निवीर अर्जुन महतो की प्रथम पुण्यतिथि श्रद्धा भरे माहौल में संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : चंदनकियारी प्रखंड के पोड़वा फतेहपुर गांव में झारखंड के प्रथम अग्निवीर शहीद अर्जुन महतो की प्रथम पुण्यतिथि शनिवार को श्रद्धा, सम्मान और भावनाओं के साथ मनाई गई। इस अवसर पर ग्रामीणों, सामाजिक संगठनों एवं स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने एकत्र होकर वीर सपूत के चित्र पर माल्यार्पण किया और उनके अमर बलिदान को नमन किया। कार्यक्रम में झारखंड लोकतांत्रिक क्रांतिकारी मोर्चा के केन्द्रीय महासचिव अर्जुन रजवार मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित हुए। उन्होंने शहीद अर्जुन महतो के चित्र पर पुष्प अर्पित कर भावपूर्ण श्रद्धांजलि दी।अर्जुन रजवार ने कहा कि भारत माता के इस सच्चे सपूत ने देश की रक्षा करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है। उनके त्याग पर न केवल चंदनकियारी, बल्कि पूरा झारखंड और देश गर्व करता है। उन्होंने कहा कि शहीद अर्जुन महतो का बलिदान हमेशा नई पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत रहेगा और उनका नाम सदैव सम्मान के साथ लिया जाएगा। इस मौके पर उपस्थित ग्रामीणों ने भी शहीद के प्रति अपनी भावनाएं व्यक्त कीं और उनके परिवार को सांत्वना दी। उन्होंने कहा कि अर्जुन महतो का बलिदान व्यर्थ नहीं जाएगा। पुण्यतिथि कार्यक्रम के दौरान पूरे गांव का वातावरण राष्ट्रभक्ति और गर्व की भावना से ओत-प्रोत दिखाई दिया।

सेफ्टी सुरक्षा विभाग बी. एस .एल पर अतिरिक्त बोझ : बिके चौधरी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

बोकारो : जय झारखंड मजदूर समाज की ओर से प्लांट मे चलाये जा रहे जनजागरण कार्यक्रम के तहत आज शॉप्स एन्ड फाउन्ड्री मे काम करने बाले सेकडो इस्पातकमीर्यों और ठेकाकमीर्यों ने फाईव स्टोर के सामने प्रबंधन के खिलाफ जोरदार आक्रोश प्रर्दशन किया ।प्रदर्शन उपरान्त मिटिंग मे मजदूरों ने अपनी बेदना बताते हुए कहा कि हमलोग पूरी इमानदारी और मेहनत से उत्पादन करते हैं बाबजूद हमे आर्थिक और मानसिक शोषण झेलना पड़ता है । ठेकेदार को बैंक मे गये बेतन मे से पैसा लोटाना पडता है ,महिना भर ड्यूटी करने के बाद भी मास्टर रोल मे कम हाजरी दिखाया जाता है ,सेफ्टी बूट, दस्ताना ,वैल्डींग एप्रोन, साबून, हेल्मेट, मांगने पर गेट पास रोकने का धमकी मिलता है साथ साथ असुरक्षित काम करने से मना करने पर प्रताड़ित किया जाता है। मिटिंग का अध्यक्षता बिभागीय नेता आर आर सोरेन ने किया जबकि संचालन संयुक्त महामंत्री एन के सिंह ने किया ।दर्जनो मजदूरों के बातों को सुनने के उपरान्त झारखंड मुक्ति मोर्चा केन्द्रीय कमिटी सदस्य सह जय झारखंड मजदूर समाज के महामंत्री बि के चौधरी ने अपने संबोधन मे सर्वप्रथम कहा कि अपने दायित्व के निर्बाहन मे असफल सुरक्षा बिभाग को बन्द कर कम्पनी का करोड़ो रूपया को बचाने का काम करना चाहिए। प्रबंधन को चेतावनी देते हुए कहा कि एक तरफ जहां मजदूरों के खुन पसीने से सेल उत्पादन और मुनाफा मे छलांग लगा रहा है।

लेबर कोड की अधिसूचना देश के मेहनतकश लोगों के अधिकारों पर हमला : संजय पासवान

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : मजदूर-विरोधी और नियोक्ता-समर्थक श्रम संहिताओं के घोर एकतरफा कार्यान्वयन की सीटू कड़ी निंदा करता है। केंद्र सरकार द्वारा देश की मेहनतकश जनता के अधिकारों पर सीधा हमला किया गया है। यह बयान सीटू के राज्य सचिव संजय पासवान ने दिया. धनबाद में चल रहे सीटू के राज्य सम्मेलन में नई श्रम शक्ति नीति और लेबर कोड के खिलाफ उन्होंने प्रस्ताव रखा, जिसे सर्वसम्मति से पारित किया गया। कोयला नगर में इसके खिलाफ विरोध प्रदर्शन भी किया गया। मजदूर नेता संजय पासवान ने कहा कि 21 नवंबर 2025 को अधिसूचित चार तथाकथित श्रम संहिताओं की यह मनमानी और अलोकतांत्रिक अधिसूचना, सभी लोकतांत्रिक लोकाचारों की अवहेलना करती है और भारत के कल्याणकारी राज्य के चरित्र को नष्ट कर देती है। दस केंद्रीय ट्रेड यूनियनों और स्वतंत्र औद्योगिक महासंघों का संयुक्त मंच इन कठोर श्रम संहिताओं के कार्यान्वयन का उस दिन से विरोध कर रहा है जिस दिन से इन्हें मौजूदा 29 केंद्रीय श्रम कानूनों को निरस्त करते हुए लागू किया गया था। चार श्रम संहिताएं, वेतन संबंध, औद्योगिक संबंध, सामाजिक सुरक्षा और व्यावसायिक सुरक्षा संहिता स्वास्थ्य और कार्य शर्तें संहिता 2020 के सितंबर में लागू होते ही तत्काल विरोध प्रदर्शन हुए और 26 नवंबर 2020 को ट्रेड यूनियनों के संयुक्त मंच द्वारा संयुक्त किसान मोर्चा के ऐतिहासिक दिल्ली चलो के साथ ऐतिहासिक आम हड़ताल की गई। 9 जुलाई 2025 की आम हड़ताल हुई, जिसमें 25 करोड़ से अधिक श्रमिकों ने भाग लिया। कड़े प्रतिरोध के बावजूद, बिहार चुनावों में जीत से उत्साहित केंद्र सरकार ने मीडिया रिपोर्टों और श्रम एवं रोजगार मंत्रालय के ट्वीट के अनुसार 21 नवंबर से चार श्रम संहिताओं को अधिसूचित कर दिया गया है।

ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के प्रशिक्षु जिले में अव्वल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : झारखंड अधिविद् परिषद् , रांची द्वारा आयोजित झारखण्ड प्राथमिक शिक्षक प्रशिक्षण के शैक्षणिक सत्र 2023-25 का वार्षिक परीक्षाफल घोषित किया गया जिसमें ग्रिजली कॉलेज ऑफ एजुकेशन के डी.एल.एड. प्रशिक्षुओं ने जिला में अव्वल स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय का परचम जिले में लहराया, जिससे महाविद्यालय में हर्ष का माहौल बना है। उक्त परीक्षा में प्रशिक्षु रिंकी कुमारी ने प्रथम 87.86% कालेश्वर कुमार ने चतुर्थ 83.93% , पूजा सिन्हा ने पांचवां 83.86% , काजल प्रवीण ने सातवां 83.43% , अंजु कुमारी ने दसवां 82.86,% एवं कमलेश कुमार ने भी 82.86% अंकों के साथ जिले में दशवाँ स्थान प्राप्त कर महाविद्यालय को गौरवान्वित किया वहीं प्रशिक्षु निशा कुमारी, गुप्ता गंगा जयकुमार, महेंद्र कुमार, नफीसा खातून, गौरव कुमार, विक्की कुमारी, दिवाकर कुमार राम ने 80% से अधिक अंकों के साथ महाविद्यालय के शीर्ष दश स्थान बनाए साथ ही 21 प्रशिक्षु ने 80 % एवं 61 प्रशिक्षु ने 75% अंक सहित विशिष्टता के साथ अव्वल रहे। इस अवसर पर महाविद्यालय की उप निदेशिका डॉ संजीता कुमारी ने सभी प्रशिक्षुओं को बधाई देते हुए अपने संबोधन में कहा कि प्रशिक्षुओं की शानदार सफलता न केवल महाविद्यालय बल्कि जिले के लिए गर्व का विषय है। छः प्रशिक्षुओं का जिला टॉपर बनना यह प्रमाणित करता है कि यदि लक्ष्य स्पष्ट हो और प्रयास निरंतर हो, तो उत्कृष्ट परिणाम निश्चित हैं।

सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती पर कोडरमा में भव्य शोभायात्रा निकाली गई

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

कोडरमा : सरदार वल्लभभाई पटेल की 150वीं जयंती के अवसर पर भारतीय जनता पार्टी, जिला कोडरमा द्वारा एक भव्य शोभायात्रा निकाली गई। यह यात्रा सुभाष चौक से शुरू होकर झुमरी तिलैया बाजार होते हुए जगन्नाथ जैन कॉलेज तक पहुँची। शोभायात्रा में बड़ी संख्या स्कूल के छात्रों, भाजपा कार्यकताओं, महिलाओं एवं युवाओं ने भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि माननीय सांसद अन्नपूर्णा देवी जी तथा विशिष्ट अतिथि माननीय विधायक नीरा यादव जी एवं जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने दीप प्रज्वलित कर कार्यक्रम कि शुरूआत की । माननीय की उपस्थिति ने कार्यक्रम को विशेष बना दिया। सांसद अन्नपूर्णा देवी जी ने अपने संबोधन में कहा कि सरदार पटेल भारत की एकता और अखंडता के प्रतीक थे। आज देश उनके दिखाए मार्ग पर चलकर नए भारत के निर्माण की दिशा में अग्रसर है। हमें उनके आदर्शों को जन-जन तक पहुँचाने की आवश्यकता है। विधायक नीरा यादव जी ने कहा कि सरदार पटेल ने देश को एक सूत्र में पिरोने का जो कार्य किया, वह अद्वितीय है। उनके योगदान को याद करते हुए हम सभी को समाज और राष्ट्र के उत्थान के लिए निरंतर कार्य करने का संकल्प लेना चाहिए। जिला अध्यक्ष अनूप जोशी ने कहा कि लौह पुरुष सरदार पटेल के विचार आज भी उतने ही प्रासंगिक हैं। देश उनके द्वारा सभी रजवाड़ों को मिलाकर एक भारत का निर्माण उनकी ही सूझ बूझ को मानता है,देश उनके सिद्धांतों पर चलते हुए एक मजबूत, सुरक्षित और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण के लिए प्रतिबद्ध है। शोभायात्रा के दौरान देशभक्ति से ओत-प्रोत नारों से वातावरण गूंज उठा और लोगों ने उत्साहपूर्वक कार्यक्रम को सफल बनाया। कार्यक्रम में कर्नल विजय कुमार 45 बटालियन, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य रमेश सिंह,रवि मोदी, नीतीश चन्द्रवंशी, पूर्व जिला अध्यक्ष रामनाथ सिंह, सुरेश यादव, बीरेंद्र सिंह, जिला उपाध्यक्ष राजेश सिंह,देवनारायण मोदी, जूही दास गुप्ता, राजकुमार यादव, गोपाल कुमार गुतुल, जिला महामंत्री विजय यादव, शिवेंद्र नारायण, जिला कोषाध्यक्ष सुभाष मोदी, जूही दास गुप्ता,जिला मंत्री शशि भूषण प्रसाद, अनीता देवी,अल्पसंख्यक मोर्चा ज़िलाध्यक्ष अरसद खान, महिला मोर्चा ज़िलाध्यक्ष सुनीति सेठ किसान मोर्चा जिला अध्यक्ष प्रभाकर लाल रावत,पिछड़ा मोर्चा जिला अध्यक्ष बासुदेव यादव एससी मोर्चा जिला अध्यक्ष रामचंद्र राम,कार्यालय मंत्री हरि पण्डित,मण्डल अध्यक्ष सुधीर सेठ,सुनील पंडित,महेश वर्मा,मुकेश राम,मण्डल महामन्त्री संजय शर्मा, नवीन चौधरी, शंकर मोदी,अर्जुन सिंह,अनिल शर्मा,बीरेंद्र कराटे आदि सैकड़ो कार्यकर्ता उपस्थित थे ।

एक नजर

रोटरी इंटर स्कूल क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल आज

कोडरमा : जिला क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में खेले गए रोटरी इंटर स्कूल क्रिकेट टूनामेंट का फाइनल मुकाबला रविवार को झुमरी तिलैया स्थित सी एच हाई स्कूल मैदान में संस्कार इंटरनेशनल स्कूल और झारखंड पब्लिक स्कूल के बीच प्रातः 9 बजे से खेला जायेगा। फाइनल मैच में उद्घाटन सत्र से लेकर समापन सत्र तक कोडरमा जिला क्रिकेट एसोसिएशन के सभी पदाधिकारी और रोटरी क्लब का कोडरमा के सभी पदाधिकारी उपस्थित रहेंगे तथा खिलाड़ियों का उत्साह बढ़ाएंगे। मैच का शुभारंभ राष्ट्रगान से किया जायेगा ।केडीसीए के अध्यक्ष अमरजीत सिंह छाबड़ा और सचिव दिनेश सिंह ने बताया कि फाइनल मैच की सभी तैयारी पूरी कर ली गई है। उन्होंने कहा कि 5 नवंबर से प्रारंभ यह टूनामेंट में 10 स्कूल की टीमों ने भाग लिया था। जिसमें ग्रिजली विद्यालय, ग्रिजली पब्लिक स्कूल, सेक्रेड हार्ट स्कूल, मॉडर्न पब्लिक स्कूल ,आर पी मोदी इंटरनेशनल स्कूल, आदर्श प्लस टू उच्च विद्यालय मधवाटांड़, चाइल्ड प्रोगेसिव स्कूल, सेंट जेवियर स्कूल, झारखंड पब्लिक स्कूल और संस्कार इंटरनेशनल स्कूल शामिल है। ग्रामीण क्षेत्र से आने वाली दोनों स्कूल ने पहली बार इंटर स्कूल क्रिकेट टूनामेंट के फाइनल में जगह बनाने में कामयाबी पाई है। इस टूनामेंट में अंडर 16 और अंडर 14 के बच्चों ने अपनी प्रतिभा दिखाई है। पूरा टूनामेंट चंदवारा स्थित पुलिस लाइन मैदान और सी एच हाई स्कूल मैदान में खेला गया।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उठी जर्जर सड़क के निर्माण की मांग

जादूगोड़ा : सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में उतरी इंचडा पंचायत के ग्रामीणों ने जादूगोड़ा स्थित यूसिल कम्पनी से सटी जर्जर मुख्य सड़क के निर्माण की मांग उठाई। कहा कि सड़क पर बने गड्ढों से स्कूली बच्चों व ग्रामीणों को खासी परेशानी हो रही है। यूसिल के पूर्व चीफ टाइम कीपर मंगल सिंह ने मुखिया मंजीत सिंह को मुसाबनी बीडीओ के नाम दर्जनों ग्रामीणों का हस्ताक्षर युक्त पत्र सौंपा। उन्होंने सड़क का निर्माण जल्द शुरू कराने की मांग की। पत्र में कहा गया है कि दुर्गा मंडप से गुर्रा नदी तक सड़क पूरी तरह से जर्जर हो गई है। 1500 मीटर लंबी इस सड़क की स्थिति बद से बदतर है। जबकि इस रास्ते से दिन भर चार पहिया व दो पहिया वाहनों का आवागमन लगा रहता है। ज्यादा परेशानी गांव के स्कूली बच्चों को झेलनी पड़ रही है।

श्रमिक चौक पर ऑटो और टोटो चालक में सवारी बैठाने को लेकर हाथापाई

धनबाद : शहर के व्यस्ततम श्रमिक चौक पर शनिवार को ऑटो और टोटो चालक के बीच सवारी बैठाने को लेकर तीखी नोकझोंक हुई। देखते ही देखते बहस हिंसक झड़प में बदल गई। घटना के बाद मौके पर भीड़ जमा हो गई, जिससे यातायात बाधित हुई। घटना की सूचना मिलते ही ट्रैफिक पुलिस के जवान और अधिकारी तुरंत मौके पर पहुंचे। पुलिस ने दोनों पक्षों को शांत कराने और स्थिति को नियंत्रण में लाने की कोशिश की। लेकिन वे एक नहीं सुने। इसके बाद दोनों चालकों को हिरासत में लेकर आगे की कार्रवाई के लिए उन्हें धनबाद थाना भेज दिया गया।
टोटो ड्राइवर अनुज कुमार ने स्थानीय ऑटो ड्राइवर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। अनुज कुमार ने बताया कि जब वह भूली से दो सवारी लेकर एसएनएमएमसीएच की ओर जा रहे थे, तभी श्रमिक चौक के पास खड़े स्थानीय ऑटो ड्राइवर ने उन्हें टोटो से जबरन उतारा और उनके साथ बुरी तरह से हाथापाई की।

संक्षिप्त खबरें

पांच सूत्री मांगों को लेकर आजीविका कर्मियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल दूसरे दिन भी जारी

कोडरमा : शनिवार को झारखंड राज्य आजीविका कर्मचारी संघ, संबंध झारखंड राज्य अराजपत्रित कर्मचारी महासंघ, जिला इकाई कोडरमा द्वारा पाँच सूत्री लंबित मांगों को लेकर शुरू की गई अनिश्चितकालीन हड़ताल शनिवार को को दूसरे दिन भी पूरी दृढ़ता के साथ जारी रही। L5 से L8 तक के विभिन्न स्तरों के समस्त आजीविका कर्मी पूरी तरह से एकजुट हैं और उनके हड़ताल पर रहने के कारण जिले में पलाश , झारखंड स्टेट लाइवलीहुड प्रमोशन सोसाइटी तथा इससे संबंधित सभी आजीविका गतिविधियाँ लगातार ठप हैं। संघ की चेतावनी और अपील संघ के पदाधिकारियों ने आज एक बार फिर स्पष्ट किया कि जब तक उनकी जायज और लंबित माँगें पूरी नहीं की जातीं, तब तक यह कार्य बहिष्कार एवं अनिश्चितकालीन हड़ताल जारी रहेगी। कर्मचारियों ने सरकार से अविलंब वार्ता करने और उनकी मांगों को प्राथमिकता के आधार पर स्वीकार करने की अपील की है। संघ ने यह भी चेतावनी दी है कि यदि सरकार ने उनकी मांगों पर जल्द ही कोई सकारात्मक कदम नहीं उठाया, तो यह आंदोलन न केवल कोडरमा जिले में, बल्कि पूरे राज्य में और भी उग्र रूप धारण करने के लिए बाध्य होगा।

ट्रक ने बाइक व स्कूटी को रौंदा, एक की मौत, एक घायल

बोकारो : जरीडीह थाना क्षेत्र के जैनामोड़ के समीप मल्हानटांड़ चौक पर शनिवार सुबह हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। मृतक की पहचान पेटरवार निवासी कोलेश्वर महतो के रूप में हुई है।प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, बालीडीह टोल टैक्स की दिशा से एक ट्रक गलत दिशा (रॉन्ग साइड) में जैनामोड़ की ओर आ रहा था। इसी दौरान आगे जा रहे बाइक व स्कूटी सवार को ट्रक ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में कोलेश्वर महतो की घटनास्थल पर ही मौत हो गई, जबकि स्कूटी सवार युवक गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल अस्पताल पहुंचाया गया, जहां उसका इलाज जारी है। समाचार लिखे जाने तक उसकी पहचान नहीं हो सकी थी।घटना की जानकारी मिलने पर जरीडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और राहत कार्य शुरू किया। पुलिस ने सभी वाहनों को जब्त कर लिया है और दुर्घटना की जांच शुरू कर दी गई है। बताया जा रहा है कि मृतक कोलेश्वर महतो रोजाना की तरह अपने घर से बालीडीह काम पर जाने के लिए निकला था।

सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश का आरोप

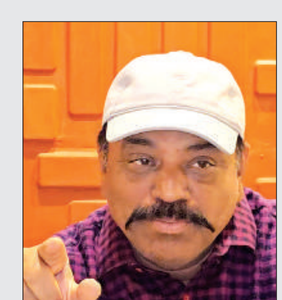

बोकारो : बोकारो टाउन हॉल के समीप स्थित बहुमूल्य सरकारी जमीन पर कब्जे की कोशिश, तीनमुहानी चौक के अवैध नामकरण और विधायक मद से मिली बोलेरो वाहन के निबंधन घोटाले को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। इन मामलों को लेकर बोकारो विकास फोरम के अध्यक्ष अनिल सिंह ने शनिवार को प्रेस वार्ता कर जिला प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की।अनिल सिंह ने आरोप लगाया कि भू-माफिया बताए जा रहे मुकुल ओझा टाउन हॉल परिसर से सटी करोड़ों रुपये मूल्य की सरकारी भूमि पर कब्जा जमाने की कोशिश कर रहे हैं। बिना किसी सरकारी स्वीकृति या आवंटन के जमीन पर पेड़-पौधे लगाकर कब्जा स्थापित करने की योजना बनाई जा रही है। आरोप है कि सामाजिक रूप से सम्मानित व्यक्तियों को भ्रमित कर उनसे वृक्षारोपण कराया गया ताकि कब्जे को वैध ठहराने का माहौल बनाया जा सके।उन्होंने यह भी बताया कि टाउन हॉल के सामने स्थित तीनमुहानी चौक का नाम स्व. पंडित गौरी शंकर ओझा के नाम पर अवैध रूप से रखकर वहां बड़ा तैलचित्र लगाया गया है। यह सरकारी प्रक्रिया का उल्लंघन है। सिंह ने कहा कि ऐसे ही मामले में पहले चास आईटी मोड़ पर कार्रवाई हुई थी, जिसे तत्कालीन उपायुक्त और एसडीओ ने अमान्य घोषित किया था। प्रेस वार्ता में सिंह ने बोलेरो वाहन से जुड़ा एक और गंभीर मामला उठाया। उनके अनुसार वर्ष 2018 में विधायक मद से स्वास्थ्य एवं पर्यावरण संरक्षण संस्थान को उपलब्ध कराई गई बोलेरो (जे एच 09 ए के 6080) को मुकुल ओझा ने कथित रूप से अपने नाम पर निबंधित करा लिया।

बीएसएल में सुरक्षा जागरूकता अभियान के तहत मानव श्रृंखला एवं गैस सुरक्षा कार्यक्रम का आयोजन

बोकारो : इस्पात संयंत्र में सुरक्षा को और सुदृढ़ बनाने तथा सुरक्षा सर्वप्रथम की मूल भावना को कार्यस्थल की संस्कृति में प्रभावी रूप से स्थापित करने के उद्देश्य से लगातार विभिन्न जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में प्लांट प्लाजा रोड पर एक विशेष मानव श्रृंखला का आयोजन किया गया, जिसका उद्देश्य कर्मियों में सुरक्षा चेतना को और अधिक मजबूत करना तथा कार्यस्थल पर सुरक्षा को कार्य संस्कृति का अभिन्न हिस्सा बनाना था। इस अवसर पर अधिशासी निदेशक श्री प्रिय रंजन तथा अधिशासी निदेशक अनुप कुमार दत्त उपस्थित रहे। उन्होंने सभी कर्मियों से सुरक्षित कार्य व्यवहार अपनाने और हर समय सतर्क रहने का आह्वान किया. कार्यक्रम में मुख्य महाप्रबंधक श्री बी. के. सरतापे, मुख्य महाप्रबंधक श्री प्रकाश कुमार सहित सुरक्षा अभियंत्रण एवं यांत्रिकी विभाग के अधिकारी, कर्मचारी तथा बड़ी संख्या में ठेका श्रमिक मौजूद रहे। प्रतिभागियों ने सुरक्षा संदेशों से युक्त तख्तियों के माध्यम से सड़क और कार्यस्थल दोनों पर सतर्कता एवं जिम्मेदारी का संदेश दिया। एक अन्य कार्यक्रम में मानव संसाधन विभाग के ज्ञानार्जन एवं विकास विभाग के मेन ऑडिटोरियम में गैस सुरक्षा पर एक विशेष जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किया गया. इसमें संयंत्र के विभिन्न विभागों से कुल 83 अधिकारी, कर्मचारी एवं निविदा कर्मियों ने भाग लिया। कार्यक्रम का आयोजन सुरक्षा अभियंत्रण विभाग एवं ऊर्जा प्रबंधन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम की शुरूआत में ऊर्जा प्रबंधन विभाग के सहायक महाप्रबंधक सुखदेव महतो ने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए सुरक्षा शपथ दिलाई तथा गैस सुरक्षा के महत्व और इसकी उपयोगिता पर विस्तार से प्रकाश डाला।

पुलिस ने फायरिंग मामले के तीन आरोपी को हथियार के साथ किया गिरफ्तार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पलामू : मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के मुस्लिमनगर स्थित गौसिया मदरसा के पास जमीन विवाद में शुक्रवार रात ताबड़तोड़ फायरिंग हुई। फायरिंग में किसी को गोली नहीं लगी, लेकिन घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। घटना के तुरंत बाद पुलिस महकमा हरकत में आया और कार्रवाई करते हुए एक घंटे के भीतर तीन आरोपितों को धर दबोचा। उनके पास से एक देशी पिस्टल, एक देशी कट्टा, 8 एमएम की 6 जिंदा गोली, 7.65 एमएम की दो जिंदा गोली और 7.65 एमएम के तीन खोखा और एक 8 एमएम का खोखा बरामद किया गया। गिरफ्तार आरोपितों में मेदिनीनगर शहर थाना क्षेत्र के साईं मुहल्ला निवासी और इस कांड के मुख्य आरोपित अमजद खान और तनवीर साह, जबकि आजादनगर सुदना के मोहित चौधरी शामिल हैं। इस दौरान आरोपित अमजद और मोहित के पास से हथियार मिला, जबकि तनवीर के पास गोलियां बरामद हुईं। एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय सभागार में घटना की पूरी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि गौसिया मदरसा के पास रहने वाले सोनू खान से जमीन विवाद के बाद गिरफ्तार तीनों आरोपितों ने उसके घर पर गोलियां चलाईं। साथ ही हवाई फायरिंग की। घटना के बाद तीनों भागने की फिराक में थे। लेकिन उन्हें स्टेशन रोड से पकड़ा गया। घटना के अनुसार पहाड़ी में जमीन को लेकर अमजद और सोनू के बीच विवाद हुआ था। दोनों जमीन का धंधा करते हैं। इनमें से अमजद पर चैनपुर थाना में जमीन पर कब्जे को लेकर रंगदारी और आर्म्स एक्ट के मामले में प्राथमिकी दर्ज की गयी थी और उसे जेल भी भेजा गया था। वह कुछ दिनों पूर्व जेल छूटकर आया था। मामले में कार्रवाई करनेवाली टीम में शहर थाना प्रभारी इंस्पेक्टर ज्योति लाल रजवार, टीओपी वन प्रभारी इन्द्रदेव पासवान, संदीप कुमार राम, जवान इशरार अहमद, अंचन राम, अनील पासवान, राकेश कुमार सिंह, सुनील कुमार, सतेन्द्र राम, रोहित कुमार, जयंत कुमार और तकनीकी शाखा के अगस्त मिश्रा शामिल थे।

एक नजर

ब्राउन शुगर और गांजा के साथ एक गिरफ्तार

हजारीबाग : जिला के ईचाक थाना क्षेत्र में पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर शनिवार को सूर्यमंदिर के पास छापेमारी कर एक युवक को अवैध मादक पदार्थ के साथ गिरफ्तार किया है। अपर पुलिस अधीक्षक एवं सह पुलिस उपाधीक्षक के नेतृत्व में गठित एसआईटी टीम ने ग्राम परासी स्थित सूर्यमंदिर के पास छापेमारी की। मौके से एक आरोपित के पास से कुल 18 पुड़िया ब्राउन शुगर तथा लगभग 50 ग्राम गांजा बरामद किया गया। बरामद ब्राउन शुगर का डीईओ किट से परीक्षण किया गया, जिसमें ब्राउन शुगर और गांजा होने की पुष्टि हुई। छापेमारी टीम ने आरोपित को गिरफ्तार कर लिया और मौके पर मौजूद मोबाइल फोन भी जब्त किया। गिरफ्तार आरोपित की पहचान संदीप कुमार उर्फ निक्की (25) के रूप में की गयी है। वह हजारीबाग के ईचाक हदारी का रहने वाला है। थाना प्रभारी ईचाक की लिखित आवेदन पर आरोपित के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपित से पूछताछ जारी है तथा उससे मिले इनपुट के आधार पर मादक पदार्थों के अवैध कारोबार में शामिल अन्य लोगों की भी पहचान कर कार्रवाई की जाएगी।

सरकार आपके द्वार कार्यक्रम में वृद्ध महिलाओं को मिला पेंशन

हजारीबाग : सेवा के अधिकार सप्ताह के अवसर पर राज्य सरकार की ओर से संचालित सर्वजन पेंशन योजना के तहत सभी वृद्ध, विधवा और दिव्यांगों को सामाजिक सुरक्षा पेंशन उपलब्ध कराई जा रही है। इसी क्रम में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम के तहत शनिवार को कटकमदाग प्रखंड के विभिन्न पंचायतों में आयोजित शिविरों में कई लाभुकों को पेंशन का लाभ दिया गया। कार्यक्रम में अडरा पंचायत की सावित्री देवी (60) और कटकमदाग पंचायत की कुंती देवी सहित कई महिलाओं को शिविर में ही ऑन-द-स्पॉट पेंशन की स्वीकृति दी गई। मौके पर कटकमदाग प्रखंड के सीओ और बीडीओ ने दोनों लाभुकों को स्वीकृति पत्र सौंपते हुए उनके उज्वल भविष्य की कामना की। पेंशन स्वीकृति से उत्साहित सावित्री देवी और कुंती देवी ने खुशी जताते हुए बताया कि पहले पेंशन के लिए कई बार प्रखंड कार्यालय का चक्कर लगाना पड़ा, लेकिन वृद्धा पेंशन नहीं मिल पा रही थी। शिविर में एक ही दिन में हमें पेंशन की स्वीकृति मिल गई। इसके लिए वे मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन का आभार व्यक्त करती हैं।

ईचागढ़ के नये थाना प्रभारी के रूप में बजरंग महतो ने पदभार किया ग्रहण

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : ईचागढ़ थाना के नये प्रभारी के रूप में शनिवार को बजरंग महतो ने ईचागढ़ थाना में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने बिक्रम आदित्य पांडे से पदभार ग्रहण किया। मालूम हो कि पुलिस अधीक्षक मुकेश लुणायत ने ईचागढ़ थाना प्रभारी बिक्रम आदित्य पांडे को लाइन क्लोज कर चौंका थाना प्रभारी बजरंग महतो को ईचागढ थाना प्रभारी बनाया एवं तत्काल योगदान करने का निर्देश दिया। योगदान के बाद थाना प्रभारी बजरंग महतो ने कहा कि क्षेत्र में अपराध नियंत्रण, अमन चैन एवं पुलिस पब्लिक संबंध को मजबूत बनाना पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि जनताओं को साथ लेकर चलने का कोशिश किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आपसी व घरेलू विवादों पर त्वरित व निष्पक्ष कार्रवाई करने कि दिशा में उचित पहल किया जाएगा। अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने का प्रयास होगा। अफीम खेती के खिलाफ व्यापक जागरूकता अभियान चलाकर अफीम खेती रोकना भी पहली प्राथमिकता होगी। उन्होंने लोगों से सहयोग करने का भी अपील किया। चौका थाना क्षेत्र जैसे जगह पर अफीम खेती मुक्त क्षेत्र बनाने में काफी सक्रिय रहे। उन्होंने कहा कि हर हाल में अफीम खेती करने नहीं दिया जाएगा। अफीम खेती करने वाले पर कठोर कार्रवाई किया जाएगा।

कैमरून में फंसे झारखंड के पांच प्रवासी मजदूर वेतन नहीं, खाना-रहना मुश्किल, सरकार से गुहार

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सरिया : झारखंड के प्रवासी मजदूर एक बार फिर विदेश में फंसे हुए हैं। इस बार गिरिडीह और हजारीबाग जिलों के पांच मजदूर अफ्रीका के कैमरून में फंस गए हैं। कंपनी न तो इन्हें वेतन दे रही है और न ही रहने-खाने की उचित व्यवस्था कर रही है। परेशान मजदूरों ने वीडियो बनाकर अपनी व्यथा सुनाई और भारत सरकार से सकुशल वतन वापसी की गुहार लगाई है। फंसे हुए मजदूरों के नाम इस प्रकार हैं: हजारीबाग जिले के विष्णुगढ़ थाना क्षेत्र के ऊंचाघना गांव के सुनील महतो और सुकर महतो, हजारीबाग के ही करगालो गांव के चंद्रशेखर कुमार और डीलों महतो, गिरिडीह जिले के डुमरी के दिलचंद महतो। मजदूरों ने अपना दर्द प्रवासी श्रमिकों के मुद्दे पर काम करने वाले सामाजिक कार्यकर्ता सिकन्दर अली को वीडियो भेजा। सिकन्दर अली ने यह वीडियो मीडिया के साथ साझा करते हुए केंद्र और झारखंड सरकार से तत्काल कूटनीतिक हस्तक्षेप की मांग की है। सिकन्दर अली ने कहा, यह कोई पहला मामला नहीं है। लालच में विदेश जाने वाले मजदूर बार-बार ठगे जा रहे हैं। इसी महीने ट्यूनीशिया से 48 मजदूरों को वापस लाया गया, लेकिन गिरिडीह के बगोदर के 5 मजदूर पिछले सात महीनों से नाइजर में अगवा हैं, उनकी रिहाई नहीं हो सकी। वहीं डुमरी के ही विजय कुमार महतो का शव एक महीने से सऊदी अरब में पड़ा है। सरकार को अब सख्त कदम उठाने होंगे ताकि ऐसे एजेंटों पर लगाम लगे और मजदूर सुरक्षित विदेश जाएं या जाएं ही नहीं। परिजन और ग्रामीण बेहद चिंतित हैं और प्रशासन से तुरंत कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।

चौड़ा पंचायत में आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम संपन्न

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

ईचागढ़ : कुकड़ू प्रखंड के चौड़ा पंचायत में शनिवार को सरकार की महत्वाकांक्षी पहल आपकी योजना, आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम का सफल आयोजन हुआ। राइट टू सर्विस सप्ताह (21 से 28 नवंबर) के तहत लगे इस शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याओं और आवश्यक सेवाओं के लिए पहुंचे। कार्यक्रम का संचालन प्रखंड विकास पदाधिकारी राजश्री ललिता बाखला की देखरेख में किया गया। अलग-अलग विभागों की टीमें सुबह से ही पंचायत भवन में डेरा जमाए रहीं और लोगों को विभिन्न सरकारी सेवाएँ घर के पास ही उपलब्ध कराईं। शिविर में मिली ये प्रमुख सेवाएँ आय, जाति, निवास प्रमाण-पत्र बनाने से लेकर श्रमिक कार्ड, सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ, बैंकिंग सुविधा, आयुष्मान कार्ड, आधार अपडेट, पेंशन योजनाएँ और स्वास्थ्य परीक्षण जैसी कई सुविधाएँ मौके पर ही दी गईं। स्वास्थ्य विभाग द्वारा लगाए गए विशेष कैम्प में मधुमेह, रक्तचाप और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण कराया गया, जिसमें खासकर महिलाओं और बुजुर्गों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

642 आवेदन, 267 का तुरंत समाधान

प्रखंड प्रशासन के अनुसार, शिविर में कुल 642 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 267 मामलों का समाधान मौके पर ही कर दिया गया। बाकी 375 आवेदन प्रक्रियाधीन हैं, जिन्हें तय समय सीमा में निस्तारित किया जाएगा। अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि सभी पात्र लाभुकों को योजनाओं का लाभ बिना देरी पहुंचाया जाएगा। चौड़ा पंचायत में आयोजित यह शिविर ग्रामीणों की सुविधा और पारदर्शी प्रशासन की दिशा में एक प्रभावी कदम साबित हुआ।

दलमा हाई टेक नर्सरी में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर, 61 मरीजों ने उठाया लाभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पटमदा : पटमदा प्रखंड के खेड़ुआ पंचायत के धूसरा स्थित दलमा हाई टेक नर्सरी कार्यालय परिसर में नाबार्ड रांची के सौजन्य से टीआरसीएससी जमशेदपुर के द्वारा आयोजित नॉन वाडी प्रोजेक्ट के तहत निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर लगाया गया। शिविर में चिकित्सकों के द्वारा लगभग 61 मरीजों को निःशुल्क स्वास्थ्य जांच के साथ दवाइयां भी उपलब्ध करवाया गया। वही शहर के वरीय चिकित्सकों के द्वारा के द्वारा शरीर को स्वास्थ्य रखने में खानपान पर विशेष ध्यान देने के साथ नियमित पोषक तत्व युक्त भोजन लेने के विषय में विस्तृत जानकारी दिया गया। शिविर में अधिकांश मरीज की आयु के अनुसार कम वजन, कमजोर मिले। निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर में मुख्य रूप से डॉक्टर मतीन अहमद खान, डॉ सुरेश प्रसाद साहू, माणिक दास, संस्था के अहि भुषण चौनी, डॉ तापस पाइक, समाजसेवी हरिहर सिंह, ग्राम प्रधान शामिल हुए। शिविर में उपस्थित होकर दर्जनों ग्रामीणों ने शिविर का लाभ उठाया।

संक्षिप्त खबरें

पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया

सिल्ली : मुरी ओपी पुलिस द्वारा शुक्रवार की संध्या में झारखंड मोड़ पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार वाहन चेकिंग अभियान चलाया गया। चेकिंग के दौरान वाहनों के दस्तावेज, इंश्योरेंस, हेलमेट और डिक्की की गहन जांच की गई।अभियान के तहत चार पहिया वाहन चालकों का सीट बेल्ट की भी जांच की गई, बिना सीट बेल्ट पहने वाहन चालकों को सख्त हिदायत दिया गया। इस दरमियान कई दो पहिया वाहनों को जप्त किया गया जिसे बाद में सख्त हिदायत देकर छोड़ दिया गया। वहीं थाना प्रभारी राहुल कुमार मेहता ने वाहन चालकों को ट्रैफिक नियमों का पालन करने की सलाह दी एवं उन्होंने आगे कहा कि इस अभियान का मुख्य उद्देश्य यातायात नियंत्रण, सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित करना और अनाधिकृत तथा नियम विरुद्ध वाहनों के संचालक पर रोक लगाना है एवं सड़क सुरक्षा और यातायात अनुशासन सुनिश्चित करने के लिए यह अभियान भविष्य में भी जारी रहेगा। उन्होंने यह भी बताया कि यातायात नियमों का उल्लंघन करने वालों के विरुद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अभियान में मुरी ओपी के अवर निरीक्षक आशीष रंजन, रघुनंदन मंडल समेत सशस्त्र बल मौजूद रहे।

एसबीयू के 14 विद्यार्थियों का ईएंडवाई में चयन

रांची : सरला बिरला विश्वविद्यालय, रांची में वर्ष 2026 बैच के लिए आयोजित कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में बी.कॉम और बीबीए के 2026 वर्ष के उत्तीर्ण विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ड्राइव अर्न्स्ट एंड यंग कंपनी द्वारा आयोजित किया गया। प्लेसमेंट प्रक्रिया के दौरान कुल 14 विद्यार्थियों का चयन कंपनी द्वारा किया गया। विवि के विद्यार्थियों की इस सफलता पर एसबीयू के प्रतिकुलाधिपति बिजय कुमार दलान, महानिदेशक प्रो गोपाल पाठक, माननीय कुलपति प्रो सी जगनाथन एवं माननीय राज्यसभा सांसद डॉ प्रदीप कुमार वर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए उन्हें शुभकामना संदेश प्रेषित किया है।

बहन की खुदकुशी करने पर प्रेमी की हत्या की कोशिश, 20 दिन बाद धराया शूटर

पलामू : चचेरी बहन की खुदकुशी करने पर उसके प्रेमी की हत्या करने के लिए सुपारी देकर फायरिंग कराने के मामले का पुलिस ने खुलासा कर दिया है। पुलिस ने घटना के 20 दिन बाद शनिवार को शूटर को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने घटना में इस्तेमाल मोटरसाइकिल, पहने हुए कपड़े और मोबाइल फोन बरामद किया गया है। यह घटना जिले के हैदरनगर हाई स्कूल के सामने हुई थी। घटना के अनुसार नीरज चन्द्रवंशी पर गोली चलायी गयी थी। इस दौरान उसकी पीठ में गोली लगी थी। इलाज के बाद उसकी स्थिति खतरे से बाहर है। इस मामले में अनुसंधान के क्रम में सामने आया कि नीरज चन्द्रवंशी का प्रेम प्रसंग लोहरपुरवा के प्रिंस मेहता की चचेरी बहन के साथ था। वर्ष 2022 में युवती ने खुदकुशी कर ली थी। प्रिंस इसके लिए नीरज को जिम्मेवार मानता था और उसकी हत्या के लिए साथी सुमित मेहता के साथ योजना बनायी और 70 हजार रुपए की सुपारी महुअरी के आकाश कुमार सिंह उर्फ गोलू को दी। प्लानिंग के तहत एक नवंबर की सुबह आकाश ने नीरज पर फायरिंग की, लेकिन गोली उसकी पीठ में लगी। अनुसंधान के क्रम में 21 नवंबर को महुअरी गांव से आकाश को गिरफ्तार किया गया। पुलिस की पूछताछ में उसने पूरी घटना की जानकारी दी। आकाश ने गोली चलाने के बाद हथियार प्रिंस को वापस दे दिया था। वहीं प्रिंस और सुमित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस छापेमारी कर रही है। आकाश के खिलाफ हुसैनाबाद में आपराधिक मामला दर्ज है। एसपी रीष्मा रमेशन ने शनिवार को पुलिस अधीक्षक कार्यालय में घटना की जानकारी देते हुए बताया कि गोली चलाने से पहले 10 दिनों तक नीरज की हर गतिविधि की रेकी की गयी थी। गोली चलाने के समय केवल आकाश मौजूद था। एसपी ने बताया कि प्रिंस की बहन की खुदकुशी के मामले में किसी तरह की प्राथमिकी दर्ज नहीं की गयी थी। नीरज पर गोली चलाने से पहले प्रिंस और नीरज के बीच मारपीट की घटना हुई थी। मामला बढने पर हत्या की कोशिश की गयी।

मुख्यमंत्री ने चिंतक डॉ मयंक मुरारी को किया सम्मानित

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

अनगड़ा : झारखंड विधान सभा ने प्रदेश में विकासपरक कार्य और सृजनात्मक लेखनी के लिए डॉ मयंक मुरारी को आज रजत वर्ष समारोह में सम्मानित किया है। झारखंड के हेमन्त सोरेन ने शनिवार को विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में अपने करकमलों से डॉ मयंक मुरारी को सम्मानित किया है। डॉ मयंक मुरारी एक उल्लेखनीय विचारक और लेखक के साथ ग्रामीण विकास के प्रति समर्पित प्रबंधक है। उनके विकासपरक कार्य और सृजनात्मक लेखनी समाज और देश में बदलाव की आंकाक्षा को संवेदनशीलता और क्रियाशीलता से जोड़ती है। झारखंड विधानसभा की 25 वीं स्थापना दिवस के अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष रवींद्रनाथ महतो की अध्यक्षता वाली कार्यपालिका की एक टीम ने यह निर्णय लिया। विधानसभा से जारी प्रपत्र में डॉ मयंक मुरारी का प्रदेश में उत्कृष्ट कार्य की सराहना की गयी है। डॉ मयंक मुरारी एक उल्लेखनीय विचारक और लेखक के साथ ग्रामीण विकास के प्रति समर्पित प्रबंधक है। उनकी सृजनात्मक लेखनी और ग्रामीण विकास के लिए किये जाने वाले कार्य, समाज और देश में बदलाव की आंकाक्षा को संवेदनशीलता और क्रियाशीलता से जोड़ती है। उन्होंने 30 सालों में अभी तक 20 किताबें और 900 से अधिक रिपोर्ट, आलेख एवं शोधपत्र भारतीय समाचार पत्र और पत्रिका में लिख चुके हैं। इन कार्यों के कारण पूर्व में उन्हें कई अवार्ड और पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। रांची के टाटीसिलवे क्षेत्र में पिछले 20 सालों से गांवों के टिकाऊ विकास के प्रति संकल्पित है। वह हमारे समाज की सामूहिक जागरूकता के लिए विभिन्न मंचों से व्याख्यान भी देते है। उनके अद्वितीय दृष्टिकोण और गहरी सोच को पहचानते हुए विभिन्न संगठनों की ओर से कई पुरस्कार प्रदान किया गया है। वह लगातार विभिन्न मंच, संगठनों के माध्यम से देशज समाज की ज्ञान परंपरा एवं समृद्ध भारत पर उदबोधन एवं विचार व्यक्त करते हैं।

डॉ मयंक मुरारी एक उल्लेखनीय विचारक और लेखक है जो आधुनिक जीवन के साथ प्राचीन ज्ञान को जोड़ते हैं। उषा मार्टिन में महाप्रबंधक -जीएम पद पर कार्यरत होने के अलावा वह भारतीय समाज एवं अध्यात्म के जिज्ञासु अन्वेषक है। सामाजिक एवं सांस्कृतिक विषयों पर अपनी न केवल पैनी नजर रखते है, बल्कि विचारोत्तेजक आलेख से हरेक सप्ताह युवा पीढ़ी को अवगत कराते हैं। आदिवासी दर्शन और चिंतनधारा की वर्तमान में प्रासांगिकता पर लगातार लेखन करते हैं। देश के राष्टीय अखबारों के अहम कॉलम दी स्पीकिंग ट्री, सप्तरंग, बोधिवृक्ष में अपने सैकड़ों आलेखों के माध्यम से सांस्कृतिक विरासत पर अपनी गहरी अंतर्दष्टि का परिचय दिया है। उनका कार्य भारतवर्ष के मूल्यों, परंपराओं और संस्कृति के उदात्त भावों को प्रकट करने के अलावे आज के संदर्भ में उसकी प्रासांगिकता पर उनके गहन चिंतन को दशार्ता है। उनका कार्य भारत के जीवन के आंतरिक मूल्यों एवं उसके अंतर्निहित पहलुओं को समझाने में उनके विश्वास का प्रमाण है, जिसके माध्यम से कैसे आधुनिक भारत के निर्माण में सहयोगी हुआ जाए।

जिला समादेष्टा कार्यालय, झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी, सिमडेगा

अति आवश्यक सूचना

झारखण्ड गृह रक्षा वाहिनी सिमडेगा जिला के 2025 में पुनर्नामांकित वैसे ग्रामीण गृहरक्षक जिनका बॉन्ड माह दिसम्बर 2025 में समाप्त होने वाला है, उनका पुनर्नामांकन का कार्य उपायुक्त महोदया सिमडेगा द्वारा निर्धारित तिथि दिनांक– 26/11/2025 को प्रातः 10:00 बजे जिला समादेष्टा कार्यालय झारखण्ड गृह रक्षावाहिनी सिमडेगा में किया जायेगा। पुनर्नामांकित होने वाले गृह रक्षक पूर्ण वर्दी में उपस्थित होंगे। दो (2) पासपोर्ट साईज फोटो (वर्दी सहित), पहचान पत्र, जन्मतिथि प्रमाण पत्र तथा जिला समादेष्टा कार्यालय सिमडेगा, के कमान पत्र की छाया प्रति लेकर कार्यालय में उपस्थित होंगे।

प्रखण्डवार पुनर्नामांकन की तिथि निम्नवत हैः–

वर्ष 2025 में पुनः नामांकित होने वाले गृहरक्षकों की प्रखण्डवार संख्या निम्नवत है।

क्रमांक	प्रखण्ड	संख्या	पुनः नामांकन की तिथि
1.	सिमडेगा	12	26.11.2025
2.	बानो	7	
3.	जलडेगा	17	
4.	कोलेबिरा	9	
5.	बोलबा	9	
6.	कुरडेग	7	
7.	ठेठाईटांगर	11	
कुल		72	

जिला समादेष्टा,
झारखण्डगृह रक्षावाहिनी,सिमडेगा

PR 366831 District(25-26).D

विनोद कुमार शुक्ल को ज्ञानपीठ पुरस्कार दिए जाने के निहितार्थ

देश के जाने-माने लब्ध प्रतिष्ठित कवि, कथाकार,लेखक विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी साहित्य के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान के लिए ज्ञानपीठ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। जैसे ही इस सम्मान की खबर हिंदी साहित्य सेवियों के बीच आई, खुशी की लहर दौड़ पड़ी है। शुक्ल जी का अब तक का संपूर्ण जीवन हिंदी साहित्य लेखन को समर्पित रहा है। उनका विस्तृत रचना संसार पर सदा हिंदी सेवियों को गौरवान्वित करता रहेगा। इसके साथ ही उनकी कृतियों से लेखकों को कुछ नया लिखने की प्रेरणा भी मिलती रहेगी। ज्ञानपीठ पुरस्कार समिति ने शुक्ल जी यह पुरस्कार देने में थोड़ा विलंब जरूर किया। अंततः ज्ञानपीठ पुरस्कार उनके नाम पर मुहर लगाकर खुद को भी सम्मानित करने जैसा कार्य किया है। सच्चे अर्थों में विनोद कुमार शुक्ल इस पुरस्कार के वास्तविक हकदार हैं। देशभर में हिंदी साहित्यकारों के बीच ज्ञानपीठ पुरस्कार पर उंगलियां इसलिए उठ रही थी कि अब तक विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी साहित्य का सर्वोच्च पुरस्कार ज्ञानपीठ पुरस्कार क्यों नहीं दिया गया है? ज्ञानपीठ ने शुक्ल जी ज्ञानपीठ पुरस्कार प्रदान कर उनकी कृतियों को एक तरह से सम्मानित करने जैसा कार्य किया गया है। उन्होंने हिंदी साहित्य को अपने लेखनी के माध्यम से जो दिया है, अद्वितीय है। यह पुरस्कार विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी साहित्य में उनके अद्वितीय योगदान, रचनात्मकता और विशिष्ट लेखन शैली के लिए दिया गया है। विनोद कुमार शुक्ल आधुनिक हिंदी साहित्य के चुनिंदा कथाकारों और कवियों में शामिल हैं, जिन्होंने अपनी विशिष्ट भाषा शांत गहनता और अद्भुत कल्पना शीलता के बल पर साहित्य को नई संवेदना दी है। वे छत्तीसगढ़ से यह पुरस्कार पाने वाले पहले व्यक्ति हैं। वे हिंदी साहित्य के 12 वें साहित्यकार हैं, जिन्हें यह सम्मान प्रदान किया गया। इसके साथ ही वे 59 वें ज्ञानपीठ पुरस्कार पाने साहित्यकारों की श्रेणी में आ गए हैं। वे छत्तीसगढ़ से यह पुरस्कार पाने वाले पहले लेखक हैं। शुक्ल जी के प्रमुख उपन्यासों में 'नौकर की कमीज', 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' और 'खिलेगा तो देखेंगे' शामिल हैं। वे अपने उपन्यासों के माध्यम से जीवन की विसंगतियों को बहुत ही मार्मिक ढंग से उठाते रहे हैं। वे सहज और सरल विशिष्ट शैली के लिए जाने जाते हैं। वे अपनी बातों को बहुत ही सहजता के साथ कह गुजरते हैं। उनकी सहजता में बड़ी बात छुपी होती है। उनका गद्य और पद्य दोनों विधाओं पर समान रूप से अधिकार है। उन्होंने दोनों विधाओं पर बहुत ही महत्वपूर्ण और सार्थक विचारों को दर्ज कर एक नई बात कहने की कोशिश की है। विनोद कुमार शुक्ल, वयोवृद्ध लेखकों की श्रेणी में हैं। वे उम्र के हिसाब से वयोवृद्ध हैं,साथ ही लेखन के हिसाब से भी काफी लंबे समय से लिखते चलते आ रहे हैं। उनका जन्म देश की आजादी से पूर्व 1 जनवरी 1937 को हुआ छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव में हुआ था। उन्होंने प्राध्यापन को रोजगार के रूप में चुनकर अपना पूरा ध्यान साहित्य सृजन में लगाया। अभी वे ज्यादा इधर-उधर आ - जा नहीं सकते हैं। इसलिए ज्ञानपीठ पुरस्कार समिति के पदाधिकारियों ने छत्तीसगढ़ स्थित उनके आवास में आकर यह सम्मान उन्हें प्रदान किया। विनोद कुमार शुक्ल को हिंदी भाषा के एक ऐसे साहित्यकार हैं, जिन्हें हिंदी साहित्य में उनके अनूठे और सादगी भरे लेखन के लिए जाना जाता है। शुक्ल ने उपन्यास एवं कविता विधाओं में साहित्य सृजन किया है। उनका पहला कविता संग्रह 1971 में लगभग जय हिन्द नाम से प्रकाशित हुआ। 1979 में नौकर की कमीज नाम से उनका उपन्यास आया जिस पर फि ल्मकार मणिकौल ने इसी से नाम से फिल्म भी बनाई। शुक्ल के दूसरे उपन्यास 'दीवार में एक खिड़की रहती थी' को साहित्य अकादमी पुरस्कार प्राप्त हो चुका है।

दैनिक पंचांग

23 नवम्बर 2025 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

रविवार 2025 वर्ष का 327 वा दिन
दिशाशूल पश्चिम **ऋतु** हेमन्त।
विक्रम संवत् 2082
शक संवत् 1947
मास मृगशीर्ष **पक्ष** शुक्ल
तिथि तृतीया 19.25 बजे को समाप्त।
नक्षत्र मूल 19.28 बजे को समाप्त।
योग धृति 12.09 बजे को समाप्त।
करण तैतिल 06.20 बजे तदनन्तर गर 19.25 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 2.7 घण्टे
रवि क्रान्ति दक्षिण 20° 21'
सूर्य दक्षिणायन
कलि अहर्गण 1872537
जूलियन दिन 2461002.5
कलियुग संवत् 5126
कल्पारंभ संवत् 1972949123
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885123
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना जमादि उस्सानी
तारीख 01

ग्रह स्थिति		लग्नारंभ समय	
सूर्य	वृश्चिक में	धनु	08.08 बजे से
चंद्र	धनु में	मकर	10.13 बजे से
मंगल	वृश्चिक में	कुंभ	12.00 बजे से
बुध	वृश्चिक में	मीन	13.33 बजे से
गुरु	कर्क में	मेष	15.03 बजे से
शुक्र	तुला में	वृष	16.43 बजे से
शनि	मीन में	मिथुन	18.41 बजे से
राहु	कुंभ में	कर्क	20.55 बजे से
केतु	सिंह में	सिंह	23.11 बजे से
राहुकाल		कन्या	01.23 बजे से
4.30 से 6.00		तुला	03.33 बजे से
बजे तक		वृश्चिक	05.48 ब.से

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
उद्वेग	05.56 से 07.23 बजे तक	शुभ	05.36 से 07.09 बजे तक
चर	07.23 से 08.51 बजे तक	अमृत	07.09 से 08.41 बजे तक
लाभ	08.51 से 10.18 बजे तक	चर	08.41 से 10.14 बजे तक
अमृत	10.18 से 11.46 बजे तक	रोग	10.14 से 11.46 बजे तक
काल	11.46 से 01.14 बजे तक	काल	11.46 से 01.19 बजे तक
शुभ	01.14 से 02.41 बजे तक	लाभ	01.19 से 02.51 बजे तक
रोग	02.41 से 04.09 बजे तक	उद्वेग	02.51 से 04.24 बजे तक
उद्वेग	04.09 से 05.36 बजे तक	शुभ	04.24 से 05.53 बजे तक

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

व्हाइट कॉलर टेरर : लैब कोट में छिपा आतंक

योगेश कुमार गोयल

भारत को अब जिस नए तरह के आतंक का सामना करना पड़ रहा है, वह सीमा-पार से नहीं बल्कि क्लासरूम, लैब और अस्पतालों के भीतर से जन्म ले रहा है। आतंकवाद का रूप अब बदल चुका है। वह अब सीमापार की घुसपैठ, जंगलों में छिपे गिरोहों या हथियारबंद टुकड़ियों तक सीमित नहीं है बल्कि इसकी जड़ें उन सफेदपोश और शिक्षित लोगों तक पहुंच चुकी हैं, जिन्हें समाज सम्मान की दृष्टि से देखता था। आतंक का नया चेहरा वह है, जो लैब कोट पहनता है, रिसर्च पेपर लिखता है, अस्पताल में ड्यूटी करता है, मेडिकल कॉलेज में पढ़ता है और आईटी कंपनियों में काम करता है। यही है 'व्हाइट कॉलर टेरर', जो भारत की सुरक्षा के लिए सबसे बड़ी और सबसे खतरनाक चुनौती बन गया है। 'व्हाइट कॉलर टेरर' यानी शिक्षित, तकनीकी दक्ष और समाज में सम्मानित वे लोग, जो कट्टरपंथ की डिजिटल फैक्ट्रियों में वाहक बनते जा रहे हैं।

दिल्ली के लाल किले के पास विस्फोट और डॉक्टरों के बड़े मॉड्यूल का पकड़ा जाना इस नई साजिश का सबसे भयानक संकेत है। ये न आतंकी दिखते हैं, न किसी पर संदेह होता है। लाल किले के पास कार में हुए विस्फोट में 11 लोग मारे गए और कई घायल हुए। विस्फोटक कार के चालक की पहचान जब सामने आई तो देश स्तब्ध रह गया क्योंकि वह कोई अपराधी, कोई पुराना संदिग्ध या किसी गिरोह का सदस्य नहीं बल्कि डॉक्टर था। पुलवामा का रहने वाला युवक उमर मोहम्मद उन तीन डॉक्टरों का साथी निकला, जिनके पास से फरीदाबाद में लगभग 3000 किलो विस्फोटक और हथियार बरामद हुए थे। यह कोई साधारण संयोग नहीं बल्कि एक बेहद गहरी और सुनियोजित आतंकवादी साजिश की परतें खोलने वाला तथ्य है।

डॉक्टर मुजम्मिल, डॉक्टर आदिल और डॉक्टर शाहीन, ये तीनों उस गिरोह के केंद्र में थे, जो देश की राजधानी में बड़े पैमाने पर जनसंहार की योजना बना रहा था। इन सभी की प्रोफैशनल पहचान ने इतना मजबूत आवरण तैयार कर दिया था कि कोई इन्हें शक की निगाह से देख ही नहीं सकता था। इसी मॉडल का चौथा सदस्य डॉक्टर मोहिउद्दीन गुजरात पुलिस के आतंकवाद-निरोधक दस्ते की गिरफ्त में आया। चीन से मेडिसिन की पढ़ाई कर लौटे इस युवक को राइसिन जैसा घातक जहर तैयार करते हुए पकड़ा गया, जो एक ही बार में सैंकड़ों लोगों की जान ले सकता था। यह घटनाएं पहली नहीं हैं लेकिन निश्चित रूप से सबसे खतरनाक हैं। पुणे का डॉक्टर अदनान अली सरकार हो या बेंगलुरु की बहुराष्ट्रीय कंपनी में कार्यरत इंजीनियर अथवा आईटी प्रोफेशनल्स, पिछले एक दशक में कई उच्च शिक्षित लोग आतंकी संगठनों के लिए काम करते हुए पकड़े जा चुके हैं। ऑनलाइन पहचान छिपाने के लिए फर्जी नाम, छद्म प्रोफाइल, एन्क्रिप्टेड चैट और डार्क वेब समूहों का इस्तेमाल अब इनका सामान्य हथियार बन चुका है। आइएस, अल-कायदा या छोटे स्थानीय मॉड्यूल, ये सभी इस नए वर्ग को अपनी 'बौद्धिक सेना' बनाने में सक्रिय हो चुके हैं।

यह धारणा अब पूरी तरह मिथ्या साबित हो चुकी है कि केवल गरीब, वंचित या अशिक्षित लोग ही मजहबी उन्माद या सामाजिक उत्पीड़न के कारण कट्टरपंथी बनते हैं। हाल के वर्षों में आतंक के रास्ते पर चलने वाले लोगों की सूची देखें तो स्पष्ट होता है कि उनमें बड़ी संख्या में डॉक्टर, इंजीनियर, तकनीकी विशेषज्ञ और डिग्रीधारी युवा शामिल हैं। उनकी समस्या न तो आर्थिक है, न सामाजिक बल्कि वैचारिक है। वे इंटरनेट पर उपलब्ध कट्टरपंथी सामग्री, डार्क वेब चैट रूम, टेलीग्राम चैनलों और गहरे धार्मिक उन्माद से प्रेरित वीडियो के माध्यम से धीरे-धीरे विचलित होते हैं और फिर एक ऐसे जाल में फंस जाते हैं, जिसे वे खुद भी कभी समझ नहीं पाते। भारत में केरल, कश्मीर, दिल्ली, महाराष्ट्र और तमिलनाडु से ऐसे अनेक मामले सामने आए हैं, जहां प्रोफैशनल डिग्री वाले व्यक्ति आइएस, जैश, लश्कर या अल-कायदा के लिए काम करते हुए पकड़े गए। कुछ ने तो खुद के 'जिहादी मॉड्यूल' भी बना लिए, जिनके नाम मजहबी संदर्भों से प्रेरित थे, जैसे गजवा-ए-हिंद के नाम पर सक्रिय कई छोटे समूह। ये संगठन मजहबी मान्यताओं की मनचाही व्याख्याएं करके, उसे 'धर्मयुद्ध' का रूप देकर अत्याचार, जनसंहार और हिंसा को जायज ठहराते हैं। समय-समय पर इन पर फतवे भी जारी हुए, लेकिन कट्टरपंथियों पर उनका कोई असर नहीं पड़ा।

जिहादी आतंक कोई आत्मस्फूर्त हिंसा नहीं बल्कि एक घिनौनी विचारधारा का परिणाम है। यह विचारधारा मजहबी ग्रंथों की विकृत व्याख्याओं पर आधारित है। अब जब डॉक्टर, इंजीनियर और वैज्ञानिक भी इस विचारधारा का शिकार होने लगें तो यह स्पष्ट हो जाता है कि समस्या कहीं गहरे छिपी है। सरकार, पुलिस और एजेंसियां अकेले इस विचारधारात्मक युद्ध को नहीं जीत सकती, यह समाज की सामूहिक जिम्मेदारी है। परिवारों, शिक्षण संस्थानों, धार्मिक समूहों और सामाजिक नेतृत्व को मिलकर यह समझना होगा कि कट्टरपंथ कैसे जन्म लेता है और कैसे फैलता है। व्हाइट कॉलर टेरर की सबसे बड़ी ताकत यही है कि यह संदेह के दायरे से बाहर रहता है। समाज में सम्मानित होने के कारण डॉक्टर, इंजीनियर या आईटी विशेषज्ञ कोई हथियार लेकर नहीं घूमते। वे किसी सूची में नहीं होते। उनका कोई क्रिमिनल रिकॉर्ड नहीं होता। वे तकनीक, बैंकिंग, डिजिटल कम्युनिकेशन, एन्क्रिप्शन और साइबर सुरक्षा के विशेषज्ञ होते हैं। यही कारण है कि वे निगरानी तंत्र को चकमा देने में सफल हो जाते हैं। वे वीपीएन, क्रिप्टो ट्रांजैक्शन, डार्क वेब चैट, प्रोटॉन मेल और ऑटो-डिलीट चैट का इस्तेमाल करते हैं। वे विस्फोटकों की खरीद-फरोख्त के लिए फर्जी पहचान बनाते हैं। उनके खाते, उनके लेन-देन और उनकी यात्राएं सामान्य नागरिक जैसे दिखते हैं। यही कारण है कि एजेंसियों के लिए इनके व्यवहार का पैटर्न पहचानना ही सबसे कठिन चुनौती बन जाता है।

आज आतंकवादी संगठनों की रणनीति बदल चुकी है। वे अब जंगलों या सीमाओं पर नहीं बल्कि विश्वविद्यालयों, अस्पतालों, लैब्स और तकनीकी संस्थानों में नए सदस्य खोजते हैं। टेलीग्राम और सिग्नल पर 'भाईजान', 'शहीद', 'मुजाहिद', 'काफिरों के खिलाफ जंग' जैसे भावनात्मक शब्दों में संदेश भेजे जाते हैं। ऐसे संदेश धार्मिक, सामाजिक या न्याय के नाम पर 'कथित अन्याय' का चित्र बनाते हैं और युवा धीरे-धीरे कट्टरपंथी बन जाते हैं। यह 'ब्रेन वॉशिंग' चुपचाप होती है, किसी को पता तक नहीं चलता। डॉक्टर और इंजीनियर आखिर आतंकी क्यों बन रहे हैं और आतंकवादी कौनसे नैरेटिव से प्रेरित हैं, यह तथ्य किसी से छिपा नहीं है। हर जिहादी संगठन अपने हिंसक कृत्यों को मजहबी मान्यताओं की आड़ में सही ठहराता है। यही कारण है कि आतंक के खिलाफ होने वाले फतवों का कोई असर नहीं होता क्योंकि समस्या धार्मिक आस्थाओं की राजनीतिक और हिंसक व्याख्याओं में है। व्हाइट कॉलर आतंकी सबसे खतरनाक इसलिए हैं क्योंकि उन्हें रोकना सबसे मुश्किल है। इन पर समाज भरोसा करता है और ये विश्वास को ही हथियार बनाकर आतंक फैलाते हैं। यही कारण है कि अब भारत को सुरक्षा का एक ऐसा नया फ्रेमवर्क तैयार करना होगा, जो केवल निगरानी पर आधारित न हो बल्कि रैडिकलाइजेशन को रोकने के लिए शिक्षा, समाज और डिजिटल प्लेटफॉर्म्स में व्यापक सुधार भी करे।

बहरहाल, एजेंसियों को अब व्यवहार आधारित एआई निगरानी, डिजिटल फुटप्रिंट विश्लेषण, क्रिप्टो-ट्रैकिंग और इंटरनेशनल डेटा-शेयरिंग की दिशा में और मजबूत कदम उठाने होंगे। शिक्षण संस्थानों में साइबर-रेडिकलाइजेशन पर जागरूकता अभियान चलाने होंगे। धार्मिक नेतृत्व को कट्टरपंथी व्याख्याओं के खिलाफ स्पष्ट और ठोस संदेश देने होंगे। लाल किले का धमाका और उससे जुड़ा व्हाइट कॉलर मॉड्यूल स्पष्ट चेतावनी है कि अगली लड़ाई जंगलों या सीमा पर नहीं होगी बल्कि क्लासरूम, लैब, अस्पताल, ऑफिस और वर्चुअल दुनिया में लड़ी जाएगी। यदि हमने इस खतरे को अभी नहीं समझा तो आतंक का यह नया चेहरा उतना ही विनाशकारी होगा, जितना हमने पहले कभी नहीं देखा। ऐसे में भारत की सुरक्षा केवल हथियारों पर नहीं बल्कि समाज के नैतिक ढांचे, शिक्षण संस्थानों की जागरूकता और नागरिकों की सतर्कता पर निर्भर है।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

पंच प्रण का महत्वपूर्ण मुद्दाः साम्राज्यवादी मानसिकता से छुटकारा

हृदयनारायण दीक्षित

भारतीय स्वाधीनता को मिले आज 78 वर्ष हो गए। देश ने विकास के नए अंतरिक्ष स्पर्श किए हैं, लेकिन अंग्रेजीराज के और उसके बाद भी साम्राज्यवादी परंपराएं विद्यमान हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि अगले 20 वर्षों में गुलामी के प्रतीक समाप्त करेंगे। भारत का मन बदल रहा है। आत्मनिर्भरता बढ़ी है। संप्रभु राष्ट्र राज्य किसी दूसरे देश की सभ्यता का अनुकरण नहीं करते। साम्राज्यवादी मानसिकता से छुटकारा पाना पंच प्रण में एक महत्वपूर्ण मुद्दा है। प्रधानमंत्री ने उचित ही इस मामले को फिर से दोहराया है।

स्वाधीनता संग्राम के समय गांधीजी का जोर भी इस बात पर था। ब्रिटिश संसद में लॉर्ड मैकाले ने भी भारतीय संस्कृति को नष्ट करने वाले विचार व्यक्त किए थे। कहा था, "उच्चतर जीवन मूल्य और उत्कृष्ट क्षमताओं को देखते हुए भारतवासियों पर तब तक विजय नहीं प्राप्त हो सकती जब तक भारत की सांस्कृतिक परंपरा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती।" मैकाले जानता था कि सांस्कृतिक परंपरा में ही राष्ट्र का वैभव अंतर्निहित है। गांधीजी अंग्रेजी सत्ता के विरुद्ध आंदोलन कर रहे थे। यह आंदोलन राष्ट्रव्यापी था। राष्ट्रीय आन्दोलनकारी अंग्रेजी सरकार के साथ ही अंग्रेजी सभ्यता से भी टकरा रहे थे। गांधीजी ने मैकाले के ज्ञान को अधम बताकर सत्याग्रही आक्रामकता का मार्ग चुना था। उन्होंने "हिन्द स्वराज" में लिखा था, "मैकाले हिन्दुस्तानियों को कमजोर मानता है। वह उसकी अज्ञान दशा है।" गाँधीजी ने कहा, "हिन्दुस्तानी कभी कमजोर नहीं रहे। खेतों में हमारे किसान आज भी निर्भय होकर सोते हैं, जबकि अंग्रेज और आप वहां सोने के लिए आनाकानी करेंगे।"

भारतीय इतिहास का विरूपण किया गया। यूरोपीय विद्वानों ने इतिहास के साथ छल किया। आर्य भारत के मूल निवासी हैं। उन्हें योजनाबद्ध तरीके से विदेशी हमलावर बताया गया। कहा गया कि आर्य बाहर से आए और उन्होंने यहां की सभ्यता नष्ट कर दी। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि भारत में शक और हूण आए थे। सातवीं शताब्दी में इस्लाम आया। हमलावरों ने देश के भिन्न-भिन्न हिस्सों में लूटपाट की। उन्होंने देश पर कब्जा कर लिया, फिर यहां मुगलों का शासन हो गया। उन्होंने भारतीय संस्कृति और परंपरा के अनुसार जीवन यापन को कष्टप्रद बनाया। उसके बाद ईस्ट इंडिया कंपनी आई। कंपनी यहां व्यापार करने आई थी और सत्ताधीश हो गई। लगभग 200 साल तक ब्रिटिश सत्ता ने भारत की धन संपदा को लूटने का काम किया। उन्होंने स्कूली पाठ्यक्रम को भी विदेशी रंग में रंग दिया। साम्राज्यवादी शक्तियों का तर्क था कि वह भारत के लोगों को शिक्षित कर रहे हैं। अंग्रेजीराज का विरोध करने वाले लोगों का तर्क था कि भारत विदेशी सत्ता के अधीन ही रहता है। कभी इस्लामी शासको के रूप में और कभी अंग्रेजों के रूप में। उनकी माने तो भारत एक होटल जैसा है। यहां विदेशी आते हैं। लूटपाट करते हैं। आर्यों को हमलावर बताना भी इसी रणनीति का हिस्सा था।

अंग्रेजों द्वारा प्रचारित आर्य आक्रमण का कोई साक्ष्य इतिहास में नहीं मिलता। डॉक्टर अम्बेडकर ने भी "हू वेयर शूद्राज" में आर्यों आक्रमण की बात को गलत बताया है। उन्होंने कहा कि आर्यों का सबसे बड़ा ग्रंथ ऋग्वेद है। ऋग्वेद में कहीं भी आर्य आक्रमण नहीं मिलता। डॉ. अम्बेडकर ने भारत में बहने वाली नदियों का उल्लेख किया है। ऋग्वेद के ऋषि यहां की नदियों के गीत गाते हैं। अगर आर्य दूसरे देश से आए थे, तो उनके साहित्य में वहां की नदियों के उल्लेख क्यों नहीं है? ऋग्वेद की सबसे प्रिय दो नदियां हैं। सरस्वती और सिन्धु। सिन्धु प्रत्यक्ष हैं और सरस्वती किसी प्राकृतिक घटना के कारण विलुप्त हो गईं थीं। सरस्वती की शोध जारी है। वैदिक संस्कृति को इतिहास से बाहर करना, साम्राज्यवादी साजिश का ही हिस्सा है। इस मनोग्रंथि से शीघ्रातिशीघ्र छुटकारा पाने की आवश्यकता है।

लगभग 200 वर्ष के लंबे शासन में भारत पर अंग्रेजी सभ्यता के प्रभाव पड़ रहे थे। कुछ लोग अंग्रेजों को प्रशंसा की दृष्टि से देखते थे। कुछ लोग अंग्रेजों को भारतीय राष्ट्र निर्माण का श्रेय दे रहे थे। गांधीजी ने इस बात को गलत बताया और कहा कि भारत एक प्राचीन राष्ट्र है, पूरी अंग्रेजी सभ्यता मानवता विरोधी है। उन्होंने ब्रिटिश सभ्यता को भारत के लिए खतरनाक बताया। दरअसल, अंग्रेजों का ज्ञान उधार का है। प्राचीन रोम और यूनान यूरोप के प्रेरणास्त्रोत रहे हैं। भारत का दर्शन जब धरती आकाश नाप रहा था, तब तक अंग्रेजों की अपनी कोई दार्शनिक परंपरा विकसित नहीं हो पाई थी। आखिरकार भारत के लोग कालवाह्य सभ्यताओं के चक्कर में क्यों फंसे हुए हैं? उन्होंने लिखा, "जो रोम और ग्रीस गिर चुके हैं, उनकी किताबों से यूरोप के लोग सीखते हैं।" उन्होंने लिखा, "सभ्यता वह आचरण है, जिससे व्यक्ति अपना फर्ज अदा करता है।" भारत आदिकाल से ही सामूहिक जीवन में है, इसीलिए मनुष्य को सामाजिक प्राणी कहा जाता है। पूर्वजों ने परस्पर मेल मिलाप का आचार शास्त्र विकसित किया था। सामाजिक संगठन की मजबूती के लिए अनेक स्तर पर प्रयास करने होते हैं। भारतीय ऋषियों ने, "सबके साथ-साथ चलने, परस्पर संवाद करने और सभा समितियों के माध्यम से कर्तव्य निर्धारित करने की व्यवस्था की है।"

ऋग्वेद के आखिरी सूक्त में ऋषि कहते हैं, "हम साथ-साथ चलें-संगच्छध्वं-संवदध्वं-हम साथ-साथ वातार्लाप करें। हमारी समितियां समान हों। मन समान हों।" पूर्वज भी ऐसी ही उपासना करते रहे हैं, लेकिन ब्रिटिश सत्ता अपनी श्रेष्ठता सिद्ध करना चाहती थी। गांधी जी ने लिखा, "अंग्रेज हिंदुस्तानी बनकर रहे तो हम उनको यहां समावेश कर लेंगे।" भारत की सभ्यता की क्षति राष्ट्रवादियों के बर्दाश्त के बाहर थी। गांधीजी ने लिखा, "अंग्रेज अगर अपनी सभ्यता के साथ रहना चाहें, तो उनके लिए हिंदुस्तान में जगह नहीं है।" यह गांधीजी ने बहुत बड़ी बात कह दी है।" उन्हें अपना भारतीयकरण करना चाहिए। ईसाईकरण भारतीय सभ्यता पर खतरा है। ईसाई मिशनरियां राष्ट्रीय चरित्र बिगाड़ रही हैं। अन्य भी कई वर्ग भारत में ऐसा ही कर रहे हैं।

स्वाधीनता आन्दोलन भारतीय संस्कृति, दर्शन और सभ्यता का ही प्रतिनिधि था। ब्रिटिश सत्ता व सभ्यता से सीधा संघर्ष करने के लिए गांधीजी ने अनेक विदेशी विद्वानों का उल्लेख किया। उन्होंने "इंडियन एम्पायर" पुस्तक से तमाम उद्धरण दिए। उन्होंने मैक्समूलर के लेखन से भारतीय दर्शन की श्रेष्ठता सिद्ध करने वाले अनेक उदाहरण दिए। उन्होंने एच. एस. मेन की पुस्तकों से पाणिनि के व्याकरण और भारतीय भाषा विज्ञान की प्राचीनता वाले हिस्से उद्धरत किए। यूरोप के पास विश्व मानवता को देने के लिए कुछ नहीं था। दर्शन यूनान की उधारी है। चिकित्सा विज्ञान भारत से अरब गया था और अरब से यूरोप। एनसाइक्लोपीडिया ब्रिटानिका के अनुसार गणित के अंक भारत में खोजे गए। ऐसे अनेक उल्लेख संभव हैं। नाट्य शास्त्र का उद्भव भारत में हुआ। दुनिया का पहला अर्थशास्त्र कौटिल्य ने भारत में लिखा। प्राचीन भारत की बड़ी उपलब्धियां हैं। उन पर गर्व करना चाहिए। लेकिन साथ में यह भी देखना है कि जिस प्राचीन भारत की उपलब्धियां गौरवशाली हैं, यहां पिछले 500 वर्षों में वैज्ञानिक आविष्कार कम क्यों हुए हैं?

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

जिहाद को रोकने के लिए सभी को विचार करना होगा

अरुण कुमार दीक्षित

राष्ट्र विरोधी ताकतें पुनः सक्रिय हैं। वे शांति नहीं पसंद करती हैं। उन्हें हिंसा आनंदित करती है। वह हिंसक हैं। हमलावर हैं। रक्त पिपासु हैं। उनके हमले सदियों से जारी हैं। वह थोड़ा रुकते हैं फिर गोला-बारूद का इंतजाम करते हैं। बमों से भारत को रक्त रंजित करते हैं। निदोर्षो की हत्यायें करते हैं।

गत 11 नवम्बर को दिल्ली के ऐतिहासिक लाल किले के निकट बम धमाकों में 13 से अधिक निर्दोष नागरिक मारे गए। 32 घायल हुए। जम्मू के नौगाम में भी बम धमाके में लोगों की मौते हुई हैं।

भारत विरोधी यह कार्रवाई प्राचीन काल से जारी है। नाम बदल जाते हैं। मगर उनका लक्ष्य भारत को ₹दारुल हरब₹ बनाना है। भारत ही क्यों पूरी दुनिया में आतंकी हमलावर हैं। उनका जिहादी विचार हिंसा से ही जन्मा है और जन्म के गुणसूत्र प्रायः नष्ट नहीं होते हैं। यह हमले सिंध के रास्ते 712 ई0 से भारत पर जारी हैं। हम सब भारत के लोग प्रतिदिन शांति पाठ करते हैं। हम भोजन भी शांति पाठ से करते हैं। वे भोजन को भी हिंसा से ही शुरू करते हैं। उनकी हिंसा भारत के विरुद्ध लगातार जंग ही है। हम सहिष्णु हैं। हम शांतिवादी पहले से हैं। हम सब राष्ट्रवादी, समाजवादी, बहुजनवादी, बाद में है। वह जिहादी आतंकवादी हैं। अलग-अलग रंग के भाषा बोली के हो सकते हैं। उनका भारत के विरुद्ध धर्म जिहाद है। यह ₹दारुल हरब₹ की कार्रवाई है। वे मानते हैं इस घृणित निंदित कार्रवाई में अल्लाह उन्हें जन्नत बख्सेगा। जन्नत के सपने (ख्वाब) दिखाकर आतंकी संगठन अपना हिंसक परिवार बढ़ाते हैं। बहुसंख्यक इस पर ध्यान नही देते हैं।

गौतम बुद्ध और महावीर लगातार शांति, अहिंसा के उपदेश देते रहे। उनकी देशनायें उपयोगी हैं भी। भारत के लोगों ने उनकी शांति अहिंसा को अपनी जीवन शैली का भाग बनाया। महाभारत के बाद महाभारत जैसा युद्ध पृथ्वी पर फिर नहीं हुआ है। तब से लगातार शांति की यात्रा में भारत रहता आया है। हम शांति की अभीप्सा पैदा करते हैं। वसुधैव कुटुंब के अभिलाषी हैं। निष्कपट निश्छल, सरल तरल,सौम्य वात्सल्य से भरा समाज राष्ट्र निर्मित करने में विश्वास रखते हैं। मगर आतंकवादी अलगाववादी हमारा प्रेम रस नहीं देख पाते। उन्हें हम भारत के लोग (कुफ्र) काफिर ही दिखाई देते हैं। काफि र को लेकर उनकी जो विचारधारा है वह हत्या कर देने की ही है। वह अपनी ड्यूटी पर हैं। वह खुदा के मार्ग पर हैं कि खुदा निर्दोष लोगों के रक्त बहाने से प्रसन्न होगा। क्या कोई पैगंबर रसूल निर्दोष मनुष्यों के रक्त से प्रसन्न होता होगा अथवा होता है?

पूरी दुनिया में इस्लामिक आतंकवाद को लेकर बहस है। सैनिकों से झड़पें हैं। सैन्य अधिकारियों की हत्याएं हैं तो भी आतंकवादी समूह बढ़ रहे हैं। उनके पास गोला -बारूद बढ़ रहा है। अत्याधुनिक हथियार पहुंच रहे हैं कैसे? इसका जिम्मेदार कौन? अनेक राष्ट्रों के बीच आतंकी कार्रवाई के लिए यह बारूद कौन उपलब्ध कराता है? आतंकी भारत में अपनी योजना में कैसे सफल हो जाते हैं ? यह यक्ष प्रश्न है। उनकी योजना में भारत के निवासी शामिल है? पूर्व में भी अकाट्य रूप से प्रमाणित हो चुका है कि आतंकी हमले सांठगांठ से हुए। एक बार फिर तथ्यात्मक रूप से खुफिया एजेंसियों को प्रमाण मिले हैं कि तार कहां से जुड़े हैं। आतंकियों के विरुद्ध कार्रवाई में राजनीतिक दलों में मतभेद है। राजनीतिक दल आतंकी हमले से व्यथित नहीं दिखाई देते हैं। वह चुनाव को सर्वोपरि मानते हैं, राष्ट्र को नहीं। दलों के लिए चुनाव संजीवनी है। निर्दोष लोग बमों-गोलियों से उड़ा दिया जाते हैं। यह दलों के लिए कुछ निंदा-भर्त्सना मात्र है। एक आंकड़ा भर है। मगर उन परिवारों को जिनके बच्चे बिलख रहे हैं। माताएं फफक रही हैं। कई अनाथ हैं, कई के परिवार नहीं बचे हैं। कई के शवों के टुकड़े खोजने पड़ते हैं। यह राजनीतिक संवेदन शून्य लोग केवल राजनीति में जुटे रहते हैं।

जिहाद के विरुद्ध राजनीतिक दल एकजुट होकर काम करें मगर यह नहीं हो रहा है। प्रत्येक व्यक्ति को यह समझना होगा आतंकवाद के प्रमुख कारण क्या है? आतंकवादी कहां से आते हैं? आतंकवादियों का संरक्षक कौन है? घटना के बाद आतंकवादी कहां छिपते हैं? उनके मददगार कौन है? आतंकी घटनाओं के बाद राजनीतिक दलों के नेताओं के टीवी और अखबारों में वक्तव्य होते हैं। आतंकवादियों पर कार्रवाई के समय वही दल उनके पक्ष में दिखते हैं। ऐसे दलों पर शिकंजा होना चाहिए। कुछ विपक्षी दलों द्वारा अनेक आतंकी घटनाओं को भगवा आतंकवाद की करतूत कुछ वर्ष पहले बताया गया था। यह भ्रमित और छद्म कार्रवाई का एजेंडा है। जिहाद के स्वरूप को समझना होगा। आखिर जिहाद के एजेंडे को राजनीतिक दल समझ क्यों नहीं रहे हैं। जिहाद के सूक्ष्म तत्व और उसके सूत्रों का अभी तक क्या अध्ययन करना शेष है? जबकि दारूल इस्लाम बनाना उनके लक्ष्य है। दारूल इस्लाम अर्थात इस्लामी शासन व्यवस्था लागू करना। दारुल हरब यानी जहां पर काफिरों का शासन हो।

भारत की राजनीति भारतीय संस्कृति के अनुसार ही होनी चाहिए। राजनीतिक दलों को यह अधिकार देना कि वे राष्ट्रद्रोह को भारत को खंड-खंड करने वालों के साथ आसानी से खड़े रह सकते हैं कदापि उचित नहीं है। अगर ऐसा हो रहा है तो इसको लेकर पहले प्रबुद्ध जन सहित सभी जिहाद को ठीक से समझें। अभी तो यही है कि बम फेंका गया कुछ लोग मर गए। संचार माध्यमों से सरकारी पार्टी और प्रतिपक्षियों के बयान आ गए। सबने समाचार पत्र पढ़ लिए। दो-तीन दिन चर्चा हुई बात खत्म हुई।

सूडोकु नवताल- 7622

सरल

2	9			5				4
4			2		7		8	
	1	6		8				3
8		5		9				7
3	6			2			1	9
1				3		5		2
5				7		6	3	
	3		1		8			5
9				6			2	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

सूडोकु नवताल -7621 का हल

7	8	1	6	9	4	2	5	3
2	6	4	5	3	8	1	7	9
5	3	9	1	2	7	4	6	8
9	5	8	7	4	1	3	2	6
1	2	3	9	5	6	7	8	4
4	7	6	3	8	2	9	1	5
3	9	7	2	6	5	8	4	1
6	4	2	8	1	9	5	3	7
8	1	5	4	7	3	6	9	2

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं।
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें।
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।
- पहेली का केवल एक ही हल है।

एक नजर

रामगढ़ कॉलेज में होगी वॉलीबॉल प्रतियोगिता, तैयारी पूरी

रामगढ़ : रामगढ़ कॉलेज में विनोबा भावे विश्वविद्यालय स्तरीय अंतर महाविद्यालय वॉलीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन 24 और 25 नवंबर को होगा। प्रतियोगिता के आयोजन की तैयारी के लिए शनिवार को बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ रत्ना पांडे ने किया। डॉ रत्ना पांडेय ने कहा कि शिक्षा के साथ खेल कूद पर भी ध्यान देना चाहिए। खेल कूद से शारीरिक और मानसिक स्वास्थ्य का विकास होता है। प्रतियोगिता आयोजन से खिलाड़ियों में प्रतिस्पर्धा की भावना बढ़ती है । खिलाड़ियों को अपने कौशल का प्रदर्शन करने का अवसर मिलता है। उन्होंने वॉलीबॉल प्रतियोगिता को सफल आयोजन को लेकर उप समिति बनाई और सदस्यों को अलग-अलग कार्य की जिम्मेदारी सौंपी गई है। बैठक में सभी शिक्षक और शिक्षकेत्तर कर्मचारी उपस्थित थे।

रामगढ़ सब डिवीजन का मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बने रविशंकर राय

रामगढ़ : रामगढ़ प्रधान डाकघर में कार्यरत सहायक पोस्टमास्टर रविशंकर राय को रामगढ़ सब डिवीजन का मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बनाया है। रविशंकर राय की कार्य कुशलता, व्यवहार और डाक विभाग की सेवाएं को जन जन तक पहुंचाने में महत्वपूर्ण योगदान देने के लिए डाक अधीक्षक हजारीबाग आशुतोष कुमार सिन्हा ने उन्हें मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बनाया है। मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव रविशंकर ने डाक अधीक्षक को धन्यवाद देते हुए कहा कि डाक अधीक्षक हजारीबाग आशुतोष कुमार सिन्हा के मार्गदर्शन और हजारीबाग के प्रत्येक कर्मचारी के सहयोग से हजारीबाग डिवीजन देश में प्रथम स्थान प्राप्त कर गौरान्वित हुआ है। जिस विश्वास के साथ डाक अधीक्षक ने उन्हें मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव बनाया है। मैं अपने डाक विभाग की सभी सेवाओं को जन-जन तक पहुंचाने में पूर्ण सहयोग करूंगा।

देशव्यापी प्रदर्शन को लेकर एक्टू ने निकाला जुलूस

रामगढ़ : देशव्यापी प्रदर्शन के तहत रामगढ़ में शनिवार को एक्टू के बैनर तले जुलूस निकाला गया। पार्टी कार्यालय से शुरू हुई रैली सुभाष चौक पर खत्म हुई। इस दौरान वक्ताओं ने सरकार को मजदूर विरोधी बताया। एक्टू के राज्य अध्यक्ष बैजनाथ मिस्त्री ने कहा कि श्रम कोड बिल 2020 में संसद में पूरे विपक्ष के बगैर पास किया गया था। इसे अब पूरी तरह लागू कर दिया गया। उन्होंने कहा कि यह काला कानून मेहनतकश मजदूरों के साथ धोखा किया गया है। लगातार मजदूरों के द्वारा कड़े विरोध के बावजूद बिहार चुनाव में जीत से उत्साहित केंद्र सरकार ने चार श्रम कोड को प्रभावी बनाने के लिए खुद को अत्यधिक सशक्त महसूस किया है। उन्होंने कहा कि देश भर के दस केन्द्रीय ट्रेड यूनियनों की ओर से आगामी 26 नवंबर को फिर से देशव्यापी प्रदर्शन में मजदूरों को सड़क पर उतरने का आह्वान किया। मौके पर एक्टू के राज्य उपाध्यक्ष अमल घोषाल ने सरकार के इस कदम को सबसे अलोकतांत्रिक, मजदूर विरोधी और मालिक परस्त बताते हुए एकजुट होकर प्रतिरोध के साथ सड़क पर उतरने का ऐलान किया। जुलूस में भुनेश्वर बेदिया, ऐक्टू के जिलाध्यक्ष महादेव मांझी, दिनेश गोप, रसका हेम्ब्रम, बिजेंद्र प्रसाद, दुग्गी कुमारी, राशो सिंह, चेतलाल मांझी, धनेश महली, महादेव राम, लाल कुमार बेदिया, भीम प्रजापति, जगदीश बेदिया, रूपलाल बेदिया, सावित्री कुमारी, शावली कुमारी, शिवांगी कुमारी, सलोनी कुमारी, अनु कुमारी, रौशनी कुमारी सहित अन्य मजदूर शामिल थे।

सरकार द्वारा चलाये जा रहे योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पंहुचाना हमारा लक्ष्य : अनिल कंडुलना

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : शनिवार को ठेठाईटांगर प्रखण्ड के टुकुपानी पंचायत में मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन जी की आगुवई में आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए झामुमो जिला अध्यक्ष अनिल कन्डुलना ने कहा झारखंड सरकार, झारखंड के अमर वीर शहीद और महान क्रांतिकारी के सपने को साकार करने वाले राज्य को विकास की ओर ले जाने का काम कर रही है। झारखंड के विकास में, यहाँ के गरीब गुरूबा और शोषित आदिवासियों को ध्यान में रखा गया है। यहाँ के मूल निवासियों के हक अधिकारों का सम्मान किया जा रहा है। झारखंड को विकसित राज्य के समकक्ष ले जाने के क्रम में यहाँ के गाँव, जल, जंगल, जमीन और संस्कृति पर भी ध्यान दिया जा रहा है। राज्य और राज्यवासियों के विकास के लिए अनेक लोक कल्याणकारी योजनाएं शुरू की गई हैं। शिविरों के माध्यम से लोगों को अबुआ आवास दिया जा रहा है, बहूचर्चित झारखण्ड मुख्यमंत्री माइयाँ सम्मान योजना, गुरूजी क्रेडिट कार्ड, बिरसा हरित ग्राम, मुख्यमंत्री रोजगार सृजन, साबित्री बाई फुले किशोरी समृद्धि, मुख्यमंत्री पशुधन, सर्वजन पेंशन एवं अबुआ वीर अबुआ दिशोम जैसी योजना के लाभ के साथ-साथ विभिन्न प्रकार के प्रमाण पत्र दिए जा रहे हैं। इस बहूचर्चित कार्यक्रम और अभियान के तहत लगने वाले शिविरों में मिलने वाले एक-एक आवेदन रजिस्टर्ड किए जाएंगे और संबंधित आवेदकों को उनके मोबाइल नंबर पर मैसेज देकर इसकी जानकारी दी जाएगी। इसके अलावा आवेदनों पर होनेवाली कार्रवाई की भी जानकारी दी जाएगी। हर आवेदन पर कार्रवाई होगी और आवेदक की समस्याओं का निराकरण होगा। इस शिविर में जाति तथा आवासीय प्रमाण पत्र सहित अन्य आवश्यक सभी प्रमाण पत्र बनाने की भी प्रक्रिया पुरी की जाएगी। वर्तमान सरकार में राज्य के आदिवासी, दलित अल्पसंख्यक विद्यार्थियों के विदेश में उच्च शिक्षा प्राप्त करने का सपना साकार हो रहा है। सरकार इन विद्यार्थियों को विदेशों में उच्च शिक्षा के लिए शत प्रतिशत स्कॉलरशिप दे रही है। दूसरी तरफ गुरुजी स्टूडेंट्स क्रेडिट कार्ड के माध्यम से यहां के जरूरतमंद विद्यार्थियों को मेडिकल, इंजीनियरिंग और लॉ जैसे कोर्स करने के लिए मदद देने का काम कर रही है। इसके अलावा बच्चों को गुणवत्तायुक्त शिक्षा देने के लिए स्कूल आफ एक्सीलेंस खोले गए हैं। तमाम सरकारी विद्यालयों को संसाधन उपलब्ध कराया जा रहा है। इस अवसर पर झामुमो जिला उपाध्यक्ष रितेश बड़ाइक, जिला कोषाध्यक्ष राजेश टोप्पो, सुमराय बा, नगर उपाध्यक्ष बीरबल महतो, बालकरण इंदवार, अरुण केरकेट्टा, प्रखंड और पंचायत के झामुमो पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहें और हजारों की संख्या में पंचायत के ग्रामीण उपस्थित थें और योजनाओं का लाभ भी लिए।

शिविर में लाई गई योजनाएं सिर्फ कागजी नहीं, जीवन में बदलाव लाने वाला भरोसा है : जोसिमा खाखा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : सेवा का अधिकार सप्ताह के तहत पाकरटांड पंचायत में आयोजित आपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार कार्यक्रम में जिप सदस्य सह कांग्रेस महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष जोसिमा खाखा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुईं। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। मौके पर बड़ी संख्या में ग्रामीण पहुंचे और विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों से अपनी समस्याओं का समाधान कराया। मुख्य अतिथि जोसिमा खाखा ने अपने संबोधन में कहा कि वे यहाँ मुख्य अतिथि बनकर नहीं, लोगों की बेटी, बहन और जनप्रतिनिधि बनकर उपस्थित हुई हैं। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की सरकार सचमुच जनता के घर-घर तक पहुँचने का काम कर रही है। पहले लोगों को चक्कर काटने पड़ते थे। फॉर्म अटक जाता था, फाइलें धूल खाती रहती थीं और गरीब निराश होकर लौट जाता था। लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और विधायक भूषण बाड़ा की सोच से सरकार खुद ग्रामीणों के दरवाजे तक पहुँच रही है। उन्होंने कहा कि शिविर में लाई गई योजनाएँ सिर्फ कागजी नहीं, जीवन में बदलाव लाने वाला भरोसा हैं। कृषि आशीर्वाद योजना, सिंचाई एवं कृषि उपकरण पर सब्सिडी, फसल बीमा, किसान पंजीकरण जैसी सुविधाएँ शिविर में ही उपलब्ध कराई जा रही हैं। पेंशन स्वीकृति की प्रक्रिया भी अब यहीं पूरी की जा रही है। युवाओं के लिए मुख्यमंत्री रोजगार सृजन योजना, कौशल प्रशिक्षण, स्टार्टअप और बिजनेस लोन जैसी सुविधाएँ भी उपलब्ध कराई जा रही हैं। जोसिमा ने कहा कि आज हर विभाग राशन, पेंशन, प्रमाण पत्र, आवास, आयुष्मान, बिजली, पानी एक ही छत के नीचे मौजूद है। यही असली लोकतंत्र है जहाँ जनता मालिक और सरकार सेवक है। उन्होंने कहा कि जब महिलाएँ मजबूत होंगी तभी समाज मजबूत होगा। आज महिलाएँ न सिर्फ योजनाओं का लाभ ले रही हैं बल्कि मंच और नेतृत्व में भी आगे बढ़ रही हैं। कार्यक्रम में प्रखंड अध्यक्ष अजीत लकड़ा, भूषण राम, बिहारी साहू, मुखिया दामोदर बिंझिया, उर्मिला केरकेट्टा, प्रतिमा कुजुर, जूली लुगून, सूचिता तिर्की, मार्था मधु सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित थे।

विशेष समुदाय के लोगों ने हिन्दू टाइगर फोर्स के सदस्य को बनाया बंधक

रामगढ़ : जिले में एक विशेष समुदाय के लोगों ने शनिवार को हिंदू टाइगर फोर्स के सदस्य मनीष पासवान को सिरका बुध बाजार में बंधक बना लिया। इस घटना की जानकारी जब पुलिस को मिली तो सब इंस्पेक्टर चंद्रशेखर पिंगुवा ने मौके पर पहुंचकर टाइगर फोर्स के सदस्य मनीष पासवान को सिरका के बुध बाजार से भीड के चंगुल से छुडाया। इस मामले में मनीष पासवान ने थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई है। घटना के अनुसार रामगढ़ के दुसाध मुहल्ला निवासी मनीष पासवान 21 नवंबर को हिंदूवादी नेता दीपक सिसोदिया सिरका के भूली क्वार्टर में एक कार्यक्रम शामिल हुए थे। घर लौटने के दौरान मेन रोड से सिरका, बुधबाजार के पास विशेष समुदाय के लोगों ने मनीष को रोक लिया और बंधक बना लिया। बंधक बनाने के बाद हिन्दू नेता दीपक सिसोदिया को बुलाने की मांग करने लगे। इसी दौरान भीड ने मनीष को डराने के लिए दो बार हवाई फायरिंग भी की और उनके साथ मारपीट भी की।

शिक्षा और संस्कार जीवन का मूल मंत्र है : प्रियंका कुमारी

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़: शनिवार को राधा गोविन्द विश्वविद्यालय के शिक्षा विभाग में सत्र 2025 -27 के नव प्रवेशित छात्रों के स्वागत के लिए इंडक्शन प्रोग्राम का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम विश्वविद्यालय के सेमिनार हॉल में हुआ। कार्यक्रम के उद्घाटन विश्वविद्यालय के सचिव प्रियंका कुमारी, कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि, कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल, वित्त एवं लेखा पदाधिकारी डॉ संजय कुमार, परीक्षा नियंत्रक प्रो (डॉ) अशोक कुमार, प्रबंध समिति सदस्य अजय कुमार एवं शिक्षा विभाग के सभी के शिक्षकों ने सामूहिक रूप से दीप प्रज्वलित कर किया गया।उसके बाद विश्वविद्यालय के संस्थापक स्व गोविंद साह एवं स्व राधा देवी के चित्रों पर माल्यार्पण कर नमन किया गया। सभी नव प्रवेशित छात्र-छात्राओं को स्वागत किया गया। विश्वविद्यालय के कुलाधिपति बी एन साह ने शिक्षा के महत्व को बताते हुए कहा कि शिक्षा का उद्देश्य तथ्यों को सीखना नहीं होता बल्कि शिक्षा का मुख्य उद्देश्य दिमाग को प्रशिक्षित करना होता है। सचिव प्रियंका कुमारी ने कहा कि शिक्षा और संस्कार जीवन का मूल मंत्र है। शिक्षा कभी आपको झुकना नहीं देगी और संस्कार कभी आपको गिरने नहीं देगी। कुलपति प्रो (डॉ) रश्मि ने अपने संबोधन में कहा कि जो आपने सीखा है उसे भूल जाने के बाद जो रह जाता है वह शिक्षा है। व्यक्तित्व विकास से सर्वांगीण विकास होता है। कुलसचिव प्रो (डॉ) निर्मल कुमार मंडल ने कहा कि समय और शिक्षा का सही उपयोग ही व्यक्ति को सफल बनाता है। शिक्षा विभाग के सभी शिक्षकों ने अपना परिचय सभी छात्रों के बीच रखा।

जनजातीय गौरव दिवस पर निकाली गई भव्य शोभायात्रा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

सिमडेगा : वनवासी कल्याण केंद्र की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति झारखंड द्वारा संचालित विवेकानंद शिशु/विद्या मंदिर उच्च विद्यालय, लचरागढ़ में जनजातीय गौरव दिवस बड़े ही हर्षोल्लास एवं धूमधाम से मनाया गया।कार्यक्रम की शुरूआत प्रातःकाल विद्यालय परिसर से भव्य शोभायात्रा के साथ हुई, जो प्रिंस चौक पहुंचकर पुनः विद्यालय में आकर एक गरिमामय सभा के साथ संपन्न हुई। पूरे मार्ग में जनजाति वेशभूषा में भैया- बहने नाचते-गाते, हर्षित होकर झूमते नजर आए और जनजातीय अस्मिता की अद्भुत छटा प्रस्तुत करते रहे थे।इस शोभायात्रा का नेतृत्व प्रांत जनजाति हितरक्षा प्रमुख श्री राजेन्द्र बड़ाईक, वनवासी कल्याण केंद्र झारखंड ने किया। उनके मार्गदर्शन में कार्यक्रम और भी प्रेरणादायी एवं अनुशासित रूप में सम्पन्न हुआ। शोभायात्रा में भैया और बहने जनजातीय महापुरुषों और नायकों की वेशभूषा में सुसज्जित थे, जिनमें प्रमुख रूप से भगवान बिरसा मुंडा, तिलका मांझी, वीर बुद्ध भगत, जतरा टाना भगत, तेलंगा खड़िया, नीलाम्बर-पीताम्बर, फूलो-झानो, सिनगी दई कैली दई आदि की झांकी आकर्षण का केंद्र रहा। इस दौरान उत्साह अपनी चरम सीमा पर था।भारत माता की जय! भगवान बिरसा मुंडा की जय! फूलो-झानो की जय! नीलाम्बर-पीताम्बर की जय! तिलका मांझी की जय! वीर बुद्ध भगत की जय, तेलंगा खड़िया की जय, जैसे गगनभेदी नारों से पूरा वातावरण गूंज उठा, जिससे जनजातीय स्वाभिमान और भी प्रखर रूप से उभरकर सामने आया।

सेवा अधिकार सप्ताह के तहत विभिन्न पंचायतों, नगर परिषद व छावनी वार्डों में शिविर का हुआ आयोजन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

रामगढ़ : राज्य सरकार ने पूर्व निर्धारित आपकी योजना-आपकी सरकार, आपके द्वार सेवा का अधिकार सप्ताह के रूप में 21 से 28 नवम्बर 2025 तक मनाये जाने का निर्णय लिया है। इसी क्रम में शिविर के दूसरे दिन शनिवार को रामगढ़ जिले के 21 स्थलों पर शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में लोगों ने हिस्सा लिया। इस दौरान उप विकास आयुक्त आशीष अग्रवाल ने पतरातू प्रखंड का दौरा कर डूडगी सहित अन्य पंचायत में आयोजित शिविर का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने शिविर के दौरान विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉल का निरीक्षण कर स्टॉल के माध्यम से आम जनों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लिया। शिविर में उपस्थित सभी आम जनों को संबोधित करते हुए उप विकास आयुक्त ने सभी से बढ़-चढ़कर शिविर में हिस्सा लेने एवं सरकार की योजनाओं से लाभान्वित होने की अपील की। साथ ही उन्होंने शिविर के दौरान विभिन्न योजनाओं के लाभुकों को योजना का लाभ व प्रमाण पत्रों का वितरण किया। इसके अलावा शिविरों के लिए जिला स्तर से प्रतिनियुक्त वरीय अधिकारियों, नोडल अधिकारियों सहित प्रखंड विकास पदाधिकारियों एवं अंचल अधिकारियों के द्वारा सरकार के विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ एवं परीसंपत्तियों का वितरण लाभुकों के बीच किया गया। शिवर के दौरान झारखंड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 को प्राथमिकता देते हुए लोगों से आवेदन लिए गए। इस कार्यक्रम अन्तर्गत पंचायत स्तर पर शिविरों का आयोजन कर झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध राज्य सरकार के विभिन्न सेवाओं का अधिकाधिक लाभ शिविर में ही आमजनों को समयबद्ध रूप में उपलब्ध कराने हेतु आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। साथ ही इन शिविरों में सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं की जानकारी भी आम-जन तक पहुँचाने हेतु विशेष व्यवस्था की गयी है। इसके अलावा इस कार्यक्रम अन्तर्गत जिले की सभी पंचायतों में एक शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इन शिविरों में निम्नांकित गतिविधियों का सम्पादन किया जाएगा
शिविर में आवेदनों की प्राप्ति, आम जनों से झारखण्ड राज्य सेवा देने की गारंटी अधिनियम, 2011 में सूचीबद्ध सेवाओं एवं तत्सम्बंधी समस्याओं से सम्बन्धित आवेदन प्राप्त किया जाएगा एवं आवेदनों का त्वरित निष्पादन किया जाएगा। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत निम्नलिखित मुख्य सेवा प्रक्षेत्र (सर्विस फोकस एरिया) के अन्तर्गत आवेदन पत्र प्राथमिकता के आधार पर प्राप्त किये जायेंगे।

संक्षिप्त खबरें

ई-फाइलिंग पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का हुआ आयोजन

रामगढ़ : रामगढ़ व्यवहार न्यायालय में शनिवार को न्यायिक प्रक्रिया को सरल एवम पारदर्शी बनाने के उद्देश्य से अधिवक्ता/अधिवक्ता क्लर्क हेतु एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन हुआ। इस कार्यक्रम की शुरूआत प्रधान जिला एवम सत्र न्यायाधीश मो0 तौफीकुल हसन के साथ रामगढ़ जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल एवम सचिव ने दीप प्रज्वलित कर किया। इस कार्यक्रम में पहुंचे जिला अधिवक्ता संघ के अध्यक्ष आनंद अग्रवाल ने बताया कि हाई कोर्ट के निर्देश पर तीन सत्र में यह कार्यक्रम का आयोजन हुआ इसमें ई फाइलिंग के बारे में बताया गया ताकि आगे न्यायिक प्रक्रिया में बाधा उत्पन्न ना हो। मौके पर प्रशिक्षण दे रहे एक अधिवक्ता रोहित प्रकाश ने बताया कि माननीय उच्च न्यायालय के निर्देश पर यह कार्यक्रम सभी जिलों में चलाया जा रहा है कि अधिवक्ता एवं अधिवक्ता लिपिक को ई-फाइलिंग के बारे में जानकारी मिल सके।

बच्चों में संस्कार से ही आती है राष्ट्रभक्ति : सुभाष चंद्र दुबे

सिमडेगा : वनवासी कल्याण केंद्र झारखण्ड की शैक्षिक इकाई श्रीहरि वनवासी विकास समिति झारखण्ड द्वारा संचालित सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में आयोजित किया गया जनजाति गौरव दिवस के उपलक्ष्य में कार्यक्रम। सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में जनजाति गौरव दिवस धूमधाम एवं गरिमामय वातावरण में मनाया गया। कार्यक्रम की शुरूआत सरस्वती माता ओउम्, भारत माता भगवान बिरसा मुण्डा तथा विभिन्न जनजातीय महानायकों की भव्य तस्वीर के समक्ष दीप प्रज्वलन सह पुष्पार्चन के साथ हुई। विद्यालय परिसर राष्ट्रभक्ति और जनजातीय गौरव की भावना से ओतप्रोत दिखाई दे रहा था। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रांत शिक्षा प्रमुख सुभाषचंद्र दुबे जी तथा वनवासी कल्याण केंद्र जिला समिति के अध्यक्ष हरिश्चंद्र भगत जी, तथा सचिव अरूण सिंह जी, शिक्षाविद साधु मलुवा जी, संकुल प्रमुख संतोष दास जी थे, जिनका विद्यालय परिवार ने गर्मजोशी से स्वागत किया। स्वागत गीत की मनमोहक प्रस्तुति ने सभी उपस्थित जनों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात विद्यालय के भैया-बहनों द्वारा प्रस्तुत आकर्षक नृत्य ने जनजातीय संस्कृति की समृद्ध परंपराओं को जीवंत कर दिया। कार्यक्रम के अवसर पर रूप सज्जा के तहत रानी दुर्गावती, महारानी लक्ष्मी बाई, भगवान बिरसा मुण्डा, सिद्ध कान्हु, तेलंगा खड़िया जैसे विभिन्न जननायकों के रूप धर में उपस्थित लोगों को मंत्र मुग्ध कर दिया। विद्यालय के विभिन्न भैया-बहनों ने नागपुरी, मुण्डारी, खड़िया, आदि क्षेत्रीय भाषा में जनजातीय गौरव दिवस के विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। मुख्य अतिथि प्रांत शिक्षा प्रमुख श्रीमान सुभाष चंद्र दुबे जी ने अपने संबोधन में जनजातीय समाज के योगदान, देश की सांस्कृतिक विविधता में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका तथा नई पीढ़ी को अपनी जड़ों से जुड़े रहने की प्रेरणा पर प्रकाश डाला। इसके अतिरिक्त मंच आसीन अतिथि साधु मलुवा जी, हरिश्चंद्र भगत जी, संतोष दास जी ने उपस्थित भैया बहनों को संबोधित किया। कार्यक्रम के अंत में विद्यालय के प्रधानाचार्य जितेंद्र कुमार पाठक जी ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत करते हुए प्रांतीय शिक्षा प्रमुख सभी अतिथियों, आचार्य परिवार, भैया-बहनों तथा अभिभावकों का हृदय से आभार व्यक्त किया। अपने वक्तव्य में उन्होंने भारत के स्वतंत्रता संग्राम में जनजातियों के योगदान के विषय पर जानकारी देकर भैया-बहनों को उनके बताए मार्ग पर चलने को कहा। इस प्रकार सरस्वती शिशु विद्या मंदिर सलडेगा में जनजाति गौरव दिवस का आयोजन सफलतापूर्वक संपन्न हुआ, जिसने सभी के मन में गर्व, उत्साह और सांस्कृतिक समृद्धि का भाव जागृत किया।

केरसई में सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर का हुआ सफल आयोजन

सिमडेगा : जिले में चल रहे महत्वाकांक्षी कार्यक्रम आपकी योजना आपकी सरकार आपके द्वार के तहत शनिवार को प्रखंड क्षेत्र के केरसई पंचायत में सेवा का अधिकार सप्ताह शिविर का सफल आयोजन किया गया। पंचायत में लगे इस शिविर में ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक हिस्सा लिया और बड़ी संख्या में विभिन्न सरकारी योजनाओं का लाभ उठाया। शिविरों में ग्रामीणों को सरकारी योजनाओं का सीधा लाभ पहुंचाने पर जोर दिया गया। यहां मईयां सम्मान योजना, अबुआ आवास, आय, जाति, आवासीय प्रमाण पत्र, पेंशन, राशन कार्ड, मनरेगा, श्रम विभाग और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं समेत कई महत्वपूर्ण योजनाओं से संबंधित आवेदन मौके पर ही स्वीकार किए गए। इसके अलावा, ग्रामीणों ने अपनी समस्याएं भी प्रशासन के समक्ष रखीं, जिनका समाधान शिविर स्थल पर ही करने का प्रयास किया गया। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ऐसे शिविरों से उन्हें योजनाओं तक पहुंचने में काफी सुविधा मिल रही है। शिविर को सफल बनाने में प्रशासन के साथ-साथ सांसद प्रतिनिधि, विधायक प्रतिनिधि, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष एवं कार्यकताओं ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यकताओं ने लोगों को सरकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी और आवेदन प्रक्रिया में उनकी सहायता की। मौके पर उपस्थित प्रतिनिधियों व अधिकारियों ने कन्यादान योजना, जरूरतमंदो व वृद्धों को कंबल भी प्रदान किया। शिविर में उपस्थित अधिकारियों ने बताया कि 21 से 28 नवंबर तक पंचायतों में इसी प्रकार दिन वार शिविर आयोजित किए जा रहे हैं, ताकि लोगों को आवश्यक सेवाएँ उनके घर द्वार पर ही उपलब्ध कराई जा सकें। कार्यक्रम में प्रशासन और राजनीतिक दल के कई प्रमुख पदाधिकारी और कार्यकर्ता मौजूद रहे, जिनमें मुख्य रूप से शामिल थे जिला अपर समाहर्ता अरुणा कुमारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी ज्ञानमनी एक्का, अंचलाधिकारी देवकांत सिंह,मुखिया श्रीमती फाबियोला खेस्स, कांग्रेस मंडल अध्यक्ष मनोज कुमार, सांसद प्रतिनिधि मुंस खेस्स, विधायक प्रतिनिधि सुरेंद्र कुमार, सहित सभी विभागों के पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

एक नजर

बाइक सवार ने साइकिल सवार को मारी टक्कर, घायल

साहिबगंज : बोरियो-बोआरीजोर मुख्य पथ के दनवार मौजा के शिबू सोरेन डिग्री कॉलेज के पास शनिवार की अहले सुबह एक बाईक सवार ने साईकिल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। जिससे साईकिल सवार बुरी तरह घायल हो गया। मिली जानकारी के अनुसार मोतीपहाड़ी से कोयला लेकर साइकिल से हरिनंदन साह (60) बोरियो की ओर आ रहा था। पीछे से बोरियो बेल टोला के पास एक बाईक सवार भी पीछे से आ रहा था। बाईक सवार ने साईकल सवार को पीछे से टक्कर मार दी। घायल अवस्था में हरिनंदन साह को बोरियो सीएचसी लाया गया। मौके पर उपस्थित चिकित्सक ने प्राथमिक उपचार किया। हरिनंदन के सीने में चोट की जानकारी दी। चिकित्सक गंभीर स्थिति को देखते हुए बेहतर इलाज के लिए हरिनंदन को हाई सेंटर रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना पुलिस को दे दी गई थी, पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

जंगली हाथी ने ग्रामीण को कुचला, मौत

गिरिडीह : पिछले एक पखवारे से जिले के विभिन्न क्षेत्रों में लगातार जंगली हाथियों का तांडव जारी है। शनिवार को जिले के देवरी थाना क्षेत्र में जंगली हाथी ने एक व्यक्ति को कुचल कर मार डाला। मिली जानकारी के अनुसार मृतक की पहचान देवरी थाना इलाके स्थित सियाटांड के बाघेडीह गांव निवासी जागो महतो (40)के रुप में हुई है। बताया गया कि मृतक घर के बाहर अकेले घूमते हुए खेत की तरफ जा रहा था तभी अचानक अपने झुंड से बिछड़ा एक हाथी सामने आ गया और मृतक कुछ समझ पाता इससे पहले ही उस पर टूट पड़ा और अपने पांव से उसे कुचल दिया। इससे व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई । इस घटना के बाद आक्रोशित ग्रामीणों ने सड़क जाम कर दिया और वन प्रमंडल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। ग्रामीणों ने मृतक के शव को सड़क पर रखकर घटों जाम कर दिया। इससे सड़क के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और मुआवजा मिलने के बाद ही लोगों ने जाम हटाया।ग्रामीणों ने बताया कि देवरी में पिछले कई दिनों से जंगली हाथियों का झुंड भटक रहा है और इसकी जानकारी वन विभाग को भी दी गई है, लेकिन विभाग की तरफ से कोई कार्रवाई नहीं की जा रही है।

रांची में अग्रसेन हितकारिणी सभा ने छात्राओं के बीच बांटे स्वेटर

रांची : झारखंड की राजधानी रांची और उसके आसपास के इलाकों में बढ़ती ठंड को देखते हुए अग्रसेन हितकारिणी सभा की ओर से शनिवार को अपर बाजार स्थित शिवनारायण कन्या पाठशाला में कक्षा पहली से चौथी तक की छात्राओं के बीच स्वेटर का वितरण किया गया। अग्रसेन हितकारिणी सभा की सचिव एडवोकेट मनीषा रानी ने इस अवसर पर बताया कि विद्यालय में पढ़ने वाली अधिकांश छात्राओं के माता-पिता दिहाड़ी मजदूर या घरेलू कामगार हैं। कुछ बच्चियां स्वयं भी घरों में काम कर अपनी पढ़ाई जारी रखती हैं। ऐसे में उनके लिए यह छोटा-सा प्रयास महत्वपूर्ण है। उन्होंने बताया कि स्वेटर वितरण की इसी श्रृंखला के तहत 27 नवंबर, गुरुवार को लोहरदगा के पास ओपा गांव के दो स्कूलों में 300 स्वेटर और टोपियां वितरित की जाएंगी। विद्यालय के सचिव वेदप्रकाश बागला और सह सचिव विजय सरायका ने इस नेक कार्य के लिए सभा का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सभा के संरक्षक श्याम किशोर प्रसाद, प्रभाकर अग्रवाल, पूर्व अध्यक्ष बिनोद कुमार, सत्यम जैन, प्रधानाचार्या मीना ओझा, रानी नाश्ता, अनीता बघेल, सीमा सिन्हा सहित सभी शिक्षिकाएं उपस्थित रहीं।

"आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" कार्यक्रम के अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह का हुआ शुभारंभ

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिले में 28 नवंबर तक चलने वाले सेवा का अधिकार सप्ताह का दूसरे दिन विभिन्न पंचायत में आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन जिला प्रशासन द्वारा "आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार" अभियान के तहत विभिन्न प्रखंडों, पंचायतों एवं नगर क्षेत्र के वार्डों में किया जा रहा है। आयोजित शिविरों में निम्नलिखित स्थानों पर सेवाओं का व्यापक रूप से लाभ दिया गया बरहेट प्रखंडः हिरणपुर, तलबड़िया, सिमलढाब पंचायत, बोरियो प्रखंडः दुर्गा टोला, खैरवा पंचायत, पतना प्रखंडः केंदुआ, अर्जुनपुर पंचायत, मंडरो प्रखंडः बसहा पंचायत, बरहरवा प्रखंडः हरिहरा, सतगाछी, बरारी पंचायत,

राजमहल प्रखंडः खुटहरी, दाहु टोला, तेतुलिया पंचायत, तालझारी प्रखंडः भतभंगा संथाली, कल्याणी पंचायत, उधवा प्रखंडः पतौडा, श्रीधर दियारा, आतापुर पंचायत,शिविर में प्रदत्त प्रमुख सेवाएं। कार्यक्रम के तहत बड़ी संख्या में आमजन पहुंचे और विभिन्न सेवाओं के लिए आवेदन किया। इनमें मुख्य रूप से जाति प्रमाण पत्र, आवासीय प्रमाण पत्र, आय प्रमाण पत्र, जन्म एवं मृत्यु प्रमाण पत्र, नया राशन कार्ड आवेदन, दाखिल-खारिज एवं भूमि संबंधी वादों से संबंधित आवेदन, भूमि धारण प्रमाण पत्र, भूमि की मापी से संबंधित आवेदन, सामाजिक सुरक्षा पेंशन योजनाओं हेतु आवेदन, अन्य विभिन्न सरकारी योजनाओं से संबंधित आवेदन।शिविर के दौरान पात्र लाभुकों को विभिन्न सरकारी योजनाओं के अंतर्गत परिसंपत्तियों का वितरण, स्वीकृत लाभ, प्रमाण पत्र एवं योजनाओं से संबंधित दस्तावेज प्रदान किए गए।कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीण, लाभुक एवं स्थानीय नागरिक उपस्थित हुए। साथ ही जनप्रतिनिधि, जिला स्तरीय पदाधिकारी, प्रखंड एवं पंचायत स्तरीय पदाधिकारी भी उपस्थित रहे और अभियान को सफल बनाने में सहयोग किया। जिला प्रशासन द्वारा सभी नागरिकों से अपील की गई है कि वे इस सप्ताह भर चलने वाले शिविरों में पहुँचकर सरकारी सेवाओं एवं योजनाओं का लाभ अवश्य लें।

होटल में कोरल तस्करी का भंडाफोड़ वन विभाग ने चार तस्करों को दबोचा

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : शहर में वन विभाग ने शनिवार सुबह एक बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए साकची क्षेत्र के होटल विराट में चल रहे कोरल तस्करी के अवैध धंधे का खुलासा किया। डीएफओ सबा आलम अंसारी की गुप्त सूचना पर की गई इस कार्रवाई में टीम ने मौके से चार तस्करों को गिरफ्तार किया है।इनमें एक आरोपित पश्चिमी सिंहभूम का रहने वाला है, जबकि बाकी तीन तस्कर रांची के बताए जा रहे हैं। जानकारी के अनुसार, वन विभाग की टीम ने होटल विराट पर अचानक दबिश दी और कमरे की तलाशी के दौरान समुद्री जीव कोरल बरामद किया। इस दौरान हरी चरण गोप और प्रमोद कैबर्ता सहित चारों तस्करों को रंगे हाथ

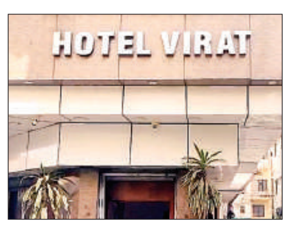

पकड़ा गया। अन्य दो तस्करों की पहचान फिलहाल गोपनीय रखी गई है। गिरफ्तार सभी आरोपितों को वन विभाग के कार्यालय ले जाया गया है, जहां उनसे गहन पूछताछ की जा रही है। प्रारंभिक जांच यह संकेत दे रही है कि कोरल की अवैध खरीदझ्रफरोख्त के पीछे कोई बड़ा नेटवर्क सक्रिय हो सकता है। अधिकारियों का कहना है कि तस्करी के इस कारोबार की कड़ियां कहां जुड़ती हैं और कोरल की आपूर्ति कहां की जा रही थी।

झारखंड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत शाखा ने किया धरना प्रदर्शन

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : झारखण्ड राज्य दफादार चौकीदार पंचायत शाखा साहिबगंज जिला कमिटी की एक आवश्यक बैठक शनिवार को समाहरणालय के पास हुई। अध्यक्षता पूर्व जिला अध्यक्ष दिलीप पासवान और संचालन रहमान मियां ने किया। बैठक में बतौर मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष कृष्ण दयाल सिंह मौजूद थे। बैठक में एसीपी/एमएसीपी का लाभ देने, सेवा काल में मृत चौकीदार दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति अनुकंपा के आधार पर करना, बीट में ही ड्यूटी कराई जाय, यात्रा भत्ता दिया जाय, योग्यता के आधार पर पदोन्नति की जाय, पुलिस की तरह ही चौकीदार दफादारों को भी 13 माह का वेतन

दिया जाय, माननीय झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची द्वारा झारखंड चौकीदार संवर्ग नियमावली-2015 में उल्लेखित प्रावधानों और चौकीदारों की नियुक्ति के संबंध में पारित आदेश के कारण झारखंड में चौकीदारी व्यवस्था समाप्त होने से जनहित और राज्यहित में बचाना, सेवा विमुक्त चौकीदारों को पुनः सेवा में योगदान कराना, 01 जनवरी 1990 के पूर्व और बाद में सेवा निवृत चौकीदार और दफादारों के आश्रितों की नियुक्ति पूर्व नियुक्ति प्रक्रिया के अनुसार करना, सेवा विमुक्त और एवजी चौकीदारों को न्याय दिलाने हेतु तत्काल अध्यादेश जारी करना या झारखंड ग्राम चौकीदार विधेयक-2025 पारित कराना और चौकीदारों से चौकीदारी मैनुअल में दिए गए प्रावधानों एवं समय समय पर राज्य सरकार द्वारा निर्गत आदेशों के आलोक में ही ड्यूटी कराना और बैंक ड्यूटी, कैदी स्कॉट, रोड गश्ति और डाक ड्यूटी कराने पर रोक लगाना, बकाया वर्दी भत्ता का भुगतान करना प्रमुख है।

डीसी ने दलदली विद्यालय में शिक्षकों की अनुपस्थिति पर कड़ी कार्रवाई के निर्देश

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिलास्तर पर संचालित विभिन्न योजनाओं, विद्यालयों एवं कार्यालयों के कार्यों की प्रगति और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला दंडाधिकारीझसहझडीसी हेमंत सती द्वारा निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान डीसी ने शिक्षा, पोषण, प्रशासनिक सेवाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा कौशल विकास से संबंधित विभिन्न संस्थानों एवं कार्यक्रमों का सूक्ष्म आकलन किया और आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। निरीक्षण के क्रम में डीसी ने सर्वप्रथम नव प्राथमिक विद्यालय दलदली पहुँचे। यहाँ विद्यालय में एक भी शिक्षक की उपस्थिति नहीं पाई गई। साथ ही, मध्याह्न भोजन के तहत बनने वाला भोजन भी तैयार नहीं पाया गया। इस लापरवाही को गंभीरता से लेते हुए डीसी ने संबंधित शिक्षकों एवं प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी के विरुद्ध विभागीय कार्रवाई करने के निर्देश दिए। साथ ही, विद्यालय के संचालन में कुप्रबंधन पाए जाने के कारण विद्यालय प्रबंधन समिति को तत्काल प्रभाव से भंग करने का आदेश भी दिया। इसके बाद डीसी ने प्रखंड कार्यालय उधवा में संचालित ह्यआपकी योजना, आपकी सरकार, आपके द्वार' कार्यक्रम अंतर्गत सेवा का अधिकार सप्ताह का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न विभागों द्वारा लगाए गए स्टॉलों का भ्रमण किया तथा उपस्थित आम जनता से आवेदन, शिकायतों एवं सेवाओं की उपलब्धता संबंधी जानकारी ली। डीसी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आगंतुकों को योजनाओं का लाभ समयबद्ध एवं पारदर्शी तरीके से उपलब्ध कराया जाए। डीसी द्वारा उत्क्रमित मध्य विद्यालय मोहनपुर तथा आयुष्मान आरोग्य मंदिर, लक्ष्मीपुर का भी निरीक्षण किया गया।

ईडी के बूते की नहीं धनबाद के कोयला माफिया पर अंकुश लगानाः सरयू

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

पूर्वी सिंहभूम : जमशेदपुर पश्चिमी के विधायक सरयू राय ने शनिवार को बयान जारी कर कहा है कि धनबाद में कोयला माफिया पर अंकुश लगाना ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) के बूते की बात नहीं है। ईडी धनबाद कोयला माफिया की कतिपय आर्थिक अनियमितताओं पर कार्रवाई कर सकती है, काला धन जब्त कर सकती है, अनियमितताओं के प्रमाण एकत्र कर सकती है, कुछ हद तक मनी लॉन्ड्रिंग का पदार्फाश कर सकती है, पर राजनीतिक हस्तक्षेप के चलते कोयला माफिया को मिल रहे खुला प्रशासनिक संरक्षण पर कारवाई कर अकेले इनके भ्रष्टाचार की जड़ पर प्रहार करना ईडी के लिए संभव नहीं है। इसके लिए ईडी के साथ साथ केन्द्र और राज्य सरकारों की प्रशासनिक इकाइयों को भी अवैध खनन क्षेत्र में एसआईटी गठन कर उतरना होगा। सरयू राय प्रेस विज्ञप्ति जारी कर कहा कि धनबाद का कोयला माफिया तंत्र

की सीधी पहुंच केन्द्र और राज्य सरकार की प्रभावशाली व्यवस्था तंत्र तक है। केंद्र सरकार और राज्य सरकार से जुड़े राजनीतिक पदधारी कोयला माफिया की गतिविधियों के साथ सक्रिय रूप से जुड़े हुए हैं। धनबाद जिला प्रशासन तो इनकी मुट्ठी में है। झारखंड सरकार के सचिवालय तक को ये सीधे प्रभावित करते हैं। विधानसभा में उठाए जाने वाले सवालों और दिये गये प्रमाणों पर विभागों के उत्तर कोयला माफिया के हितों की रक्षा करने वाले होते हैं। जिन कोयला माफिया किरदारों के ठिकानों पर धनबाद में ईडी छापामारी कर अवैध गतिविधियों के प्रमाण इकट्ठा करती है, काला धन जब्त करती है।

गोलीबारी कांड में नगर थाना की पुलिस ने तीन आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा जेल

प्रत्यूष नवबिहार संवाददाता

साहिबगंज : जिरवाबाड़ी थाना क्षेत्र अंतर्गत, कहते है कि दूसरों के लिए गड्ढा खोदने वाले खुद उसमें गिरते है। ऐसा ही एक मामला साहिबगंज में सामने आया जब एक मकान पर कब्जे को लेकर रची गई साजिश में खुद साजिशकर्ता फंस गए। दरअसल पिछले 16 नवंबर की संध्या करीब 8:30 बजे शहर के मछुआ सोसाइटी के पीछे शास्त्री नगर में हुए गोलीबारी की घटना का पुलिस ने पदार्फाश करते हुए कई रहस्य उजागर किया है। शनिवार को पुलिस अधीक्षक अमित कुमार सिंह ने पुलिस लाइन स्थित एसपी कार्यालय के सभागार में प्रेस कॉन्फ्रेंस कर बताया कि गोलीबारी की घटना के बाद डायल 112 पर शास्त्री नगर निवासी मुन्नी

देवी ने उसके घर के सामने गोलीबारी किए जाने की शिकायत दर्ज कराई थी। मुन्नी देवी के लिखित आवेदन के आधार पर नगर थाना कांड संख्या 189/25 दर्ज कर पुलिस ने छानबीन शुरू की। मुन्नी देवी ने अपने आवेदन में बताया था कि एक मकान को लेकर हुए विवाद विपक्षियों ने गोलीबारी कराई थी। पर पुलिस ने जब जांच शुरू की तो साजिश की परतें खुलने लगी। एसपी के निर्देश पर सदर एसडीपीओ किशोर तिर्की के नेतृत्व में एक छापामारी टीम का गठन किया गया। जांच में पता चला कि उसी मकान के कब्जे को लेकर मुन्नी देवी ने पहले भी दो बार विजय यादव और उनके परिजनों पर मारपीट, छेड़खानी और गाली गलौज करने का आरोप लगाते हुए नगर थाना में कांड संख्या 146/24 और 05/25 दर्ज कराया था। पर दोनों ही मामलों में मुन्नी देवी का हाथ खाली था। मकान पर कब्जा न होता देख मुन्नी देवी ने अपने दामाद राजा कुमार स्वर्णकार, पुत्र सन्नी कुमार साह और दामाद के मित्र प्रीतम कुमार चौधरी ने मिलकर विपक्षी विजय कुमार यादव को फंसाने के लिए एक षडयंत्र रचा। षडयंत्र को हकीकत बनाने के लिए उन्होंने अर्जुन सिंह उर्फ देवा से एक लाख रुपए में सौदा तय किया। योजना अनुसार अर्जुन सिंह उर्फ देवा अपने सहयोगी उदय गोंड और अन्य के साथ 16 नवंबर की रात करीब 08:30 बजे मुन्नी देवी के घर पर फायरिंग किया। इस दौरान अर्जुन ने चिल्लाते हुए गाली गलौज करते हुए मुन्नी देवी को जान से मारने की धमकी दी और विजय यादव पर किए गए केस उठाने की बात कही ताकि आसपास के लोगों को पता चले कि वे लोग विजय यादव के आदमी है। एसपी ने बताया कि ऐसा करने के पीछे उसका मकसद इस बार विजय को संगीन मामले में फंसाना था ताकि विजय को जेल भेजवा कर खुद मकान पर कब्जा कर ले। आगे बताया कि इस दौरान अपराधियों ने मौके पर कुछ अन्य गोली के खोखे फेंक दिया था जो उसके लिए मुसीबत बन गया। आसपास के लोगों के अनुसार अर्जुन वहां ज्यादा देर तक नहीं रहा, ऐसे में मौके पर 6 खोखा मिलना थोड़ा अटपटा था क्योंकि देशी कट्टा से इतने राउंड फायरिंग करने में उसे ज्यादा समय लगता।

संक्षिप्त खबरें

सिविल सर्जन ने पीएचसी ग्वालाखोर का किया औचक निरीक्षण

साहिबगंज: सिविल सर्जन साहिबगंज डॉ. रामदेव पासवान द्वारा बरहरवा प्रखंड अंतर्गत पीएचसी ग्वालखोर का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने जिले के सभी सीएचओ एवं एएनएम के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से बैठक की तथा उनकी उपस्थिति एवं कार्यप्रगति की समीक्षा की। साथ ही संस्थान में उपलब्ध कराई जा रही विभिन्न स्वास्थ्य सुविधाओं का भी विस्तृत रूप से आकलन किया। इसके उपरांत सिविल सर्जन ने टीकाकरण सत्र स्थल रूपसपुर का भ्रमण किया, जहाँ एएनएम एवं सहिया उपस्थित पाई गईं। उन्होंने टीकाकरण कार्य की गुणवत्ता और प्रक्रियाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। साहिबगंज जिले के एक दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में पहुँचकर आम जनता को उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं का प्रत्यक्ष रूप से जायजा लिए ताकि प्रत्येक व्यक्ति तक गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएँ समय पर पहुँच सकें।

अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग में माही स्पोर्ट्स येलो ने 9 विकेट से जीता मैच

साहिबगंज: जिला क्रिकेट संघ के तत्वधान में सिदो-कान्हू स्टेडियम में चल रहे अंडर-16 जिला क्रिकेट लीग टूर्नामेंट के तहत शनिवार को सीएबी जूनियर बी बनाम माही स्पोर्ट्स येलो के बीच मैच खेला गया। सीएबी जूनियर बरहरवा ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी करते हुए 29.4 ओवर में 161 रन बना कर ऑल आउट हो गई। रोशन कुमार ने 56, आसिफ आलम ने 37 रन की पारी खेली। माही स्पोर्ट्स येलो के गेंदबाज अब्राहम शेख ने 5, वमीक व रौनक ने 2-2 विकेट लिए। जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी माही स्पोर्ट्स येलो की टीम ने 14.4 ओवर में मात्र एक विकेट के नुकसान पर 165 रन बना कर मैच जीत लिया। शंकर कुमार साह ने 15, वमीक नईम ने नाबाद 58 व मयंक राज ने नाबाद 66 रन की पारी खेली। सीएबी जूनियर बी बरहरवा के गेंदबाज सुधांशु यादव ने 1 विकेट लिया। माही स्पोर्ट्स येलो ने 9 विकेट से जीत दर्ज की। माही स्पोर्ट्स येलो के खिलाड़ी अब्राहम शेख को मैन ऑफ द मैच घोषित किया गया। मुख्य अतिथि गोविंद महतो ने अब्राहम को मैन ऑफ द मैच की ट्रॉफी से पुरस्कृत किया। मैच में अंपायरिंग चंदन यादव व सतीश ओझा एवं स्कोरिंग मो अनाउल्लाह अंसारी ने किया।

बदलते मौसम के साथ अनुमंडल अस्पताल ओपीडी में मरीजों की लगी लंबी कतार

साहिबगंज: जिला के राजमहल प्रखंड सहित उधवा प्रखंड के विभिन्न गांव से लगातार पिछले कई दिनों से ओपीडी में लंबी-लंबी मरीजों की कतार लग रही है। शनिवार को ओपीडी खुलने से पूर्व ही मरीजों का जमावड़ा होने लगा था। ओपीडी समय 9 बजे खुलते ही लोग रजिस्ट्रेशन काउंटर में अपना रजिस्ट्रेशन कराने लग गए थे। जानकारी के अनुसार इसमें से अधिकतर मरीज मलेरिया, वायरल बुखार, सर्दी, जुकाम, टाइफाइड, ठंड लगना, उल्टी, दस्त आदि के पहुंच रहे हैं। अस्पताल के ओपीडी ड्यूटी में मौजूद डॉ जी आलम के द्वारा सभी का इलाज किया जा रहा है उन्होंने बताया संबंधित सभी दबाइयां फिलहाल अस्पताल में उपलब्ध है। पिछले 5 दिनों से औसतन 250-300 से अधिक मरीज का इलाज ओपीडी में किया जा रहा है। शनिवार को दोपहर 1:15 बजे तक 240 मरीजों का इलाज किया जा चुका था। दर्जनों अभी भी कतार पर खड़े थे। अस्पताल के प्रभारी उपाधीक्षक डॉक्टर उदय टुडू ने बताया कि मरीज के लिए जरूर की सारी दवाई अस्पताल में उपलब्ध है और अस्पताल आने वाले मरीजों का इलाज किया जा रहा है।

आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम का जनप्रतिनिधियों ने किया बहिष्कार, तैयारी नहीं करने का आरोप

पूर्वी सिंहभूम: सदर प्रखंड कार्यालय स्थित प्रमुख कक्ष में आपकी योजना-आपकी सरकार-आपके द्वार कार्यक्रम के संचालन में अनियमितताओं को लेकर शनिवार को बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन ने की। इसमें उप प्रमुख शिव कुमार हांसदा, पंचायत समिति सदस्यों और कई जनप्रतिनिधियों ने भाग लिया। मौके पर सदस्यों ने कहा कि कार्यक्रम से पहले तैयारी समिति की बैठक तक नहीं बुलाई गई और कार्यक्रम की तिथि में अचानक परिवर्तन कर प्रमुख, उप प्रमुख और समिति सदस्यों को इसकी सूचना भी नहीं दी गई। बागबेड़ा क्षेत्र में मंईयां सम्मान योजना का फॉर्म नि:शुल्क उपलब्ध कराने के बजाय कालाबाजारी की शिकायतें भी सामने आईं। कई विभागों को एक ही काउंटर पर आवेदन लेने की व्यवस्था अव्यवस्थित रही, जिसके कारण लाभुकों को काफी परेशानी उठानी पड़ी। कुछ स्थानों पर वरीय पदाधिकारियों की अनुपस्थिति और आवेदन पर प्राप्ति रसीद न दिए जाने को लेकर भी नाराजगी व्यक्त की गई। वहीं प्रखंड प्रमुख पानी सोरेन ने कहा कि बिना तैयारी बैठक के कार्यक्रम आयोजित करना प्रशासन की लापरवाही है। अचानक तारीख बदलने, फॉर्म की कालाबाजारी और अव्यवस्थित प्रक्रिया के कारण सदस्यों में गहरी नाराजगी है, जिस वजह से सभी ने सामूहिक रूप से कार्यक्रम के बहिष्कार का निर्णय लिया है। वहीं, उप प्रमुख शिव कुमार हांसदा का कहना था कि वर्षों से पंचायतों को विकास के लिए फंड उपलब्ध नहीं कराया गया है।

53 साल बाद गृह विभाग CM के पास नहीं

नीतीश के पास सिर्फ सामान्य प्रशासन, BJP के हाथ से फाइनेंस फिसला; JDU के मंत्री कम-बजट ज्यादा

पटना। बिहार की नई नीतीश सरकार में विभागों का बंटवारा हो गया है। शुक्रवार देर शाम को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने 26 मंत्रियों के बीच विभाग बांट दिए। बिहार में नवंबर 2005 से चल रही एनडीए सरकार में पहली बार गृह विभाग भाजपा कोटे में गया है। प्रदेश में 53 साल बाद पहली बार मुख्यमंत्री ने गृह विभाग किसी मंत्री को सौंपा है। जबकि 20 साल के शासन के बाद नीतीश ने गृह मंत्रालय अपने पास नहीं रखा। डिप्टी सीएम सम्राट चौधरी को गृह विभाग मिला है। पिछली सरकार में वो वित्त और वाणिज्य कर मंत्री थे। गृह विभाग देकर नीतीश ने उनका कद बढ़ाया है। गृह के बदले जदयू ने भाजपा से वित्त और वाणिज्य कर लिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। पहली बार मंत्री बनीं नेशनल शूटर श्रेयसी सिंह को खेल विभाग दिया गया है। HAM के राष्ट्रीय अध्यक्ष संतोष सुमन का विभाग नहीं बदल गया। वे फिर से लघु जल संसाधन विभाग के मंत्री होंगे। डिप्टी सीएम विजय कुमार सिन्हा के पास भूमि एवं राजस्व विभाग के अलावा खान एवं भू-तत्व विभाग मिला है। हालांकि इनसे कृषि विभाग लेकर बीजेपी कोटे से मंत्री बने रामकृपाल यादव को दिया गया है। दिलीप जायसवाल उद्योग मंत्री बनाए गए हैं। नितिन नवीन को पथ निर्माण विभाग के साथ-साथ नगर विकास एवं आवास विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है।नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक 25 नवंबर को होगी, जिसमें सभी मंत्री मौजूद रहेंगे। 20 नवंबर को नीतीश कुमार के साथ सभी मंत्रियों ने शपथ ली थी। शपथ लेने 24 घंटे बाद विभागों का बंटवारा हुआ है।कानून-व्यवस्था की पूरी कमानः पूरा पुलिस विभाग (DGP, ADG, IG, SP, DSP) सीधे गृह मंत्रालय को रिपोर्ट करेंगे। हिंसा, दंगे, बड़े अपराध, भीड़ नियंत्रण, महत्वपूर्ण गिरफ्तारियों में अंतिम निर्णय उन्हीं का होगा। नक्सल, ऑर्गनाइज्ड क्राइम और गैंगस्टर पर कार्रवाई का संचालनः नक्सल प्रभावित जिलों की नीति, ऑपरेशन ग्रीन हंट/सर्च ऑपरेशन जैसी गतिविधियां गृह मंत्री की मंजूरी से चलती हैं। बड़े गैंग्स पर CIDD, STF या SOG लगाने का फैसला भी गृह मंत्री करता है। नई सरकार में जदयू के पास भाजपा से 5 मंत्री कम हैं। इसके बावजूद जदयू के मंत्रियों के विभागों का बजट 129934.67 करोड़ रुपए अधिक है। जदयू के मंत्रियों के विभागों का बजट 219227.73 करोड़ रुपए है। भाजपा के मंत्रियों को मिले विभागों का बजट 89293.06 करोड़ रुपए है। जदयू कोटे से बने सभी 8 मंत्रियों को पुराने विभाग ही मिले हैं। पिछली बार जदयू के 12 मंत्री थे। हटाए गए चार मंत्रियों के विभाग विजय चौधरी, बिजेन्द्र यादव, श्रवण कुमार व सुनील कुमार को मिले हैं। दो गैर कांग्रेसी सरकार में CM के पास नहीं रहा गृह विभाग सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) और गृह विभाग सामान्यतया मुख्यमंत्री के पास ही रहते आए हैं। अब तक सिर्फ दो गैर-कांग्रेसी सरकारों में ऐसा हुआ था। 1967 में महामाया प्रसाद सिन्हा की सरकार में और 1972 में कपूरी ठकुर की सरकार में रामानंद तिवारी अलग गृह मंत्री थे। उसके बाद किसी भी मुख्यमंत्री ने गृह विभाग अपने अधीन के मंत्री को नहीं दिया था।शुक्रवार की सुबह बीजेपी के मंत्रियों के विभागों की लिस्ट लेकर सम्राट चौधरी उट हाउस पहुंचे। दोनों नेताओं के बीच करीब 50 मिनट तक बात हुई। इसके बाद जदयू की ओर से किन मंत्रियों को कौन-कौन से विभाग मिलने हैं, इस पर नीतीश कुमार के साथ सभी बड़े नेताओं की अहम बैठक हुई। सीएम नीतीश कुमार करीब डेढ़ घंटे बैठक की और बीजेपी की ओर से मांगी गई विभागों पर चर्चा की। बैठक में ललन सिंह, संजय झा और विजय कुमार चौधरी मौजूद थे। शाम करीब 5 बजे नीतीश कुमार और सम्राट चौधरी लिस्ट लेकर राजभवन पहुंचे। 5.15 बजे लिस्ट जारी कर दी गई।

237 लीटर देसी-2 लीटर विदेशी शराब बरामद

गयाजी। पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के खिलाफ विशेष अभियान चलाया। शुक्रवार को हुई छापेमारी में 237 लीटर देसी और 2 लीटर विदेशी शराब जब्त की गई। इस दौरान तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और लगभग 10,000 लीटर जावा महुआ मौके पर नष्ट किया गया। एसएसपी आनंद कुमार ने प्रेस वार्ता में यह जानकारी दी।एसएसपी आनंद कुमार ने बताया कि जिले में अवैध शराब निर्माण और बिक्री की लगातार शिकायतें मिल रही थीं। इन शिकायतों के मद्देनजर एक विशेष टीम का गठन किया गया। टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर विभिन्न थाना क्षेत्रों में छापेमारी की।बड़े पैमाने पर हो रही थी शराब की तस्करी छापेमारी के दौरान बड़ी मात्रा में अवैध रूप से तैयार की जा रही देसी महुआ शराब, जावा महुआ और अन्य उपकरण बरामद हुए। एसएसपी ने कहा कि जावा महुआ की इतनी बड़ी मात्रा का नष्ट होना यह दशार्ता है कि आरोपी बड़े पैमाने पर शराब निर्माण की तैयारी कर रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ जारी है। पुलिस इस अवैध कारोबार से जुड़े अन्य लोगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है। एसएसपी ने संकेत दिया कि इस मामले में और भी गिरफ्तारियां हो सकती हैं। उन्होंने दोहराया कि शराबबंदी कानून को सख्ती से लागू करने के लिए जिला पुलिस प्रतिबद्ध है और अवैध शराब के धंधे में शामिल लोगों के खिलाफ अभियान जारी रहेगा।एसएसपी ने आम लोगों से अपील की कि वे अवैध शराब निर्माण या बिक्री से संबंधित कोई भी जानकारी पुलिस को दें। सूचना देने वालों की पहचान गुप्त रखी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब माफियाओं को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा और जिले में अवैध शराब के नेटवर्क को पूरी तरह खत्म किया जाएगा। इस अभियान के बाद पुलिस टीम की कार्रवाई की व्यापक सराहना की जा रही है। जिला प्रशासन ने भी पुलिस के इस कदम को कानून-व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बताया है।

अनियंत्रित कार पेड़ से टकराई, एक की मौत

खगड़िया। के मड़ैया थाना क्षेत्र में शनिवार देर शाम सड़क दुर्घटना में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। देवरी कब्रिस्तान के समीप एक स्विफ्ट डिजायर कार बेकाबू होकर सड़क किनारे पेड़ से टकरा गई।टक्कर इतनी भीषण थी कि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, वाहन पेड़ से टकराने से पहले करीब 20 फीट हवा में उछल गया था।सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। स्थानीय लोगों की मदद से कार में फंसे दो लोगों को बाहर निकाला गया। एक युवक बेहोशी की हालत में था, जिसे तुरंत गोगरी रेफरल अस्पताल भेजा गया। वहां से उसे बेहतर इलाज के लिए खगड़िया सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया।दुर्घटना में कार में सवार दूसरे युवक की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक की पहचान वैसा निवासी राजो मंडल के 32 वर्षीय बेटे विजय कुमार के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल व्यक्ति की पहचान किरण चौरसिया के 32 वर्षीय बेटे रूपेश कुमार के रूप में की गई है।हादसे के कारणों का अभी तक स्पष्ट पता नहीं चल पाया है। कार कहां से आ रही थी और कहां जा रही थी, इसकी जांच की जा रही है। घना अंधेरा, सड़क किनारे गड्ढे और आसपास जंगल होने के कारण बचाव दल को क्षतिग्रस्त कार को निकालने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। मड़ैया थाना अध्यक्ष रिक्की कुमार ने बताया कि शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। उन्होंने यह भी पुष्टि की कि दुर्घटना के कारणों की विस्तृत जांच जारी है।

गयाजी में महिला खिलाड़ियों को मिलेगी नई पहचान

गयाजी। के हरीहर सुब्रमण्यम स्टेडियम, गांधी मैदान में पहली बार अस्मिता डिस्ट्रिक्ट एथलेटिक्स लीग प्रथम महिला एथलेटिक्स लीग का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन नगर विधायक डॉ प्रेम कुमार, वजीरगंज विधायक वीरेंद्र सिंह गयाजी ओलंपिक एसोसिएशन के अध्यक्ष हरि प्रपन्न और पैटर्न डॉ नवनीत निश्छल ने किया। आयोजन से महिला खिलाड़ियों को नई पहचान मिलेगी। प्रथम महिला एथलेटिक्स लीग आयोजित हुई है। इसमें 350 बालिकाएं ट्रैक पर उतरेंगी और 30 स्कूलों की टीम तैयार है। इस मौके पर डॉ प्रेम कुमार ने कहा कि राज्य व केंद्र सरकार खिलाड़ियों के लिए बेहतर भविष्य के लिए हर सम्भव प्रयास कर रही है। खेल को बढ़ावा देने के लिए तमाम योजनाएं धरातल पर उतारी गई हैं। बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाली खिलाड़ियों को सरकार नौकरियां भी दे रही हैं। लड़कियों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का मौका ओलिंपिक संघ के अध्यक्ष हरि प्रपन्न ने कहा कि गर्व की बात है कि अस्मिता एथेलिटिक्स लीग का आयोजन मगध में गयाजी को मिला है। पूरे देश में इस लीग का अवसर 300 डिस्ट्रिक्ट को मिला है। उसमें एक गयाजी भी शामिल है। उन्होंने कहा कि लड़कियों को बेहतर खेल का प्रदर्शन करने का यह सुनहरा मौका है ताकि वे निशुल्क ट्रेनिंग के लिए चुने जा सकें और फिर उन्हें पटियाला में निशुल्क ट्रेनिंग दी जाएगी। जहां से उनका चयन नेशनल गेम के लिए होगा। गयाजी एथेलिटिक्स एसोसिएशन के अध्यक्ष जितेंद्र कुमार ने बताया कि खेल का शुभारंभ हो गया है। प्रतिभागी अपना दमखम दिखा रहे हैं। संघ से जुड़े मोती करीमी ने कहा कि यह गया के लिए सुनहरा अवसर है। इस लीग जिले के 30 स्कूलों ने अपना पंजीकरण कराया है। उन स्कूलों की लड़कियां गेम में अपनी प्रतिभा दिखा रही हैं। जिला एथलेटिक्स संघ इसे जिले में महिला एथलेटिक्स की सबसे बड़ी शुरूआत मान रहा है।

सीमांचल क्षेत्र के 2 दिवसीय दौरे पर ओवैसी

किशनगंज। सीमांचल क्षेत्र के 2 दिवसीय दौरे पर ओवैसीऑल इंडिया मजलिस-ए-इत्तेहादुल मुस्लिमीन (के प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी बिहार के सीमांचल क्षेत्र के दो दिवसीय दौरे पर हैं। इस दौरान वे किशनगंज, कटिहार, पूर्णिया और अररिया जिलों में विभिन्न कार्यक्रमों और जनसभाओं को संबोधित कर रहे हैं। उनका यह दौरा बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में AIMIM द्वारा पांच सीटों पर जीत हासिल करने के बाद हो रहा है। दौरे के पहले दिन, ओवैसी सुबह 11 बजे बागडोगरा एयरपोर्ट पहुंचे, जहां पार्टी नेताओं और कार्यकर्ताओं ने उनका स्वागत किया। इसके बाद उन्होंने कटिहार के बलरामपुर में एक कार्यक्रम को संबोधित किया। पूर्णिया के बायसी और अमौर में जनसभाओं को संबोधित करने के बाद, उन्होंने किशनगंज के दफ्तरी में रात्रि विश्राम किया। बहादुरगंज में जनसभा को करेंगे संबोधित दौरे के दूसरे दिन, यानी आज शनिवार को असदुद्दीन ओवैसी किशनगंज जिले के कोचाधामन विधानसभा क्षेत्र के रहमतपाड़ा स्थित ईदगाह मैदान में सुबह 10 बजे एक जनसभा को संबोधित करेंगे। इसके बाद वे दोपहर 1 बजे तक अररिया जिले के जोकीहाट में रहेंगे।

राजा बिगहा में प्रदर्शनकारियों सड़क जाम किया

गया। जिले के फतेहपुर थाना क्षेत्र के राजा बिगहा में सड़क जाम करने के मामले में पुलिस ने केस दर्ज किया है। इस घटना में 12 लोगों को नामजद किया गया है, जबकि 130 अज्ञात लोगों पर भी एफआईआर दर्ज की गई है। यह सड़क जाम संतोष कुमार नामक व्यक्ति की मौत के बाद मुआवजे की मांग को लेकर किया गया था। प्रदर्शनकारियों ने मोहनपुर-पहाड़पुर सड़क मार्ग को करीब सात घंटे तक जाम रखा, जिससे आम जनता को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा। इस दौरान पुलिस के विरोध में नारेबाजी भी की गई। फतेहपुर पुलिस ने यह केस एसआई हसन इमाम खां के बयान पर दर्ज किया है।नामजद लोगों में मेराज मलिक, पूर्व मुखिया अफजल अंसारी, मिथलेश यादव, आशीष कुमार, दिनेश यादव और लखन यादव शामिल हैं। सभी आरोपियों पर बीएनएस की धारा 191(2), 132 और 223 के तहत मामला दर्ज किया गया है। एसआई हसन इमाम खां ने बताया कि उन्हें राजा बिगहा में एक व्यक्ति के पानी में डूबने की सूचना मिली थी, लेकिन मौके पर पहुंचने पर ग्रामीणों ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए ले जाने से रोक दिया था।यह घटना गुरुवार को हुई थी, जब टैगनी गांव निवासी संतोष कुमार की राजा बिगहा आहर में डूबने से मौत हो गई थी। परिजनों का आरोप है कि गया के उत्पाद विभाग की टीम संतोष को पकड़ने का प्रयास कर रही थी, जिसके दौरान वह आहर में गिर गया और उसकी मौत हो गई। हालांकि, संतोष की मौत के संबंध में परिजनों द्वारा अभी तक कोई लिखित शिकायत दर्ज नहीं कराई गई है।

ओपन शर्ट, जींस-क्रॉक्स में पहले दिन मंत्रालय पहुंचे दीपक प्रकाश

पटना। बिहार में नई नीतीश सरकार एक्शन में आ गई है। कल शुक्रवार को बंटे विभाग के बाद मंत्री अपने-अपने विभाग का पदभार ग्रहण करने पहुंचने लगे हैं।सीधे मंत्री पद से राजनीति में एंट्री करने वाले उपेंद्र कुशवाहा के बेटे दीपक प्रकाश पंचायती राज विभाग का जिम्मा संभालने पहुंचे। पहले दिन वो ऑफ व्हाइट कलर की ओपन शर्ट, ब्लू जींस और क्रॉक्स में मंत्रालय आए। उन्होंने विभाग का पदभार लिया।मंत्री दीपक प्रकाश पहले तो मीडिया से बात करने को तैयार नहीं दिखे, कहा कि अपनी प्रतिक्रिया बाद में देंगे। लेकिन आग्रह करने पर वो तैयार हुए। बाइट देने के लिए खड़े हुए फिर बैठ गए और मंत्रालय के कर्मचारी से पीने के लिए पानी मांगा।वहीं करीब 11 बजे ग्रामीण कार्य विभाग का पदभार मंत्री अशोक चौधरी ने संभाल लिया। जबकि कई मंत्री शनिवार को पदभार ग्रहण करने से बच रहे हैं, ताकि शनिचरा ग्रह ना हावी हो जाए। कुछ मंत्रियों को शुभ मुहूर्त का इंतजार है।बीजेपी ऑफिस पहुंचे उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा, 'भाजपा के नेतृत्व और नीतीश कुमार के निर्देशन ने मुझे बिहार में गृह मंत्री के तौर पर काम करने का मौका दिया। नीतीश कुमार ने लगातार बिहार में सुशासन स्थापित किया है।नीतीश कुमार के मार्गदर्शन में हमेशा सुशासन होगा। बिहार के सुशासन ने यहां हमेशा अराजकता को समाप्त किया है। बिहार अपराधियों के लिए नहीं है। यहां से अपराधियों को बाहर जाना होगा।'सम्राट चौधरी समेत कई मंत्री सोमवार को पदभार ग्रहण करेंगेसम्राट चौधरी सोमवार दोपहर 1 बजे पद संभालेंगे। एक बार फिर लघु जल संसाधन विभाग की जिम्मेदारी संभाल रहे जीतन राम मांझी के बेटे संतोष सुमन भी सोमवार को पदभार ग्रहण करने वाले हैं।विभाग के कई मंत्री है जो शनिवार को विभाग का मंत्री पदभार ग्रहण करने के बजाय सोमवार को करेंगे। भू राजस्व विभाग एवं खनन विभाग के जिम्मेदारी संभाल रहे विजय सिंह सोमवार को 11 बजे से 12 बजे के बीच विभाग का पदभार लेंगे।पथ निर्माण विभाग और नगर विकास विभाग मंत्री नितिन नवीन भी सोमवार को पदभार लेंगे। जानकारी के मुताबिक नितिन नवीन निजी कार्यक्रम में राजस्थान गए हैं ,जहां से वे रविवार को लौटेंगे। बीजेपी के विधायक और बिहार में कृषि विभाग की जिम्मेदारी संभालने वाले रामकृपाल यादव सोमवार को लगभग 11:50 बजे अपना पदभार लेंगे। स्वास्थ्य और विधि विभाग की जिम्मेदारी लेने वाले मंगल पांडे भी सोमवार दोपहर में ही पदभार लेंगे। रामकृपाल यादव ने कहा, मैं सबसे पहले सीएम नीतीश का आभार व्यक्त करता हूं। जिन्होंने इतनी बड़ी जिम्मेदारी दी है। किसानों के लिए मैं काम करूंगा। किसानों की आमदनी बढ़ी है। और क्या किया जा सकता है, वो करेंगे। केंद्र की सरकार 6 हजार रुपए किसानों को देती है। बिहार सरकार ने भी 3 हजार का प्रावधान किया है। कुल 9 हजार खाते में जा रहे हैं। जब तक किसान खुशहाल नहीं होगा, बिहार खुशहाल नहीं होगा। आर्थिक व्यवस्था दुरुस्त हो इसके लिए किसान को खुशहाल करना होगा। मैं 2 दिन में पदभार ग्रहण करूंगा। मैं किसान का बेटा हूं। उनकी दिक्कतों का समझता हूं। हर किसान को लाभ मिले उसके लिए काम हुआ है। श्रेयसी ने कहा, खिलाड़ी के रूप में मेरा 18 साल का अनुभव रहा है। अच्छा काम करेंगे दिखाएंगे। बिहार सरकार खेल के क्षेत्र में काम कर रही है। उसे आगे बढ़ाना है। नई नीतियों और उर्जा के साथ हमें खिलाड़ियों का सहयोग करना है।विभाग संभालने के बाद मंत्री दीपक प्रकाश ने कहा, हमारे देश की राजनीतिक व्यवस्था में पंचायती राज संस्थाओं का एक अहम स्थान है। पीएम नरेंद्र मोदी और सीएम नीतीश कुमार के नेतृत्व में बिहार सरकार के पंचायती राज मंत्री के रूप में काम करने का मौका मिल रहा है। मेरी कोशिश रहेगी कि पंचायती राज संस्थान इस तरह से काम करे कि बिहार के गांव में एक-एक व्यक्ति तक इसकी शक्ति पहुंचे। इन सभी काम के लिए जिस तरह की नई पहल की जरूरत होगी, वो किए जाएंगे। सभी से सहयोग की अपेक्षा है।अशोक चौधरी ने कहा कि ग्रामीण सड़कों का निर्माण, पुल-पुलिया का निर्माण बड़ी चुनौती है।पिछले साल कई नई योजनाओं की शुरूआत हुई थी। चुनाव के पहले काम कराना था। बारिश कारण बना। उन काम को धरातल पर उतारना चुनौती है।सड़कों का निर्माण. दोहरीकरण करना। बहुत जगह ट्रैफिक बढ़ गया है। सड़के डबल लेन होंगी। बाबा का आशीर्वाद है तो सब मुहूर्त है नहीं है तो नहीं है।शुक्रवार को हुए विभाग बंटवारे में 20 साल बाद नीतीश कुमार ने गृह विभाग छोड़ा है। ये विभाग अब BJP के पास चला गया है। डिप्टी CM सम्राट चौधरी गृह विभाग की जिम्मेदारी संभालेंगे। BJP ने वित्त विभाग खउ्व को दिया है। बिजेंद्र यादव ऊर्जा के साथ वित्त विभाग का जिम्मा भी संभालेंगे। इसके साथ ही मंगल पांडे को फिर से स्वास्थ्य विभाग का जिम्मा सौंपा गया है। नई सरकार के गठन के बाद नीतीश कैबिनेट की पहली बैठक 25 नवंबर को होगी, जिसमें सभी मंत्री मौजूद रहेंगे।

संक्षिप्त डायरी

बेटे की खून से सनी लाश लिए बैठी रही

मोतिहारी। सुबह में मेरी आंख खुली तो ठंड का एहसास हुआ। अभी ठीक से जागी भी नहीं थी कि बड़े जोर से रोने की आवाज सुनाई दी। इसपर मैं दौड़कर बाहर निकली तो एक युवक हड़बड़ी में तेजी से भागता हुआ नजर आयायह देखने के लिए मैं दौड़कर अपने नए घर पर गई। इतने में मेरी बहू भी बदहवास भागती हुई वहां पहुंची, जहां में खड़ी थी। तभी उसकी नजर चापाकल पर खून से लथपथ मेरे बड़े बेटे के शव पर पड़ी, जिससे लिपटकर वो दहाड़-दहाड़कर रोने लगी। कुछ देर के लिए मुझे अपनी आंखों पर यकीन नहीं हुआ।'VIP के नेता कामेश्वर सहनी की बूढ़ी मां जनार्शी कुंअर ये कहते हुए फफक-फफक कर रोने लगी। इस दौरान वो कई बार बेहोश भी हुईं।कामेश्वर सहनी की शुक्रवार की सुबह 3 अज्ञात बाइक सवार अपराधियों ने गोली मारकर हत्या कर दी। सहनी का खून से लथपथ शव देख उसकी मां-पत्नी बदहवास होकर रोने लगी। खबर गांव में आग की तरह फैली। देखते ही देखते सैकड़ों लोगों की भीड़ जाम हो गई।गांव में दाखिल होते ही मातमी सन्नाटा पसरा था। बस खामोशी ही खामोशी छाई थी। हर किसी के चेहरे पर उदासी थी। कोई कुछ नहीं बोल रहा था। इसी बीच एक बुजुर्ग से सामने आए। पहले तो वो थोड़ा दूरी बनाते दिखे, लेकिन जब उन्हें पता चला की हम बाहर से आए हैं, तब वो ऑफ कैमरे बोलने के लिए तैयार हुए। काफी टालमटोल करने के बाद वो बोले- 'जो जैसा करेगा, उसके साथ वैसा ही होता है।' इसके तुरंत बाद वो थोड़ा रुक कर बोले- गांव में उनका व्यवहार काफी बढ़िया था। सभी के सुख दुख में हमेशा खड़े रहते थे, लेकिन उनका बाहरी काफी दुश्मन थे। ये दुश्मनी ही उनकी हत्या का कारण बनी। कुछ आगे बढ़ने पर एक दुकान पर कुछ लोग बैठे दिखाई दिए। हमें अपनी ओर आता देख सभी चुप हो गए। खैर, कुछ देर शांत रहने के बाद वो हमारे साथ सामान्य हो गए और बात करना शुरू किया। उनका कहना था कि कामेश्वर का गांव में कोई दुश्मन नहीं था। उनकी हत्या किसी बाहरी ने कराई है। ये भी हो सकता है गांव का कोई लाइनर की भूमिका निभाया हो। कामेश्वर के घर पहुंचने पर हमारी मुलाकात कामेश्वर की मां जनार्शी कुंअर से हुई, जिन्होंने उस हत्यारे को देखा था, जिसने उनके लाल को गोली से छली कर दिया था। उन्होंने बताया की वह घर से बाहर निकली थीं, तभी गोली चलने की आवाज आई। लगातार 6 से 7 गोली चलने की आवाज सुनाई दी। मानों ऐसा लगा जैसे कि कोई पटाखा फोड़ रहा है। इन आवाजों को सुनने के बाद अपने नए घर पर पहुंची। तो देखा कि मुंह बांधे एक युवक भाग रहा था। मैं अपने नए घर के हाते में गई, तो मुझे कोई नहीं दिखा। पोता सब सोये हुए थे, वह बाहर आ कर पूछने लगे कि इतनी सुबह किसने पटाखा जलाया है। तब तक मेरी बड़ी बहू आई और उसकी नजर नल के पास पड़े मेरे बेटे के खून से लथपथ शव पर पड़ी।

'सर ने शरीर पर हाथ डाला, कहा-मुझे किस दो

'बेगूसराय। प्रिंसिपल सर के ऑफिस में हम छुट्टी मांगने गए, तो उन्होंने अपने पास बुलाया। हम उनके पास गए, तो वो मेरे शरीर पर हाथ डालने लगे। पहले लगा कि बेटी की तरह प्यार कर रहे हैं, फिर उन्होंने मेरे पीछे हाथ डाला। फिर पूछे लगे कि हम कुछ करते है तो तुम किसी को बताते भी हो क्या? हमने डर से कहा- नहीं, लेकिन हम अपनी फ्रेंड से सारी बात शेयर करते थे। सर ने कहा कि मुझे किस दो। फिर मेरा हाथ पकड़ कर अपने सिर पर रखा और कसम खिलाई कि ये सब बात किसी को नहीं बताओगी।घर पहुंचे तो अपने गार्जियन को घटना की जानकारी दी। सर हमेशा ऐसा ही करते थे। कहते थे कि तुम किसी को कोई बात मत बताना। ये सब हम दोनों के बीच का मैटर है। डीएम साहब ऐसे शिक्षक को सस्पेंड कर दें। तीन-चार लड़की के साथ वह लगातार गलत व्यवहार कर रहे थे। लेकिन बहुत हो गया, तो अपने गार्जियन को बताना पड़ा।'बेगूसराय में सरकारी स्कूल में 9वीं कक्षा की छात्रा ने प्रभारी हेड मास्टर अनिल कुमार अनल पर छेड़खानी का आरोप लगाते हुए ये बातें कही है। छात्राओं से छेड़खानी की जानकारी मिलते ही गुरुवार को ग्रामीण स्कूल पहुंच गए और जमकर हंगामा किया। गुस्साए लोगों ने हेड मास्टर को बंधक बनाया और जमकर मारपीट की।9वीं क्लास की पीड़ित छात्रा ने बताया कि, हम लोग पहली क्लास से इसी स्कूल में पढ़ते आ रहे हैं, कभी कोई परेशानी नहीं हुई। सभी शिक्षक पढ़ाने के साथ-साथ परिवार के बच्चों जैसा व्यवहार करते हैं। लेकिन, जब से अनिल सर प्रिंसिपल बनकर आए हैं, हालात बदल गए है।जम्मेदारी संभालने के कुछ दिन बाद से ही वो हम लोगों को परेशान करने लगे। किसी भी काम के लिए उनके पास जाते थे, तो वो शरीर पर हाथ रख देते थे। शुक्रवार को भी वे शरीर पर हाथ रखने लगे।पीड़िता ने बताया कि, घटना वाले दिन मम्मी ने मुझे जरूरी काम से दोपहर में घर आ जाने के लिए कहा था। इसलिए प्रिंसिपल सर के पास छुट्टी मांगने गए, तो वह मुझसे छेड़खानी करने लगे।लड़कियों के शरीर पर अधिक ध्यान रखते है प्रिंसिपलएक अन्य छात्रा ने बताया कि, प्रिंसिपल बनकर जब से अनिल सर आए हैं, पढ़ाने से अधिक छात्राओं के शरीर पर ध्यान रखते हैं। किसी काम से ग्रुप में उनके पास जाते हैं, तो कोई बात नहीं करते है। लेकिन अकेले में उनके ऑफिस जाते हैं तो शरीर पर इधर-उधर हाथ रखकर बात करते हैं।9वीं क्लास की एक अन्य छात्रा ने बताया कि, प्रिंसिपल सर का व्यवहार अमर्यादित है। वो हमेशा बैड टच करने के चक्कर में रहते हैं। तीन-चार दिन पहले तो सर ने हद कर दी। ऑफिस में गए तो संतरा छिलने को कहा और संतरा के बहाने गंदी बात शुरू कर दी, जिसके बाद हम लोग निकल गए।प्रिंसिपल अनिल कुमार विभूतिपुर प्रखंड क्षेत्र के महथी गांव के रहने वाले हैं। उनकी नियुक्ति नियोजित शिक्षक के रूप में हुई थी और खोदावंदपुर प्रखंड के परियोजना बालिका विद्यालय में पोस्टेड थे।बिहार सरकार के शिक्षा विभाग की ओर से प्रधान शिक्षक की वैकेंसी निकाली तो उन्होंने आवेदन भरा था। प्रधान शिक्षक के पद पर चयन होते ही उन्हें उत्क्रमित माध्यमिक विद्यालय मसुराज में पोस्टेड किया गया था।पुलिस ने दर्ज किया मामलाइस मामले में डीएसपी नवीन कुमार के नेतृत्व में पुलिस ने आरोपी से पूछताछ किया गया। खोदावंदपुर थानाध्यक्ष चंदन कुमार ने बताया कि शुक्रवार को एक गार्जियन के आवेदन पर मामला दर्ज कर आरोपी शिक्षक को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है।ग्रामीणों के अनुसार 10-12 लड़कियां शिक्षक के व्यवहार से परेशान थी। आरोपी प्रिंसिपल के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए।

बोर्ड परीक्षा के लिए बच्चे की बेहतर तैयारी के लिए अभिभावक करें ये काम

जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

10वीं या 12वीं कक्षा में पढ़ रहे बच्चे के लिए बोर्ड परीक्षा एक अहम पड़ाव होता है, जो उनके भविष्य को तय करने में मदद करता है। अच्छे अंक आने पर बेहतर कॉलेज में प्रवेश, छात्रवृत्ति और करियर के लिए क्षेत्र तय करने में मदद मिलती है। ऐसे में भारत के अधिकतर सभी स्कूलों,कोचिंग क्लासेज बच्चों को बोर्ड परीक्षा के लिए तैयार करते हैं।

माता-पिता अपने बच्चे की बोर्ड परीक्षा के लिए सबसे अधिक चिंतित होते हैं। ऐसे में वह बच्चे पर पढ़ाई का अतिरिक्त दबाव बनाने लगते हैं। लेकिन इसका असर बच्चों के मानसिक स्वास्थ्य पर भी होता है और अतिरिक्त दबाव उन्हें परेशान कर सकता है। बोर्ड परीक्षा बच्चों के लिए जीवन का एक महत्वपूर्ण चरण होती है और इसमें अभिभावकों की भूमिका बहुत महत्वपूर्ण होती है। ऐसे में जो बच्चे इस साल बोर्ड की परीक्षा देने वाले उन्हें मानसिक और शारीरिक रूप से तैयार करने के लिए अभिभावकों को भी कुछ तरीके अपनाने चाहिए, ताकि बच्चा बोर्ड परीक्षा में बेहतर परिणाम ला सके।

प्रोत्साहित करें

बच्चा दबाव में तब आता है, जब माता पिता अपनी चिंता अत्यधिक जाहिर करते हैं, वो भी नकारात्मक तरीके से। उन पर दबाव बनाने के बजाए माता पिता को बच्चे को परीक्षा के लिए प्रेरित करना चाहिए। साथ ही बच्चे के छोटे-छोटे प्रयासों और उपलब्धियों की सराहना करें।परीक्षा को जीवन-मरण का प्रश्न बनाने की बजाय इसे एक सीखने का अवसर मानें।

पढ़ाई की योजना बनाने में मदद करें

बच्चे के साथ मिलकर एक प्रभावी टाइम टेबल तैयार करें। टाइमटेबल ऐसा हो ताकि पढ़ाई और आराम के बीच संतुलन बनाए रखा जा सके। कठिन विषयों को अधिक समय दें और पिछले साल के प्रश्न पत्र और महत्वपूर्ण टॉपिक्स की पहचान करें।

मानसिक स्वास्थ्य का ध्यान रखें

इस बात का ध्यान रखें कि बच्चा मानसिक रूप से परेशान न हो। उसका उत्साहवर्धन करने का प्रयास करें। ऐसी बातें करें जो उसे उत्साहित करें ना कि निराश करें। जैसे 'तुम यह कर सकते हो' और 'मैं तुम्हारे साथ हूं' आदि बातें कहें। बच्चे की तुलना अन्य बच्चों से न करें।

परिणाम को लेकर ज्यादा चिंता न करें

बच्चे को यह समझाएं कि मेहनत का परिणाम हमेशा सकारात्मक होता है। परीक्षा के बाद भी उसे यह भरोसा दिलाएं कि आपका प्यार और समर्थन उसके साथ है। परिक्षा में बेहतर अंक को भविष्य के लिए एकमात्र रास्ता न बनाएं।

नियमित ब्रेक और नींद का ध्यान रखें

दिनभर पढ़न से बच्चा होनहार नहीं हो जाएगा। जरूरी है कि हर एक दो घंटे की पढ़ाई के बाद उसे 10-15 मिनट का ब्रेक मिले। इस ब्रेक में वह दिमाग को फ्रेश करें। शारीरिक गतिविधि करे ताकि उसके दिमाग को आराम और सेहत दुरुस्त रह सके। इसके साथ ही नींद बेहतर जरूरी है। बच्चे को कम से कम 7-8 घंटे की नींद लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

खानपान का ध्यान रखें

बच्चे को पौष्टिक भोजन दें, जिसमें फल, सब्जियां, नट्स, और प्रोटीन शामिल हो। जंक फूड देने से बचें। ये सेहत के लिए तो नुकसानदायक होता ही है, एकाग्रता भी भंग करता है। परीक्षा से ध्यान भटकाने वाले कारकों को कम करें, जैसे बच्चे के मोबाइल और सोशल मीडिया उपयोग को नियंत्रित करें। घर का माहौल ऐसा हो जहां वह पढ़ाई के लिए ध्यान केंद्रित कर सके और शांत वातावरण में मन लगा कर पढ़ सके।

रिवीजन और मॉक टेस्ट पर ध्यान दें

परीक्षा के करीब आते-आते बच्चे को पूरे सिलेबस का रिवीजन करने के लिए प्रेरित करें। समय सीमा के साथ मॉक टेस्ट दें ताकि बच्चे को परीक्षा का अनुभव हो सके।

आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रेरित करें

बच्चे को समस्याओं को खुद हल करने की आदत डालें। जब बच्चा किसी प्रश्न में अटका हो, तब उसे मार्गदर्शन दें, लेकिन उसे पूरी तरह आप पर निर्भर न बनाएं।

तुम्हें कितने मार्क्स मिले...?

पेपर का रिजल्ट आने पर अपने बच्चे से कभी न पूछें ये सवाल

यह बात सच्ची है कि जब आप अपने बच्चे से अक्सर 'तुम्हें कितने मार्क्स मिले?' ये सवाल पूछते हैं, तो यह कई तरह से उनकी सेल्फ़-वर्थ, सिखने की प्रक्रिया और मनोधर्म पर नकारात्मक प्रभाव डाल सकता है। आज हम आपको बताते हैं कि ये सवाल बच्चे के लिए खतरनाक साबित हो सकता है।

क्यों यह सवाल नुकसान पहुंचाता है

जब सबसे पहला सवाल ये होता है कि 'कितने अंक आए?', तो बच्चे को यह संदेश जाता है कि अंक = मूल्य = आपकी योग्यता। पर वास्तव में 'अंक' सिर्फ एक परीक्षा का परिणाम हैं, व्यक्ति की सम्पूर्ण क्षमता या गुण नहीं। उदाहरण के लिए, एक लेख कहता है कि यह हो सकता है कि बच्चों को यह महसूस हो जाए कि उनका पूरा मूल्य सिर्फ उनकी ग्रेड्स से तय होता है। जब यह सवाल बार-बार पूछा जाए, तो बच्चे में यह डर बन सकता है कि अगर अंक कम आए तो उन्हें मम्मा-पापा की नाराज़गी या शर्मिंदगी झेलनी पड़ेगी। यह दबाव उनकी पढ़ाई, आत्मविश्वास और मानसिक स्वास्थ्य को प्रभावित कर सकता है।

सिखने की प्रक्रिया पर ध्यान कम देना

दिए गए मार्क्स के पीछे क्या हुआ- जैसे तैयारी कैसे हुई, कौन-सी चीज कठिन लगी, किस तरीके से समझा जा सकता था, इन पर कम ध्यान जाता है। परिणाम पर ज्यादा फोकस होने से बच्चों में 'स्कोर करने की रणनीति' बन सकती है बजाय 'समझने की रणनीति' के। यदि संवाद का मुख्य आधार सवाल 'कितने अंक?' हो जाए, तो बच्चे हो सकता है कि उस बातचीत को अपेक्षा-पूर्ति के रूप में देखें- न कि खुली बातचीत के रूप में। इससे पिता-माता-बच्चा के बीच भरोसा कम हो सकता है।

बेहतर तरीका — क्या-क्या पूछा जा सकता है

- 'तुम्हारी एक्साम के दौरान सबसे कठिन क्या लगा? उस पर काम कैसे कर सकते हैं?'
- 'क्या तुमको लगता है तुमने उस विषय में यह तरीके आजमाए? अगर नहीं, तो अगली बार कैसे करोगे?'
- 'क्या वो हिस्सा था जिसमें तुमने अच्छा किया? उस पर हम कैसे और सुधार कर सकते हैं?'
- 'पढ़ाई के अलावा तुम्हें क्या-क्या मजेदार लगा आज स्कूल में?'

ऐसे सवाल बच्चों की सोचना, भावनाओं को समझने और संवाद बढ़ाने में मदद करते हैं।

सिर्फ कुछ मिनटों में बनाएं ये पांच टेस्टी सैंडविच, बनाने का तरीका भी है बेहद आसान

शायद ही कोई व्यक्ति ऐसा होगा, जिसे सैंडविच खाना पसंद न हो। तो अगर आपको सैंडविच खाना पसंद है, तो ये खबर आपके लिए खास होने वाली है। चाहे आप ऑफिस जा रहे हों, बच्चों के टिफिन की तैयारी कर रहे हों या घर पर कुछ हल्का और टेस्टी खाना चाहते हों—सैंडविच हर मौके के लिए परफेक्ट ऑप्शन माना जाता है।

ऐसे में आज हम आपको पांच तरह के स्वादिष्ट सैंडविच की रेसिपी बताने जा रहे हैं जिन्हें आप कुछ ही मिनटों में घर पर बना सकते हैं। ये न सिर्फ खाने में लाजवाब हैं बल्कि हेल्दी और एनर्जेटिक भी हैं। तो चलिए जानते हैं इन्हें बनाने का आसान तरीका और खास टिप्स जिससे आपके सैंडविच बनें बिल्कुल कैफे स्टाइल!

1. वेज ग्रिल सैंडविच

ये सैंडविच बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले तो ब्रेड पर बटर लगाएं, उसमें टमाटर, खीरा, आलू, और चटनी लगाएं। अब इसे सैंडविच मेकर में गोल्डन ब्राउन होने तक ग्रिल करें। इसे चटनी और कैचअप के साथ परोसें।

2. पनीर टिक्का सैंडविच

पनीर टिक्का सैंडविच खाने में काफी स्वादिष्ट लगता है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले पनीर को मसालों और दही में मेरिनेट करें। इसके बाद इसे इसे ब्रेड के बीच में रखकर ग्रिल करें और पुदीना चटनी के साथ परोसें।

3. एग मेयो सैंडविच

अगर आपको अंडे खाना पसंद है तो आप उबले अंडे को कद्दूकस करके उसमें मेयोनेज को मिक्स करें। दोनों चीजों को मिक्स करें और फिर नमक, काली मिर्च डालें और टोस्टेड ब्रेड पर लगाएं। बस इसे फिर ग्रिल कर लें और कैचअप के साथ परोसें।

4. चीज कॉर्न सैंडविच

ये सैंडविच ज्यादातर हर किसी को पसंद आता है। ये सैंडविच बनाने के लिए सबसे पहले स्वीट कॉर्न को उबाल लें। अब इसमें चीज और थोड़ा ओरिगेनो मिलाएं। अब इसे इसे ब्रेड में भरकर ग्रिल करें। ये सिंपल सा सैंडविच बच्चों से लेकर बड़े भी खूब चाव से खाते हैं।

5. स्पाइसी चटनी सैंडविच

जो लोग तीखा खाना पसंद करते हैं तो उनके लिए ये सैंडविच कमाल का है। इसे बनाने के लिए सबसे पहले ब्रेड पर हरी चटनी फैलाएं। इस हरी चटनी को तीखा ही रखें। अब चटनी फैलाने के बाद टमाटर और प्याज रखें। आखिर में इसे हल्का टोस्ट करें और गर्मागर्म सर्व करें।

बच्चों में जोड़ों के दर्द के 7 संकेत, आज नजरअंदाज किया तो उम्र भर रहेंगे परेशान

बच्चों में जोड़ों से जुड़ी दिक्कतें केवल उम्रदराज लोगों में नहीं, बल्कि छोटे बच्चों में भी हो सकती हैं। कई बार माता-पिता इसे सामान्य बढ़ने का दर्द समझकर नजरअंदाज कर देते हैं, लेकिन यदि ये दर्द बार-बार हों या रात में बढ़ जाएं, तो ये जोड़ों की समस्या का संकेत हो सकता है। यहां बाल रोग विशेषज्ञों द्वारा बताए गए 7 प्रमुख संकेत दिए गए हैं जिन्हें नजरअंदाज नहीं करना चाहिए।

रात में बढ़ने वाला दर्द

अगर बच्चे को दिन में ठीक रहता है लेकिन रात को दर्द बढ़ जाता है, तो यह सामान्य नहीं है। ऐसा दर्द सूजन या जोड़ों में सूक्ष्म संक्रमण का संकेत हो सकता है।

चलने या दौड़ने में कठिनाई

यदि बच्चा अचानक लंगड़ाने लगे, धीरे चले या दौड़ने से बचे, तो ये संकेत हैं कि उसके जोड़ों में दर्द या जकड़न (ह्यह्लद्बद्घद्घठ्ठद्गह्यह्य) हो सकती है।

सूजन या लालिमा

किसी एक या अधिक जोड़ों में सूजन, लालपन या गर्माहट महसूस होना सूजन (द्बठ्ठद्घद्यड्डद्वद्वड्डह्लद्बश्ठ्ठ) का संकेत है। यह आर्थराइटिस या संक्रमण से भी हो सकता है।

सुबह उठते ही जकड़न

यदि बच्चा सुबह उठते ही अपने हाथ-पैरों को मोड़ने या सीधा करने में परेशानी बताता है, तो यह जोड़ों में सूजन या आर्थराइटिस का लक्षण हो सकता है।

किसी विशेष जोड़ में बार-बार दर्द

अगर दर्द हर बार एक ही घुटने, टखने या कोहनी में हो रहा है, तो यह केवल थकान नहीं, बल्कि जोड़ों की कोई आंतरिक समस्या हो सकती है।

बुखार या थकान के साथ दर्द

अगर जोड़ों का दर्द बुखार, कमजोरी या भूख न लगने के साथ हो, तो तुरंत डॉक्टर को दिखाना चाहिए। यह संक्रमण या ऑटोइम्यून बीमारी का संकेत हो सकता है।

बच्चे का खेलने से बचना

यदि बच्चा पहले की तरह खेलना, कूदना या चढ़ना-उतरना छोड़ दे, तो यह दर्द से बचने की कोशिश हो सकती है।

कब डॉक्टर को दिखाए

अगर बच्चे का दर्द 2 हफ्तों से ज्यादा बना रहे, जोड़ों में सूजन या बुखार आ जाए या फिर बच्चा लंगड़ाने लगे या चलने से बचे तो डॉक्टर को जरूर दिखाए। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि बच्चों के जोड़ों के दर्द को 'द्दह्म्श्2द्बठ्ठद्द श्चड्डद्बठ्ठ' मानकर टालना ठीक नहीं। जल्दी जांच कराने पर समस्या का इलाज सरल और प्रभावी हो सकता है। संतुलित आहार, पर्याप्त पानी और हल्की फिजिकल एक्टिविटी बच्चों के जोड़ों को मजबूत रखते हैं।

शुरू हो गई हैं सर्दियां, बनाकर तैयार करें ये पांच तरह के लड्डू ताकि न हो तबियत खराब

सर्दियों का मौसम आते ही शरीर को अतिरिक्त पोषण और गर्माहट की जरूरत होती है। इस मौसम में हमारी इम्यूनिटी अक्सर कमजोर पड़ जाती है, जिससे सर्दी-जुकाम जल्दी हो सकती है। ऐसे में घर पर बने देसी लड्डू न केवल स्वाद में लाजवाब होते हैं, बल्कि सेहत के लिए भी बेहद फायदेमंद हैं। पारंपरिक तरीके से बनाए गए लड्डू शरीर को एनर्जी, गर्मी और जरूरी न्यूट्रिएंट्स देते हैं।

सर्दी के मौसम में कुछ खास तरह के लड्डू पाचन को बेहतर बनाते हैं, जोड़ों के दर्द से राहत देते हैं और शरीर को अंदर से मजबूत बनाते हैं। अगर आप ठंड में स्वस्थ और एक्टिव रहना चाहते हैं, तो अपनी डाइट में इन देसी लड्डुओं को जरूर शामिल करें। आइए जानते हैं ऐसे पांच तरह के लड्डू जो सर्दियों में आपकी तबीयत खराब होने से बचा सकते हैं।

तिल-गुड़ के लड्डू

तिल और गुड़ का मेल सर्दियों में सबसे बेहतरीन माना जाता है। ये शरीर को गर्म रखता है और ब्लड में हीमोग्लोबिन का स्तर बढ़ाता है। इसमें कैल्शियम और आयरन भरपूर होता है, जो हड्डियों को मजबूत बनाता है।

गोंद के लड्डू

गोंद से बने लड्डू जोड़ों के दर्द और ठंड से होने वाली कमजोरी में फायदेमंद होते हैं। इसमें घी, मेवा और गेहूं का आटा मिलाकर बनाया जाता है जो एनर्जी बूस्टर की तरह काम करता है।

मेथी के लड्डू

मेथी के लड्डू सर्दियों में शरीर को अंदर से गर्म रखते हैं और ब्लड शुगर को नियंत्रित करते हैं। महिलाओं के लिए ये खासतौर पर फायदेमंद माने जाते हैं क्योंकि ये हॉर्मोनल बैलेंस को भी सपोर्ट करते हैं।

मूंगफली के लड्डू

मूंगफली प्रोटीन का अच्छा स्रोत है। इसके लड्डू ठंड के मौसम में ऊर्जा प्रदान करते हैं और इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। गुड़ के साथ मिलाकर खाने से ये स्वादिष्ट और पौष्टिक दोनों बन जाते हैं।

सूखे मेवे के लड्डू

बादाम, काजू, अखरोट, किशमिश और खजूर से बने लड्डू विटामिन्स और मिनरल्स से भरपूर होते हैं। ये शरीर को ताकत देते हैं और स्किन ग्लोइंग बनाए रखते हैं। तो आप चाहें तो इसे भी बनाकर तैयार कर सकते हैं।

पहले दिन का खेल समाप्त, दक्षिण अफ्रीका का स्कोर 247/6

– भारत ने दिन का अंत मजबूत वापसी के साथ किया

गुवाहाटी (एजेंसी)। भारत और दक्षिण अफ्रीका के बीच दूसरे और अंतिम टेस्ट के पहले दिन का खेल समाप्त हो गया है। बरसापारा क्रिकेट स्टेडियम में खेले जा रहे इस मुकाबले में मेजबान दक्षिण अफ्रीका ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया और दिन का अंत छह विकेट पर 247 रन के साथ किया। टीम के लिए ट्रिस्टन स्टब्स ने सर्वाधिक 49 रन बनाए, जबकि कप्तान तेम्बा बावुमा ने 41 रनों का योगदान दिया।

दिन के अंत में सेनुरन मुथुसामी 25 रन और काइल वेरेने एक रन बनाकर क्रीज पर डटे हुए हैं। भारतीय गेंदबाज़ों ने शुरुआती दौर में दबाव झेलने के बाद शानदार वापसी की। कुलदीप यादव ने बेहतरीन गेंदबाजी करते हुए तीन विकेट चटकाए, जबकि जसप्रीत बुमराह, मोहम्मद सिराज और रविंद्र जडेजा ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

दक्षिण अफ्रीका की शुरुआत संभली हुई रही और टीम ने चायकाल तक एक विकेट पर 82 रन बना लिए थे। इस मैच में चायकाल लंच से पहले लिया गया। पहला विकेट एडन मारक्रम के रूप में गिरा, जो 27वें ओवर में 38 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने 81 गेंदों में पांच चौके लगाए और टीम को मजबूत प्लेटफॉर्म दिया।

चायकाल के बाद भारत ने तुरंत प्रभाव दिखाया। कुलदीप यादव ने अपने पहले ही ओवर में रायन रिकलटन को 35 रन पर आउट कर दूसरी सफलता दिलाई। रिकलटन ने 82 गेंदों में पांच चौकों की मदद से अपनी पारी को सजाया। लंच तक दक्षिण अफ्रीका दो विकेट पर 156 रन बनाकर मजबूत स्थिति में दिख रहा था, लेकिन बाद में भारतीय गेंदबाजों ने नियमित अंतराल पर विकेट झटककर मैच को संतुलन में ला दिया। अब दूसरे दिन का खेल दोनों टीमों के लिए अहम होगा। भारत की कोशिश जल्द से जल्द दक्षिण अफ्रीका को समेटने की होगी, जबकि मेजबान टीम 300 से ऊपर का स्कोर खड़ा करने का प्रयास करेगी।

बैडमिंटन ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025: चाउ टिएन चेन को हराकर लक्ष्य सेन फाइनल में

सिडनी (एजेंसी)। भारत के स्टार शटलर लक्ष्य सेन ने ऑस्ट्रेलिया ओपन 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए चीनी ताइपे के अनुभवी खिलाड़ी चाउ टिएन चेन को हराकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। ओलंपिक पार्क स्पोर्ट्स सेंटर में खेले गए इस रोमांचक सेमीफाइनल मुकाबले में लक्ष्य ने 1 घंटा 26 मिनट की कड़ी जंग के बाद 17-21, 24-22, 21-16 से जीत दर्ज की।

इस मुकाबले में लक्ष्य सेन ने तीन मैच पॉइंट बचाते हुए वापसी की और विश्व रैंकिंग में छठे स्थान पर काबिज चाउ टिएन चेन को मात देकर इतिहास रच दिया। यह लक्ष्य की चेन के खिलाफ आठ मुकाबलों में चौथी जीत है।

पहला गेम चाउ टिएन चेन ने 4-0 की तेज बढ़त के साथ आसानी से जीत लिया। लेकिन दूसरे गेम में लक्ष्य ने शानदार लड़ाई दिखाई और निर्णायक क्षणों में बेहतर प्रदर्शन करते हुए 24-22 से गेम अपने नाम किया। तीसरे गेम में भारतीय शटलर ने 7-2 की बढ़त बनाई और ब्रेक तक 11-6 की बढ़त कायम रखी। एक बार बढ़त मिलने के बाद लक्ष्य ने मैच पर पूरा नियंत्रण बना लिया और 21-16 से जीत हासिल करते हुए फाइनल में जगह पक्की की।

2025 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर सीजन में लक्ष्य सेन का यह दूसरा फाइनल होगा। फाइनल में उनका मुकाबला चुन यी लिन (चीनी ताइपे) और युशी तनाका (जापान) के बीच होने वाले मैच के विजेता से होगा।

सबा करीम ने बुमराह के इम्पैक्ट की जमकर सराहना की

– जायसवाल को दी खास सलाह

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत और साउथ अफ्रीका के बीच कोलकाता के ईडन गार्डन्स में खेले गए पहले टेस्ट ने कई सवाल खड़े कर दिए विशेषकर भारत की कमजोर बैटिंग और साउथ अफ्रीकी गेंदबाजों की जबरदस्त धार को लेकर। इस लो-स्कोरिंग मैच में जहां भारतीय बल्लेबाज लगातार जूझते दिखाई दिए, वहीं जसप्रीत बुमराह एक बार फिर भारत के सबसे भरोसेमंद गेंदबाज साबित हुए। पूर्व भारतीय विकेटकीपर सबा करीम ने बुमराह की मैच-इंटेलिजेंस, फिटनेस और स्वभाव की खुलकर तारीफ करते हुए कहा कि बुमराह उन गेंदबाजों में से हैं जो हर परिस्थिति में सिर्फ अपनी प्रक्रिया पर भरोसा करते हैं और टीम के लिए ढाल बनकर खड़े रहते हैं।

सबा करीम के अनुसार बुमराह ऐसे गेंदबाज हैं जिन पर किसी भी कंडीशन का बहुत असर नहीं पड़ता। चाहे पिच बल्लेबाजों के लिए हो या गेंदबाजों के लिए, बुमराह अपनी नैचुरल लेंथ, वेरिएशन और सटीक लाइनों से हमेशा प्रभाव डालते हैं। करीम ने कहा कि 'बुमराह को स्पेल की लंबाई या विकेट की मदद से फर्क नहीं पड़ता। वह अपनी क्षमता से पार्टनरशिप तोड़ते हैं और कप्तान के लिए हर परिस्थिति में सबसे भरोसेमंद विकल्प बने रहते हैं।' उन्होंने ईडन टेस्ट में बुमराह द्वारा डाले गए लंबे स्पेल, उनकी फिटनेस और विकेट लेने की भूख की भी तारीफ की। हालांकि भारत को 124 रन के आसान से लक्ष्य का पीछा करते हुए 30 रन से शर्मनाक हार मिली थी, लेकिन बुमराह पूरे मैच में छाए रहे। उन्होंने दोनों पारियों में साउथ अफ्रीकी बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। सबा करीम ने यह भी माना कि अंतिम दिन उन्हें थोड़ा देर से गेंदबाजी के लिए लाया गया, वरना असर और भी बड़ा दिख सकता था।

सबा करीम ने इस दौरान भारतीय ओपनर यशस्वी जायसवाल की बैटिंग एप्रोच पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि जायसवाल का अटैकिंग माइंडसेट बेहतरीन है, लेकिन शॉट सिलेक्शन मैच की जरूरत के अनुरूप होना चाहिए। पहली पारी में जायसवाल अधीर दिखे और कंडीशन को ध्यान में रखकर अपने खेल में लचीलापन नहीं ला सके। करीम के अनुसार, 'हर स्थिति में हमला करना सही तरीका नहीं होता। कई बार शुरुआत धीमी रखकर इनिंग को सेट करना जरूरी होता है, खासकर ऐसी पिच पर जहां रन निकालना मुश्किल हो।' भारतीय टीम अब गुवाहाटी में होने वाले दूसरे टेस्ट में बराबरी की कोशिश करेगी। साउथ अफ्रीका 2010 के बाद पहली बार भारत में टेस्ट जीत चुका है और उसका आत्मविश्वास चरम पर है। ऐसे में बुमराह के प्रदर्शन और युवा बल्लेबाजों के बेहतर शॉट सिलेक्शन पर टीम की उम्मीदें टिकी रहेंगी।

ट्रैविस हेड की तूफानी सेंचुरी से इंग्लैंड ध्वस्त, दो दिन में ऑस्ट्रेलिया ने जीता पहला एशेज टेस्ट

पर्थ (एजेंसी)। पर्थ में खेले गए पहले एशेज टेस्ट का नतीजा चौंकाने वाला रहा, क्योंकि मुकाबला महज़ दो दिन में ही खत्म हो गया। मेजबान ऑस्ट्रेलिया ने इंग्लैंड को आठ विकेट से हराकर श्रृंखला में शानदार बढ़त बना ली। इस तेज़ जीत के हीरो रहे सलामी बल्लेबाज़ ट्रैविस हेड, जिन्होंने इंग्लैंड के गेंदबाज़ों की जमकर धुनाई करते हुए तहलका मचा दिया। 205 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। टीम ने सिर्फ 28.2 ओवर में दो विकेट खोकर लक्ष्य पूरा कर लिया। ट्रैविस हेड ने 83 गेंदों में विस्फोटक 123 रन ठोककर इंग्लैंड की गेंदबाज़ी लाइन-अप को उधेड़कर रख दिया। उनकी पारी में 16 चौके और 4 गगनचुंबी छक्के शामिल रहे। हेड ने महज़ 69 गेंदों में अपना शतक पूरा किया, जो उनकी आक्रामक मानसिकता और अद्भुत टाइमिंग का प्रमाण है।

दूसरे छोर पर मार्नस लाबुशेन ने भी संयमित लेकिन महत्वपूर्ण पारी खेलते हुए नाबाद 51 रन बनाए। दोनों बल्लेबाजों ने मिलकर इंग्लैंड के गेंदबाजों को कोई मौका नहीं दिया और मुकाबले को एकतरफा बना दिया। इंग्लैंड की ओर से गेंदबाज़ी फीकी रही और वे न तो गति से, न ही स्विंग से ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाज़ों को रोक पाए। पहले दिन ही इंग्लैंड की बल्लेबाज़ी लड़खड़ा गई थी, जिसका दबाव दूसरा दिन उनकी गेंदबाज़ी पर भी साफ दिखाई दिया। ऑस्ट्रेलिया की इस धमाकेदार जीत ने एशेज सीरीज़ में रोमांच बढ़ा दिया है और टीम का आत्मविश्वास भी चरम पर पहुंच गया है। दूसरी ओर, इंग्लैंड को अब अगले टेस्ट से पहले अपनी रणनीति और टीम कॉम्बिनेशन पर फिर से विचार करना होगा।

इससे पहले इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन कप्तान बेन स्टोक्स का यह निर्णय पहले दिन कमजोर साबित हुआ जब पूरी टीम 172 रन बनाकर आउट हो गई। हालांकि, जवाब में ऑस्ट्रेलिया की टीम भी पहली पारी में संघर्ष करती नजर आई और सिर्फ 132 रनों पर सिमट गई। इंग्लैंड को पहली पारी के आधार पर 40 रनों की बढ़त मिली, जो मैच की परिस्थिति को देखते हुए महत्वपूर्ण साबित हुई। इस पिच पर हर रन का महत्व है, क्योंकि बल्लेबाजों के लिए यहां टिकना चुनौती बन गया है।

दूसरी पारी में इंग्लैंड का प्रदर्शन पहले से बेहतर होने की उम्मीद थी, लेकिन एक बार फिर उनकी बल्लेबाजी विफल साबित हुई। पूरी टीम 164 रन ही जोड़ पाई। इस मैच की तीनों पारियों में अब तक सिर्फ एक ही बल्लेबाज अर्धशतक तक पहुंच पाया है हैरी ब्रूक, जिन्होंने पहली पारी में 52 रन बनाए थे। दूसरी पारी में इंग्लैंड के लिए गस एटकिंसन ने 37 रनों की उपयोगी पारी खेली और ब्रायडन कार्स के साथ मिलकर 50 रनों की साझेदारी कर टीम को 200 से ऊपर की बढ़त दिलाने में मदद की। यही रन अब ऑस्ट्रेलिया के लिए बड़ी चुनौती बन सकते हैं। ऑस्ट्रेलिया की गेंदबाजी की बात करें तो टीम के प्रमुख तेज गेंदबाज जोश हेजलवुड और पैट कमिंस इस मैच में नहीं खेले, लेकिन उनके बिना भी ऑस्ट्रेलियाई आक्रमण ने शानदार प्रदर्शन किया और इंग्लैंड को दोनों पारियों में 200 के भीतर रोक दिया। इससे पता चलता है कि पर्थ की पिच कितनी कठिन है और बल्लेबाजों के लिए यहां रन बनाना कितना मुश्किल।

ऑस्ट्रेलिया को 205 रनों का लक्ष्य मिलने के बावजूद यह रन बनाना आसान नहीं होगा। पिच में लगातार असमान उछाल और सीम मूवमेंट दिख रही है, जो इंग्लैंड के तेज गेंदबाजों के लिए बड़ा हथियार बन सकती है। तीसरे दिन मैच का नतीजा आना लगभग तय माना जा रहा है, और मुकाबला दोनों टीमों के लिए बराबरी की टक्कर वाला बन गया है। अब देखना यह होगा कि इंग्लैंड का गेंदबाजी आक्रमण ऑस्ट्रेलिया को रोक पाता है या मेजबान टीम शुरुआती टेस्ट में बढ़त हासिल करती है।

महिला विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार देहरादून पहुंची स्नेहा राणा, रेलवे स्टेशन पर हुआ जोरदार स्वागत, रेलवे अधिकारियों ने कहा गर्व की बात

देहरादून। भारतीय महिला टीम की सदस्य आलराउंडर स्नेह राणा का देहरादून रेलवे स्टेशन पर धूमधाम से स्वागत हुआ। बीते दो नवंबर को भारतीय महिला टीम द्वारा वनडे क्रिकेट विश्व कप ट्राफी जीतने के बाद पहली बार स्नेह राणा देहरादून पहुंची। स्नेह क्रिकेटर होने के साथ-साथ देहरादून रेलवे स्टेशन में कमर्शियल कम टिकट क्लर्क पद पर तैनात हैं और रेलवे क्रिकेट टीम से भी खेलती हैं। इस दौरान रेल अधिकारियों और कर्मचारियों ने उन्हें भारतीय रेल के लिए गर्व का विषय बताया। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक देहरादून से सटे सिनोला गांव की रहने वाली स्नेह राणा का स्वागत रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़ों के साथ किया गया। रेल अधिकारियों ने वनडे विश्व कप मैच में उनके शानदार प्रदर्शन की तारीफ की। स्नेह ने अपने क्रिकेट के सफर पर बात करते हुए कहा कि पहली बार जब वह पंजाब से खेलने जा रही थी तो वह इसी रेलवे स्टेशन से सफर किया था। इस दौरान एक टीटी ने उनके ट्रेन सफर को साझा किया। स्टेशन अधीक्षक रविंद्र कुमार ने कहा कि स्नेह राणा देश, प्रदेश, जिले के साथ-साथ भारतीय रेलवे के लिए भी गर्व और प्रेरणा हैं। सीटीआई सुहैल खान ने बताया स्नेह पूर्व में फिरोजपुर मंडल में तैनात थी। पिछले साल ही उनका देहरादून में तबादला हुआ है।

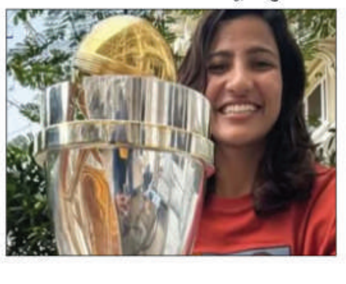

सुपर ओवर में बड़ा विवाद- वैभव सूर्यवंशी को बाहर बैठाकर भारत ने गंवाया फाइनल का टिकट

दोहा । दोहा में खेले गए एशिया कप राइजिंग स्टार्स 2025 के सेमीफाइनल मुकाबले में भारत ए टीम की हार जितनी रोमांचक थी, उतनी ही विवादों से घिरी भी रही। मैच का फैसला सुपर ओवर में हुआ, लेकिन इसी ओवर ने टीम मैनेजमेंट के फैसलों पर गंभीर सवाल खड़े कर दिए। पावर हिटर वैभव सूर्यवंशी को बल्लेबाजी का मौका न देना टीम के बाहर होने का सबसे बड़ा कारण माना जा रहा है। युवा बल्लेबाज डगआउट में बेचैन बैठे रहे, उनके चेहरे पर मायूसी साफ दिख रही थी, लेकिन कोच सुनील जोशी और कप्तान जितेश शर्मा ने उन्हें मैदान पर भेजने का फैसला नहीं लिया। 40 ओवर के संघर्ष के बाद दोनों टीमों का स्कोर 194-194 रन पर बराबर रहा। सुपर ओवर में भारत ने पहले बल्लेबाजी की, लेकिन टीम ने हैरान कर देने वाला फैसला लिया। कप्तान जितेश शर्मा और रामनदीप सिंह को ओपनिंग के लिए भेजा गया, जबकि वैभव सूर्यवंशी जैसे विस्फोटक बल्लेबाज को डगआउट में ही रोके रखा गया। वैभव को देखकर साफ समझ आ रहा था कि वे बल्लेबाजी को बेताब हैं, लेकिन उन्हें मौका नहीं मिला। पहली गेंद पर कप्तान जितेश क्लीन बोल्ड हो गए और भारत की रणनीति शुरुआत से ही बिखर गई। सबसे चौंकाने वाली बात यह रही कि कप्तान के आउट होने के बाद भी कोच ने वैभव सूर्यवंशी को भेजने का फैसला नहीं किया। तीसरे नंबर पर अशुतोष शर्मा को उतारा गया, लेकिन वे भी पहली ही गेंद पर आउट हो गए। सुपर ओवर में टीम के पास सिर्फ तीन बल्लेबाज उतरने का मौका होता है और दो विकेट गिरते ही पारी समाप्त हो जाती है। ऐसे में भारत की पूरी प्लानिंग धराशायी हो गई और वैभव बिना खेले ही वापस लौटने पर मजबूर हो गए। बांग्लादेश को जीत के लिए बेहद आसान लक्ष्य मिला, जिसे उन्होंने एक वाइड बॉल पर ही हासिल कर लिया। भारत का फाइनल तक का सफर सुपर ओवर में लिए गए दो गलत फैसलों की वजह से थम गया। मैच के बाद फैंस भी टीम मैनेजमेंट की आलोचना करते नजर आए और यह सवाल उठाने लगे कि जब टीम को मैच जिताने के लिए पावर हिटर की जरूरत थी, तब वैभव सूर्यवंशी को क्यों रोका गया? यह हार ना सिर्फ खिलाड़ियों बल्कि करोड़ों भारतीय फैंस के लिए मायूसी लेकर आई है और आने वाले समय में इस फैसले पर लंबी चर्चा होना तय है।

टी 20 विश्वकप 2026: भारत का ग्रुप लगभग तय, पाकिस्तान से होगी टक्कर

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2026 के लिए टीमों की संभावित ग्रुपिंग लगभग तय हो चुकी है। कुल 20 टीमें इस टूर्नामेंट में हिस्सा लेंगी और इन्हें 5-5 टीमों के चार ग्रुप्स में बांटा जाएगा। हालांकि इस ग्रुपिंग पर आईसीसी की आधिकारिक घोषणा अभी बाकी है, लेकिन उपलब्ध रिपोर्ट्स के अनुसार भारत का ग्रुप संतुलित और अपेक्षाकृत आसान माना जा रहा है।

भारत और पाकिस्तान एक ही ग्रुप में

एक रिपोर्ट के अनुसार टीम इंडिया जिस ग्रुप में है, उसमें पाकिस्तान भी शामिल होगा। इसका मतलब है कि भारत और पाकिस्तान के बीच कम से कम एक हाई-वोल्टेज मुकाबला होना तय है। इस ग्रुप में भारत और पाकिस्तान के अलावा अमेरिका (यूएसए), नामीबिया और नीदरलैंड की टीम होंगी। इन पांच टीमों में सिर्फ भारत और पाकिस्तान ही टेस्ट खेलने वाले देश हैं, जिससे टीम इंडिया के सुपर-8 में पहुंचने की राह अपेक्षाकृत आसान मानी जा रही है।

सह-मेजबान श्रीलंका का कठिन ग्रुप

टी20 वर्ल्ड कप 2026 का आयोजन भारत और श्रीलंका मिलकर करेंगे। सह-मेजबान श्रीलंका को जिस ग्रुप में रखा जा सकता है, उसे 'ग्रुप ऑफ डेथ' कहा जा रहा है। इस ग्रुप में ऑस्ट्रेलिया, जिम्बाब्वे, आयरलैंड और ओमान की टीमें शामिल होंगी। यह ग्रुप इसलिए कठिन है, क्योंकि इसमें चार टेस्ट प्लेइंग नेशन्स मौजूद रहेंगे।

अन्य संभावित ग्रुप्स

एक अन्य ग्रुप में इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश और नेपाल की टीम हो सकती है। इस ग्रुप में तीन टेस्ट खेलने वाले देश होने से प्रतिस्पर्धा तेज होगी। वहीं दक्षिण अफ्रीका के ग्रुप में न्यूजीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई और कनाडा को शामिल किया जा सकता है। यहां भी तीन टेस्ट नेशन्स के मौजूद होने से मुकाबले बेहद रोमांचक रहेंगे।

टूर्नामेंट में हर ग्रुप की टॉप-2 टीमें सुपर-8 में जगह बनाएंगी। इसके बाद दो नए ग्रुप बनाए जाएंगे, जहां से शीर्ष दो टीमें सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई करेंगी। आशा है कि सुपर-8 का दौर 15 फरवरी से शुरू होगा।

कहां होंगे मुकाबले?

भारत में टूर्नामेंट के मैच मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, दिल्ली और अहमदाबाद में खेले जाएंगे। श्रीलंका में कोलंबो और कैंडी को मेजबानी मिलेगी। फाइनल मुकाबला अहमदाबाद के नरेंद्र मोदी स्टेडियम में होने की संभावना है, बशर्ते पाकिस्तान फाइनल में नहीं पहुंचता। वहीं कोलंबो को एक सेमीफाइनल की मेजबानी तभी मिलेगी जब पाकिस्तान या श्रीलंका में से कोई टीम अंतिम-4 में पहुंचे। टी20 विश्व कप 2026 अभी से चर्चा में है, और ग्रुपिंग को देखकर यह टूर्नामेंट बेहद रोमांचक होने वाला है।

टी20 विश्वकप 2026 के लिए संभावित ग्रुप

ग्रुप ए - इंडिया, पाकिस्तान, यूएसए, नामीबिया, नीदरलैंड्स।

ग्रुप बी- ऑस्ट्रेलिया, श्रीलंका, जम्बिाब्वे, आयरलैंड, ओमान।

ग्रुप सी- इंग्लैंड, वेस्टइंडीज, इटली, बांग्लादेश, नेपाल।

ग्रुप डी- साउथ अफ्रीका, न्यूज़ीलैंड, अफगानिस्तान, यूएई, कनाडा।

भारत ने ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से हराया, ब्लाइंड महिला टी20 वर्ल्ड कप के फाइनल में जगह पक्की

कोलंबो । भारत ने शनिवार को पी. सारा ओवल में खेले गए महिला टी20 वर्ल्ड कप क्रिकेट फॉर द ब्लाइंड के पहले सेमीफाइनल में शानदार प्रदर्शन करते हुए ऑस्ट्रेलिया को 9 विकेट से मात देकर फाइनल में प्रवेश कर लिया। भारतीय टीम की जीत में बी2 कैटेगरी की खिलाड़ी बसंती हंसदा का अहम योगदान रहा, जिन्हें उनके हरफनमौला प्रदर्शन के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया। ऑस्ट्रेलिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी की, लेकिन भारतीय गेंदबाजों के सामने उनकी शुरुआत बेहद खराब रही। टीम 37 रन तक पहुँचते-पहुंचते अपने पांच विकेट गंवा चुकी थी। इसके बाद चानाकन बुआखाओ और जूली न्यूमैन ने पारी को संभालने की कोशिश की। न्यूमैन ने 25 रन बनाए, जबकि बुआखाओ ने 34 रन का योगदान दिया। बी3 कैटेगरी की कोर्टनी लुईस ने भी 14 रन जोड़े, जिससे टीम निर्धारित 20 ओवर में 9 विकेट पर 109 रन तक पहुँची। इन सबके अलावा 20 एक्स्ट्रा रन भी स्कोरबोर्ड में जुड़े। भारत की ओर से बी2 सिमरनजीत कौर, बी1 जमुना रानी और बी1 अनु कुमारी ने एक-एक विकेट हासिल किया। गेंदबाजी में अनुशासन और सटीक लाइन-लेंथ ने भारतीय टीम को शुरुआत से ही बढ़त दिलाई। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम ने जोरदार शुरुआत की। बी3 की गंगा कदम और बी2 बसंती हंसदा ने पहले विकेट के लिए मात्र 11 ओवर में 93 रनों की शानदार साझेदारी की। बसंती ने 39 गेंदों में 3 चौकों की मदद से 45 रन बनाए और रन आउट हुईं। इसके बाद बी1 बैटर करुणा ने सिर्फ 5 गेंदों में 16 रन ठोककर मैच को तेजी से खत्म कर दिया। भारत ने 11.5 ओवर में लक्ष्य हासिल कर फाइनल में प्रवेश कर लिया। गंगा कदम 31 गेंदों में 41 रन बनाकर नाबाद रहीं। अब यह तय होगा कि भारत फाइनल में नेपाल से भिड़ेगा या पाकिस्तान से, क्योंकि दूसरा सेमीफाइनल इन दोनों के बीच खेला जाना है। भारत ने लीग चरण के सभी पांच मुकाबले जीतने के बाद सेमीफाइनल में जगह बनाई थी।

गंभीर के आलोचकों पर भड़के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक

गुवाहाटी । भारतीय क्रिकेट टीम के बल्लेबाजी कोच सितांशु कोटक ने मुख्य कोच गौतम गंभीर की आलोचना करने वालों को आड़े हाथों लिया है। कोटक के अनुसार ऐसा लगता है जैसे कुछ कुछ लोग अपने फायदे के लिए इस प्रकार का अभियान चला रहे हैं। उन्होंने कहा, '' गंभीर की लगातार आलोचना हो रही है। मैं इसलिये ऐसा कह रहा हूं क्योंकि मैं स्टाफ हूं और मुझे ये अच्छा नहीं लग रहा है। यह कोई सही तरीका नहीं है।' इस पूर्व बल्लेबाज ने कहा, '' शायद कुछ लोगों का ये व्यक्तिगत एजेंडा हो सकता है। वे करते रहे पर ये तरीका सही नहीं है।' गौतलब है कि कोलकाता में पहले टेस्ट के लिये इस्तेमाल की गई पिच को लेकर भी गंभीर की काफी आलोचना हुई थी। इस मैच में भारतीय टीम की बल्लेबाजी असफल रही थी और टीम 124 रन के साधारण से लक्ष्य को भी हासिल नहीं कर पायी। वहीं गंभीर ने क्यूरेटर का बचाव करते हुए कहा था कि पिच वैसी ही थी, जैसी मांगी गई थी। वहीं कुछ सप्ताह पहले शुभमन गिल ने कहा था कि भारतीय टीम अच्छी पिचों पर खेलना चाहती है जो बल्लेबाजों और गेंदबाजों दोनों की मदद करे ।

केकेआर से अब भी खेलना चाहते वेंकटेश अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज वेंकटेश अय्यर ने कहा है कि वह अभी भी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) से खेलना चाहते हैं और इसी कारण कोच अभिषेक नायर के संपर्क में बने हुए हैं। साथ ही कहा कि उन्हें उम्मीद है कि नीलामी में एक बार फिर से अवसर मिल सकता है। वेंकटेश को हाल ही में केकेआर ने रिलीज कर दिया था। वेंकटेश का कहना है कि टीम के रिलीज किये जाने के बाद भी उनका दिल उसी के साथ है। इसी कारण वह केकेआर के साथ जाना चाहते हैं। 2025 की नीलामी में केकेआर द्वारा 23.75 करोड़ रुपये में खरीदे जाने के बाद सबसे चर्चित खिलाड़ियों में से एक रहे इस ऑलराउंडर ने कहा कि वह फैंचाइज़ी द्वारा उन पर रखे गए भरोसे के लिए आभारी हैं और उम्मीद करते हैं कि यह जुड़ाव जारी रहेगा। वहीं केकेआर ने आगामी सीज़न के लिए वेंकटेश सहित कई बड़े खिलाड़ियों को रिलीज़ किया है। अय्यर के साथ, इस सूची में आंद्रे रसेल, क्विंटन डी कॉक, मोइन अली, एनरिक नॉर्टजे, स्पेंसर जॉनसन और रहमानुल्लाह गुरबाज़ शामिल थे। अय्यर ने यह भी बताया कि अगर केकेआर में वापसी संभव नहीं होती है, तो वह लीग की बाकी नौ टीमों में से किसी के लिए भी खेलने को तैयार हैं। उन्होंने ज़ोर देकर कहा कि उनका योगदान बल्लेबाज़ी और गेंदबाज़ी से कहीं आगे जाता है, और ज़रूरत पड़ने पर वह नेतृत्व संबंधी सुझाव देने के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए, आईपीएल में खेलना एक मौका है। इससे कोई फ़र्क़ नहीं पड़ता कि मैं किस टीम के लिए खेलता हूँ। मैं अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करूँगा। अगर मुझे अपने दिल से पूछना पड़े, तो मैं अब भी केकेआर के लिए खेलना चाहूँगा। मैंने केकेआर के साथ एक चैंपियनशिप जीती है। मैं इस विरासत को आगे बढ़ाना चाहता हूँ।

भारतीय महिला क्रिकेट का स्वर्णिम अध्याय: अंजुम चोपड़ा ने विश्व कप जीत को बताया सबसे बड़ा गेम चेंजर

गुवाहाटी (एजेंसी)। पूर्व भारतीय क्रिकेटर और कप्तान अंजुम चोपड़ा ने आईसीसी महिला विश्व कप में पहली जीत के लिए टीम इंडिया की सराहना की और कहा कि उन्हें अभी भी टीम इंडिया के शानदार प्रदर्शन की वो अच्छी और सुखद यादें याद आती हैं और उन्होंने इसे महिला क्रिकेट में सबसे बड़ा बदलाव करार दिया। 2 नवंबर को, वापसी कर रही शेफाली वर्मा और दीप्ति शर्मा के हरफनमौला प्रदर्शन की बदौलत भारत ने इतिहास रच दिया। उन्होंने पहली बार फाइनल में पहुँची दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 299 रनों के लक्ष्य का बचाव करते हुए नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में 52 रनों से खिताबी मुकाबला जीतकर वनडे और टी20 अंतरराष्ट्रीय दोनों प्रारूपों में अपना पहला विश्व खिताब हासिल किया।

यह जीत 2005 और 2017 के विश्व कप फाइनल में मिली दो हार के बाद और भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) द्वारा भारत में महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने के लिए किए गए कई प्रयासों, जैसे पुरुष टीम के बराबर मैच फीस और महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) की शुरुआत के बाद मिली। शुक्रवार को फिक्की टर्फ 2025 - 15वें ग्लोबल स्पोर्ट्स समिट के मौके पर विश्व कप जीत के बारे में पत्रकारों से बात करते हुए, चोपड़ा ने कहा कि वह इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हैं।

अंजुम ने कहा कि यह मेरे लिए अब भी एक खास पल है। जब भी मैं अपने फोन पर वह रील या वीडियो देखती हूँ, तो जो खिलाड़ी इस समय सुर्खियों में हैं, हरमन का कैच, सेमीफ़ाइनल की जीत और हमारे अभियान की पहली जीत, यह सब एक सुखद स्मृति के रूप में मेरे सामने आ जाता है। जब भारत लगातार तीन मैच हार गया था, तो यह बहुत मुश्किल था। लेकिन जब हमने ऑस्ट्रेलिया को (सेमीफ़ाइनल में) हराया, तो लोगों ने कहा कि हमें खुश होना चाहिए। लेकिन विश्व चैंपियनशिप केवल जीतने वालों को मिलती है। मैं खेल नहीं रही थी, लेकिन मैं अब भी इस विश्व कप के बहुत करीब महसूस करती हूँ, और मैं लोगों को बताती हूँ कि मैं एक विश्व चैंपियन हूँ।

अंजुम ने डब्ल्यूपीएल को महिला खिलाड़ियों के लिए एक ÷बड़ा कदम÷ और उन लोगों के लिए एक बेहतरीन टूर्नामेंट बताया जो इस खेल को अपनाना चाहते हैं और इसमें प्रगति करना चाहते हैं। उन्होंने आगे कहा, 'डब्ल्यूपीएल महिला खिलाड़ियों के लिए एक बड़ा कदम साबित हुआ है। पहले से दूसरे सीज़न तक भारतीय खिलाड़ियों में काफ़ी सुधार हुआ है, हालाँकि बहुत ज़्यादा नहीं। यह एक खिलाड़ी के तौर पर छलांग लगाने की बात नहीं है, बल्कि सही दिशा में आगे बढ़ने की बात है। यह विश्व कप जीत महिलाओं के खेल में सबसे बड़ा बदलाव रही है। हम लगातार ये सम्मान पाने की कोशिश कर रहे थे, लेकिन यह एक शुरुआत है, और हमें जो इनाम मिला है, वह बहुत ख़ास है। मैं डब्ल्यूपीएल को खिलाड़ियों के लिए इस खेल को अपनाने और इसमें प्रगति करने के लिए एक बेहतरीन विकल्प मानती हूँ।'

ड्रग पार्टी मामले में अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई को एएनसी का समन्स

मुंबई (एजेंसी)। सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर ओरी के बाद अब बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर के भाई सिद्धांत कपूर को मुंबई पुलिस की एंटी-नारकोटिक्स सेल (एएनसी) ने ड्रग पार्टी केस में समन्स भेजा है। सिद्धांत कपूर को इस केस में 25 नवंबर को पेश होने के लिए कहा गया है। ओरी, जो पहले समन्स भेजे जाने के बावजूद पेश नहीं हुए थे, उन्हें अब 26 नवंबर की नई तारीख दी गई है। मिली जानकारी के मुताबिक, दाऊद इब्राहिम के गैंग का एक खास सदस्य और भगोड़े ड्रग किंगपिन सलीम डोला का करीबी मोहम्मद सलीम मोहम्मद सुहैल शेख ने मुंबई और दुबई में रेव पार्टियां ऑर्गनाइज़ की थीं। मुंबई क्राइम ब्रांच की एंटी-नारकोटिक्स सेल के मुताबिक, इन पार्टियों में कथित तौर पर दाऊद इब्राहिम की मरहूम बहन हसीना पारकर का बेटा अलीशा, अभिनेत्री नोरा फतेही, श्रद्धा कपूर और उनके भाई सिद्धांत कपूर शामिल हुए थे। इन पार्टियों में शामिल होने वाले दूसरे लोगों में कुछ बड़े और खास लोग भी शामिल थे। मुंबई कोर्ट में पुलिस की तरफ से फाइल की गई रिमांड एप्लीकेशन में कहा गया है कि फिल्ममेकर अब्बास-मस्तान, रैपर लोका, ओरी और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (अजित पवार) के नेता जीशान सिद्दीकी भी इन पार्टियों में कथित तौर पर मौजूद थे। मुंबई पुलिस की एएनसी इस हाई-प्रोफाइल पार्टी केस की जांच कर रही है।

राहुल गांधी मामले की सुनवाई अब 18 दिसंबर को

वाराणसी (एजेंसी)। लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से जुड़े एक मामले की सुनवाई वाराणसी कोर्ट में शुक्रवार को होनी थी, लेकिन उनके कोर्ट में उपस्थित नहीं होने के चलते तारीख आगे बढ़ा दी गई। अब इस मामले की सुनवाई 18 दिसंबर को होगी। इस मामले की सुनवाई कर रहे विशेष न्यायाधीश एमपी-एमएलए यजुर्वेद विक्रम सिंह ने कहा, कि मामले की अगली सुनवाई (18 दिसंबर) पर राहुल गांधी या उनके वकील कोर्ट में पेश हों, ताकि सुनवाई हो सके। यहां बताते चलें कि राहुल गांधी द्वारा अमेरिका के न्यूयॉर्क में ब्राउन यूनिवर्सिटी में भगवान राम को कथित तौर पर काल्पनिक कहने के आरोप पर याचिका दायर की गई थी। इसे लेकर 12 मई को वकील हरिशंकर पांडेय ने पुनरीक्षण याचिका दाखिल की थी, जिसमें उन्होंने दावा किया कि राहुल गांधी ने 21 अप्रैल को अमेरिका के बोस्टन स्थित ब्राउन यूनिवर्सिटी में स्टूडेंट्स के साथ हुए एक सेशन में विवादित बयान दिए। बताया जा रहा है कि इस मामले में कोर्ट में पहले याचिकाकर्ता की मेंटेनिबिलिटी यानी मानसिकता पर बहस होगी, इसके बाद ही तय हो पाएगा कि राहुल गांधी के खिलाफ मामला चलाया जाए या नहीं।

तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स का बड़ा जखीरा दिल्ली पुलिस ने पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पुलिस की क्राइम ब्रांच ने अंतरराष्ट्रीय हथियार तस्करी करने वाले एक बड़े रैकेट का भंडाफोड़ कर दिया है। पुलिस ने गिरोह से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार किया है, जो पाकिस्तान से ड्रोन के जरिए आए अत्याधुनिक हथियारों की सप्लाई कुख्यात गैंगस्टरों तक पहुंचाने की कोशिश कर रहे थे। इन हथियारों की खेप पंजाब के रास्ते भारत लाई गई थी और इन हथियारों को लॉरेंश बिश्नोई, बमबीहा, गोगी और हिमांशु भाऊ गैंग तक सप्लाई होना था। बरामद हथियारों में तुर्की और चीन में बने हाई-टेक वेपन्स शामिल हैं। क्राइम ब्रांच को इनपुट मिला था कि कुछ तस्कर दिल्ली में हथियारों की बड़ी सप्लाई करने पहुंचने वाले हैं। इसके बाद रोहिणी इलाके में जाल बिछाकर इन आरोपियों को पकड़ा गया। पुलिस ने मौके से भारी मात्रा में आधुनिक हथियार बरामद किए हैं और पूरे नेटवर्क की जांच जारी है। गिरफ्तार किए गए आरोपी पंजाब और यूपी निवासी हैं। पुलिस ने बताया कि हथियारों की यह बड़ी खेप दिल्ली के रोहिणी इलाके से बरामद की गई। कुछ तस्कर राजधानी में हथियारों की सप्लाई करने वाले हैं। इसके बाद टीम ने मौके पर ट्रैप लगाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

उप-मुख्यमंत्री सचिव के नाम का दुरुपयोग, एमएलसी को भेजा धमकी भरा पत्र

पटना (एजेंसी)। पटना में राजनीतिक हलकों में हड़कंप मच गया है। उप-मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के निजी सचिव रणवीर बरियार के नाम का दुरुपयोग कर एक धमकी भरा और अभद्र टिप्पणी वाला पत्र एमएलसी नीरज कुमार को भेजा गया। पत्र स्पीड पोस्ट के माध्यम से भेजा गया था, जिससे मामला और गंभीर बन गया। पत्र की जानकारी मिलने पर निजी सचिव ने सचिवालय थाना में एफआईआर दर्ज कराई। पुलिस ने पत्र के स्रोत और सामग्री की जांच शुरू कर दी है। जांच में पता चला कि यह पत्र कर्नाटक के मैसूर से भेजा गया था। इसमें निजी सचिव का नाम और पदनाम इस्तेमाल किया गया, जिसका उद्देश्य राजनीतिक भ्रम और डर फैलाना था। पुलिस का मानना है कि यह कार्य किसी विरोधी तत्व या दुर्भावनाशील व्यक्ति का हो सकता है। यह सिर्फ अभद्र टिप्पणी नहीं, बल्कि उच्च पदस्थ अधिकारी के नाम पर जनप्रतिनिधि को धमकाने का गंभीर प्रयास माना जा रहा है। इस घटना ने राजधानी पटना में प्रशासनिक और राजनीतिक हलकों में चिंता बढ़ा दी है।

दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा

नई दिल्ली (एजेंसी)। म्यूल अकाउंट के जरिए दिल्ली से ऑपरेट हो रहे साइबर सिंडिकेट में दिल्ली पुलिस ने अपने साइ-हाक ऑपरेशन में बड़ी संख्या में स्कैमर्स को पकड़ा है। दिल्ली पुलिस इस बारे में बड़ा खुलासा करने वाली है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, आई4सी की मदद से दो दिन तक चले ऑपरेशन में सभी जिलों में स्थित साइबर थानों को शामिल किया गया था। यह ऑपरेशन खत्म हुआ है। सूत्रों ने बताया कि इस पूरे ऑपरेशन में दिल्ली व बाकी दूसरे इलाकों से 700 से अधिक साइबर क्रिमिनल पकड़े हैं। इन सभी से पूछताछ जारी थी। वहीं, पुलिस साइ-हाक ऑपरेशन की फाइनल फिगर जुटाने में लगी थी। सूत्रों ने बताया कि यह संख्या 1000 तक पहुंच सकती है। ऑपरेशन के पहले ही दिन ही 12 घंटों के भीतर 350 से अधिक संदिग्ध को हिरासत में लिया जा चुका था। साइबर क्राइम से जुड़ी शिकायतों पर तुरंत एफआईआर भी दर्ज की जा रही है। डिस्ट्रिक्ट स्तर पर सभी डीसीपी ऑपरेशन को लीड कर रहे हैं। करीब 180 थाने, 15 जिलों के सभी साइबर थाने, क्राइम ब्रांच की साइबर टीम और स्पेशल सेल की आईएफएसओ यूनिट टीमें इस अभियान का हिस्सा बनी है।

केंद्रीय मंत्री शेखावत ने एसआईआर प्रक्रिया पर विपक्ष को घेरा, कांग्रेस पर साधा निशाना

जोधपुर (एजेंसी)। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया को लेकर विपक्षी दलों, खासकर कांग्रेस के सवालों पर करारा प्रहार किया। उन्होंने कहा कि निर्वाचन आयोग संवैधानिक अधिकारों के तहत निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करने के लिए यह कार्य कर रहा है। जोधपुर एयरपोर्ट पर मीडिया से बातचीत में शेखावत ने स्पष्ट किया कि मतदाता सूची का समय-समय पर पुनरीक्षण चुनाव आयोग की जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा, संविधान द्वारा प्रदत्त अधिकारों के अंतर्गत आयोग यह प्रक्रिया पूरी कर रहा है। देश में कई बार मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण हो चुका है, जो चुनावों की शुचिता बनाए रखने के लिए आवश्यक है।

कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह पार्टी हमेशा से राजनीतिक स्वार्थ में लिप्त रही है। उन्होंने महाराष्ट्र चुनाव के बाद कांग्रेस नेताओं द्वारा मतदाता सूचियों में गड़बड़ी के आरोपों का जिक्र किया। शेखावत ने व्यंग्यात्मक लहजे में कहा, कांग्रेस और उसके मुखिया कभी हाइड्रोजन बम तो कभी एटम बम जैसे दावे करते रहे। अब एसआईआर प्रक्रिया शुरू होते ही वे इस पर राजनीति कर रहे हैं। लेकिन बिहार चुनाव में जनता ने स्पष्ट संदेश दिया है कि बांटने, तोड़ने और दुर्व्यवहार की राजनीति अब नहीं चलेगी। देश सिर्फ विकास और विकसित भारत की दिशा में प्रेरित राजनीति को स्वीकार करेगा। उन्होंने आगे कहा कि कई राज्यों में अभी चुनाव बाकी हैं और बंगाल जैसे राज्यों में जनता फिर से अपना फैसला सुनाएगी। एसआईआर प्रक्रिया पर उठे सवालों का जवाब देते हुए शेखावत ने बताया कि यह चरणबद्ध तरीके से पूरे देश में लागू की जाएगी। फिलहाल 12 राज्यों में यह प्रक्रिया चल रही है और इनके पूरा होने के बाद अन्य राज्यों में शुरू होगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि एसआईआर से मतदाता सूचियों की सटीकता बढ़ेगी, जो लोकतंत्र की मजबूती के लिए जरूरी है।

कांग्रेस की आलोचना में शेखावत ने पार्टी के इतिहास को भी निशाने पर लिया। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने अपने अस्तित्व से लेकर अब तक हर कदम राजनीति और सत्ता से प्रेरित रखा। यहां तक कि वंदे मातरम जैसे राष्ट्रीय गीत को भी सत्ता और कुर्सी के लिए बांटने का पाप किया। इसी सोच ने देश के विभाजन की नींव रखी। कांग्रेस ने जीवन भर बांटने और तोड़ने की राजनीति की। राजनीतिक स्वार्थ को सर्वोपरि रखते हुए सभी निर्णय लिए। अब भी वे कुछ अलग सोच सकती हैं, इसकी संभावना नहीं लगती। केंद्रीय मंत्री ने विपक्ष को चेतावनी देते हुए कहा कि जनता अब ऐसी विभाजनकारी राजनीति को बर्दाश्त नहीं करेगी। उन्होंने विकास की राजनीति पर जोर दिया और कहा कि मोदी सरकार का फोकस देश को एकजुट रखते हुए आगे बढ़ाना है। एसआईआर जैसी प्रक्रियाएं इसी दिशा में उठाए गए कदम हैं, जो चुनावी प्रक्रिया को और पारदर्शी बनाएंगी। शेखावत की यह टिप्पणियां ऐसे समय में आई हैं जब विपक्ष एसआईआर को लेकर सवाल उठा रहा है, लेकिन मंत्री ने इसे राजनीतिक दांव-पेच करार दिया। उन्होंने विश्वास जताया कि जनता सच्चाई समझती है और विकास के पथ पर साथ देगी।

गोवा जिला पंचायत चुनाव : आप सभी सीटों पर लड़ेगी चुनाव

पणजी (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी ने गोवा जिला पंचायत चुनावों के लिए 22 उम्मीदवारों की घोषणा की है और सभी 50 सीटों पर पूरी ताकत से चुनाव लड़ने का ऐलान किया है। यह कदम दिखाता है कि आप गोवा के गांवों, कस्बों और स्थानीय निकायों को सक्रिय और मजबूत बनाने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। आप ने पिछले कुछ वर्षों में अपनी संगठनात्मक पकड़ को बढ़ाया है और चुनाव जीतने की क्षमता वाली ठोस संरचना में बदल दिया है। घोषित सूची आप की साफ-सुथरी राजनीति, पारदर्शिता और जनसेवा की पहचान को दिखाती है। इसमें युवाओं, महिलाओं, सामाजिक कार्यकर्ताओं और अलग-अलग समुदायों के प्रतिनिधियों का संतुलित और समावेशी मिश्रण है। गोवा की जनता पानी, सड़क, बिजली, स्वास्थ्य और पारदर्शी प्रशासन की मांग को लेकर आप की तरफ देख रही है, और यह घोषणा उसी भरोसे की पुष्टि करती है। खबर के अनुसार, गोवा में बीजेपी सरकार के प्रति जनता की नाराज़गी बढ़ती दिख रही है। विकास के दावे केवल सोशल मीडिया तक सीमित हैं, जबकि पंचायतों की शक्तियों को लगातार कमजोर किया गया है। ग्रामीण इलाकों में महंगाई, रोजगार की कमी और भ्रष्टाचार के मुद्दे लगातार उठ रहे हैं, जबकि सरकार की प्राथमिकता केवल राजनीतिक प्रचार में नज़र आती है। आप ने साफ कर दिया है कि वह केवल चुनाव लड़ने नहीं, बल्कि गोवा की राजनीति को एक नया रास्ता दिखाने आई है, जिसमें जनता, पंचायतें और स्थानीय नेतृत्व केंद्र में हों, न कि सत्ता का एकाधिकार।

मणिपुर में कुछ समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने में लगे : पूर्व सीएम सिंह

इंफाल (एजेंसी)। मणिपुर के पूर्व मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने दावा किया कि कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर राज्य में अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान भटकाने की कोशिश में जुटे हैं। पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि राष्ट्र-विरोधी और राज्य-विरोधी तत्वों को घुसपैठियों से जुड़े असल मुद्दे से ध्यान भटकाने की अनुमति नहीं होनी चाहिए।

उन्होंने पोस्ट में कहा, जब मैंने राजग सरकार के दौरान पड़ोसी देश से आए अवैध प्रवासियों और शरणार्थियों की पहचान शुरू की, तब पड़ोसी राज्यों के नेताओं ने इसकी कड़ी आलोचना की। सिंह ने कहा, ''आज नगालैंड और मिजोरम सहित हर पड़ोसी राज्य ने आखिरकार स्थिति की गंभीरता को समझकर सख्त कार्रवाई कर रहा है।''

उनका बयान हाल ही में मीडिया में आई उन खबरों के बाद आया है जिनमें कहा गया था कि मिजोरम सरकार ने राज्य के 11 जिलों में शरण लिए हुए म्यांमार के 31,214 शरणार्थियों का 58.15 प्रतिशत बायमैट्रिक नामांकन पूरा किया है।

पूर्व सीएम सिंह ने कहा कि मिजोरम अवैध प्रवासियों की पहचान करने में प्रभावशाली गति से आगे बढ़ रहा है, लेकिन इसकी सबसे पहले जिम्मेदारी लेने वाला राज्य मणिपुर जातीय हिंसा के नाम पर ज्वलंत मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है।

उन्होंने दावा किया कि प्राथमिकता में यह बदलाव कोई संयोग नहीं है। उन्होंने कहा, ''कुछ शक्तिशाली समूह जानबूझकर अवैध प्रवासियों की मूल समस्या से ध्यान हटाने की कोशिश कर रहे हैं ताकि राज्य और केंद्र सरकार गौण मुद्दों में उलझकर मणिपुर के सामने मौजूद मुख्य खतरे को भूल जाएं।''

तमिलनाडु विधानसभा चुनाव 2026: सीट शेयरिंग के लिए कांग्रेस ने बनाई कमेटी, डीएमके के साथ ही लड़ेगी चुनाव

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु में 2026 में होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले कांग्रेस ने अपने सहयोगी दल द्रमुक (डीएमके) के साथ सीट शेयरिंग पर औपचारिक बातचीत शुरू करने की तैयारी कर ली है। इसी कड़ी में पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के निर्देश पर एक पांच सदस्यीय कमेटी का गठन किया गया है, जो गठबंधन की रूपरेखा और सीटों के बंटवारे पर डीएमके से बातचीत का नेतृत्व करेगी।

कांग्रेस की ओर से तमिलनाडु-पुडुचेरी के इंचार्ज गिरीश चोडनकर को कमेटी का अध्यक्ष बनाया गया है। इसके साथ ही टीएनसीसी अध्यक्ष के. सेल्वापेरुंथगई,

कांग्रेस विधायक दल के नेता एस. राजेश

कुमार और दो अन्य वरिष्ठ नेताओं को भी कमेटी में शामिल किया गया है। टीएनसीसी ने शनिवार को इसका आधिकारिक ऐलान किया।

विजय की पार्टी से गठबंधन की अटकलों पर फिलहाल लगा विराम

पिछले कुछ हफ्तों में राजनीतिक गलियारों में चर्चा थी कि कांग्रेस 2026 के चुनाव में एक्टर विजय की नई पार्टी तमिलगा वेत्री कझगम (टीवीके) के साथ गठबंधन कर सकती है। हालांकि कांग्रेस नेता पी. चिदंबरम ने इन अटकलों को सिरे से खारिज कर दिया है। उन्होंने साफ कहा कि कांग्रेस आगामी विधानसभा चुनाव मौजूदा डीएमके-कांग्रेस गठबंधन के तहत ही लड़ेगी। कमेटी का गठन इंडिया ब्लॉक की एकता को मजबूत करने के प्रयास के तौर पर भी देखा जा रहा है।

गठबंधन की पिछली सफलताएँ

तमिलनाडु की कुल 234 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस और डीएमके ने साल 2021 में मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस ने 25 सीटों पर मुकाबला किया और 18 सीटों पर जीत दर्ज की थी। जबकि डीएमके ने 159 सीटें जीतीं और 10 साल बाद सत्ता में वापसी की। इसी जीत के बाद एमके स्टालिन पहली बार मुख्यमंत्री बने।

बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकंग मामले में 7 लोग दोषी करार, 24 को सुनाई जा सकती है सजा

वाराणसी(एजेंसी)। वाराणसी जिला एवं सत्र न्यायालय की फास्ट ट्रैक कोर्ट ने बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग मामले में 7 लोगों को दोषी करार दिया है। इसी मामले के 8 आरोपियों को संदेह का लाभ मिला और उन्हें दोषमुक्त करार दिया गया। दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। गौरतलब है कि बच्चा चोरी और ह्यूमन ट्रैफिकिंग के मामले में पुलिस ने 16 लोगों के खिलाफ अदालत में चार्जशीट दाखिल की थी। इस गिरोह के 10 सदस्यों को झारखंड, राजस्थान और यूपी के बनारस से गिरफ्तार किया गया था। गिरफ्तार आरोपियों के कब्जे व निशानदेही पर अगवा कर बेचे गए तीन बच्चों को बरामद किया गया था। पुलिस ने तब बच्चे को अगवा करने में इस्तेमाल कार को भी बरामद कर सीज किया था। इन आरोपियों में गिरोह का मास्टर माइंड समेत तीन महिलाएं भी शामिल रही हैं। इस मामले की सुनवाई फास्ट ट्रैक कोर्ट में हुई, जहां गवाहों, साक्ष्यों और पुलिस चार्जशीट के आधार पर 7 लोगों को दोषी करार दिया गया है। अब सभी दोषियों को 24 नवंबर को सजा सुनाई जा सकती है। इस मामले में पुलिस सूत्रों का कहना था, कि बच्चों की चोरी कर राजस्थान, झारखंड और बिहार आदि राज्यों में मौजूद दलालों को सौंप दिया जाता था। फिर दलाल इन बच्चों को दो से पांच लाख तक में निःसंतान दंपती या अन्य जरुरतमंद को बेच देते थे।

अयोध्या राम मंदिर में ध्वजारोहण समारोह: अतिथियों के सत्कार की पूरी व्यवस्था

-पहले दिन पूजन विधिवत संपन्न, देवताओं का किया आह्वान

अयोध्या (एजेंसी)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर में होने वाले ऐतिहासिक ध्वजारोहण समारोह को सफल बनाने के लिए तैयारी है। अतिथियों के सत्कार से लेकर धार्मिक अनुष्ठानों तक, हर व्यवस्था को सूक्ष्मता से संचालित किया जा रहा है। आमंत्रित आगंतुकों के लिए सात स्थानों पर आठ भोजनालय बनाए हैं, जहां लाखों पानी की बोतलों समेत सभी तरह की सेवाओं की व्यवस्था है। इन भोजनालयों में जलपान के बाद अतिथियों को कार्यक्रम स्थल भेजा।

केंद्रीय मंत्री राजेंद्र सिंह ÷पंकज÷ ने बताया कि सीता रसोई के अलावा देशभर में अन्न सेवा करने वाले भक्त संगठन भी भोजनालयों में मदद कर रहे हैं। यह सभी भोजनालय आगंतुकों को निर्बाध, गरिमामय व सहज सेवाएं प्रदान कर रहे हैं। ध्वजारोहण कार्यक्रम के पहले दिन पूजन की शुरुआत भव्य कलश यात्रा के बाद से ध्वजारोहण कार्यक्रम के प्रथम चरण के रूप में

वैदिक पूजन-अर्चन की शुरुआत हुई। विभिन्न आचार्यों ने पूर्ण वैदिक विधि से देवताओं का आवाहन किया और कई महत्वपूर्ण अनुष्ठान संपन्न कराए। पूजन क्रम में गणपति पूजन, पंचांग पूजन, षोडष मातृका पूजन, मंडप प्रवेश पूजन, योगिनी पूजन, क्षेत्रपाल पूजन, वास्तु पूजन, नवग्रह पूजन एवं रामभक्त मंडल सहित सभी पूज्य मंडलों का आवाहन पूजन सम्पन्न हुआ। इसके बाद अरणि मंथन से अग्निकुंड में अग्नि स्थापना की गई। यजमान डॉ. अनिल मिश्र ने अपनी अर्द्धांगिनी के साथ पूजन किया। मुख्य आचार्य चंद्रभान शर्मा, उपाचार्य रविंद्र पैठणे, यज्ञ ब्रह्मा पंकज शर्मा सहित अन्य आचार्यों ने कार्यक्रम संपन्न कराया। पूजन व्यवस्था प्रमुख आचार्य इंद्रदेव मिश्र व आचार्य पंकज कौशिक के निर्देशन में सभी अनुष्ठान सफलतापूर्वक पूर्ण हुए। अतिथियों की आरामदायक व्यवस्था और वैदिक विधानों की निरंतरता इस ऐतिहासिक ध्वजारोहण कार्यक्रम को विशिष्ट और गरिमामय बना रही है।

ट्रंप और ममदानी के मुलाकात पर शशि थरूर ने कांग्रेस को आईना दिखाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और न्यूयॉर्क शहर के मेयर ज़ोहरान मामदानी के बीच हुई मुलाकात पर अपनी राय दी है। न्यूयॉर्क मेयर चुनाव से पहले ट्रंप और मामदानी दोनों ने एक-दूसरे पर खूब निशाना साधा था, लेकिन

वाइट हाउस में शुक्रवार को हुई उनकी मुलाकात सौहार्दपूर्ण रही। मुलाकात के एक वीडियो क्लिप पर प्रतिक्रिया देकर कांग्रेस नेता थरूर ने कहा कि लोकतंत्र को इसतरह काम करना चाहिए। उन्होंने कहा कि वह भारत में इस तरह का माहौल देखना पसंद करुंगा।

कांग्रेस नेता थरूर ने लिखा, चुनावों में अपने दृष्टिकोण के लिए जोश के साथ लड़ें। बिना किसी अलंकारिक रोक के विरोध किया। लेकिन एक बार जब चुनाव खत्म हुआ और जनता अपना फैसला सुना चुकी हो, तब उस राष्ट्र के सामान्य हित में एक-दूसरे के साथ सहयोग करना सीखें। जनता की सेवा करने के लिए आप दोनों प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि वह भारत में भी इसतरह की कोशिश के लिए प्रयास कर रहे हैं।

ट्रंप ने कहा कि मुलाकात बहुत ही उत्पादक रही और उम्मीद जाहिर की कि न्यूयॉर्क को एक महान मेयर मिलेगा। ट्रंप ने ममदानी की प्रशंसा कर कहा कि उन्हें पूरा विश्वास है कि डेमोक्रेट नेता अच्छा काम करेगा और कुछ रूढ़िवादी लोगों को आश्चर्यचकित करेगा। जब एक रिपोर्टर ने ममदानी से पूछा कि क्या इसकी पुष्टि करेगा, कि ट्रंप फासीवादी हैं, तब अमेरिकी राष्ट्रपति ने मजाकिया लहजे में कहा कि मेयर हां में जवाब दे सकते हैं। ट्रंप ने कहा, यह ठीक है। आप कह सकते हैं। यह समझाने से आसान है। मुझे कोई आपत्ति नहीं है।

बता दें कि थरूर की कुछ टिप्पणियों ने अतीत में कांग्रेस पार्टी के भीतर हलचल मचा दी थी। थरूर ने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का रामनाथ गोयनका व्याख्यान आर्थिक दृष्टिकोण और सांस्कृतिक आह्वान दोनों के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि बुखार और खांसी से जूझने के बावजूद उन्हें भाषण के दौरान दर्शकों में शामिल होकर खुशी हुई। उनके इस बयान पर कांग्रेस नेता संदीप दीक्षित ने उन्हें पाखंडी कहा, जबकि सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कि उन्हें पीएम के भाषण में प्रशंसा के योग्य कुछ भी नहीं मिला।

यूपी में डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तरप्रदेश राज्य के नगरीय निकाय क्षेत्रों की भूमि के सटीक व डिजिटल नक्शे तैयार करने के लिए अगले साल से ड्रोन सर्वेक्षण का कार्य शुरू होगा। पायलेट प्रोजेक्ट (प्रायोगिक परियोजना) के तौर पर अनूप शहर में चल रहे सर्वेक्षण के पूरा होने के बाद अन्य नगरीय निकायों के लिए सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार होगी। सर्वेक्षण के बाद संबंधित नगरीय निकाय क्षेत्रों में स्थित औद्योगिक क्षेत्र, बाजार, रिहायशी क्षेत्र, सड़क, रेल ट्रैक, तालाब, नदी व हरित क्षेत्र की सटीक जानकारी मिलेगी। इसके आधार पर राजस्व रिकार्ड के डिजिटल नक्शे तैयार किए जाएंगे।

केंद्रीय भूमि संसाधन विभाग के डिजिटल इंडिया भूमि रिकार्ड आधुनिकीकरण कार्यक्रम (डीआइएलआरएमपी) के तहत यूपी के ग्रामीण क्षेत्रों का सर्वेक्षण पूरा करने के बाद शहरी क्षेत्रों में सर्वेक्षण होना है। डीआइएलआरएमपी के तहत केंद्र सरकार हर प्रकार की भूमि का रिकार्ड तैयार करा रही है। इस रिकार्ड के तैयार होने के बाद सभी रिहायशी कालोनियों के भी नक्शे तैयार किए जाएंगे। अभी तक टैक्स प्रणाली के मद्देनजर शहरी क्षेत्रों के नक्शे तैयार किए गए हैं।

ड्रोन सर्वेक्षण के बाद सभी शहरों का नक्शा तैयार किया जाएगा, इससे भूमि के मालिकाना अधिकार को लेकर स्पष्टता आएगी। साथ ही भूमि की खरीद व बिक्री में धोखाधड़ी पर रोक लगेगी। एकीकृत भूमि सूचना प्रबंधन प्रणाली विकसित करने के लिए किए सभी शहरों व कालोनियों के नक्शों की जियो-रेफरेंसिंग (वास्तविक दुनिया के भौगोलिक निर्देशांकों को डिजिटल मानचित्र या छवि के साथ जोड़ने की प्रक्रिया) पूरी की जाएगी।

राजस्व विभाग ने पहले चरण के सर्वेक्षण के लिए टांडा, नवाबगंज, चित्रकूट धाम, गोरखपुर, हरदोई, झांसी, चुनार, पूरनपुर व तिलहर के नगरीय निकायों का चयन किया गया है।

पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर 18 फरवरी से अनूप शहर में सर्वेक्षण किया जा रहा है। इस सर्वेक्षण के समाप्त होने के बाद अन्य नगरीय निकाय क्षेत्रों के सर्वेक्षण की कार्ययोजना तैयार की जाएगी। चूंकि अनूप शहर की आबादी करीब 46 हजार है और 10 हजार मकान हैं इसलिए पायलेट प्रोजेक्ट के तौर पर इसका चयन किया गया है।

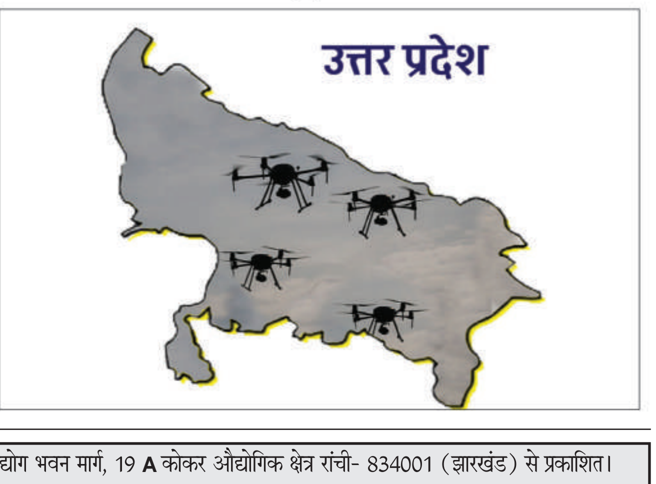

नवबिहार मीडिया प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक डॉ. रामाज्ञा तिवारी द्वारा विश्वेश्वरा पब्लिकेशनंस एलएलपी की ओर से शिवासाईं पब्लिकेशन प्राइवेट लिमिटेड, नियर टेंडर बागीचा पेट्रोल पंप, रातू, रांची (झारखंड)- 835222 से मुद्रित एवं उद्योग भवन मार्ग, 19 A कोकर औद्योगिक क्षेत्र रांची- 834001 (झारखंड) से प्रकाशित।
संपादक- डॉ. रामाज्ञा तिवारी, कार्यकारी संपादक- भीष्म सिंह, प्रबंध संपादक- पंकज कु. सिंह*, प्रधान संपादक- देवेंद्र सिंह (*पीआरबी एक्ट के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार), **प्रबंधक- नरेंद्र कुमार सिंह.** 9334331934, 7903538992, 9570107019, **RNI Regn.: JHAHIN/2011/40902**